lavisha

20 Aug 1998

05:20 PM

Hapur

Model: Web-JanmaKundliPlus

Order No: 119655101

सूचना

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती हैं। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/08/1998**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**17:20:00 घंटे**
इष्ट	28:43:51 घटी
स्थान	**Hapur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:43:50 उत्तर
रेखांश	77:46:33 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:54 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:01:06 घंटे
वेलान्तर	-00:03:28 घंटे
साम्पातिक काल	14:55:34 घंटे
सूर्योदय	05:50:27 घंटे
सूर्यास्त	18:53:41 घंटे
दिनमान	13:03:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:25:41 सिंह
लग्न के अंश	06:16:50 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वरियान
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डाली
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

पंचांग

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1920	श्रावण	29
पंजाबी	संवत : 2055	भाद्रपद	5
बंगाली	सन् : 1405	भाद्रपद	3
तमिल	संवत : 2055	आवनी	4
केरल	कोल्लम : 1174	चिगंम	4
नेपाली	संवत : 2055	भाद्रपद	4
चैत्रादि	संवत : 2055	भाद्रपद	कृष्ण 13
कार्तिकादि	संवत : 2055	श्रावण	कृष्ण 13

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि _____: 13
तिथि समाप्ति काल _____: 06:44:22
जन्म तिथि _____: 14
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: पुष्य
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 20:57:55 घंटे
जन्म योग _____: पुष्य
सूर्योदय कालीन योग _____: व्यतिपात
योग समाप्ति काल _____: 14:46:26 घंटे
जन्म योग _____: वरियान
सूर्योदय कालीन करण _____: वणिज
करण समाप्ति काल _____: 06:44:22 घंटे
जन्म करण _____: विष्टि
भयात _____: 52:33:13
भभोग _____: 61:38:00
भोग्य दशा काल _____: शनि 2 वर्ष 9 मा 9 दि

घात चक्र

मास _____: पौष
तिथि _____: 2-7-12
दिन _____: बुधवार
नक्षत्र _____: अनुराधा
योग _____: व्याघात
करण _____: नाग
प्रहर _____: 1
वर्ग _____: मेष
लग्न _____: तुला
सूर्य _____: सिंह
चन्द्र _____: मीन
मंगल _____: कन्या
बुध _____: मिथुन
गुरु _____: तुला
शुक्र _____: वृश्चिक
शनि _____: कर्क
राहु _____: धनु

जन्म कुण्डली

लग्न कुंडली

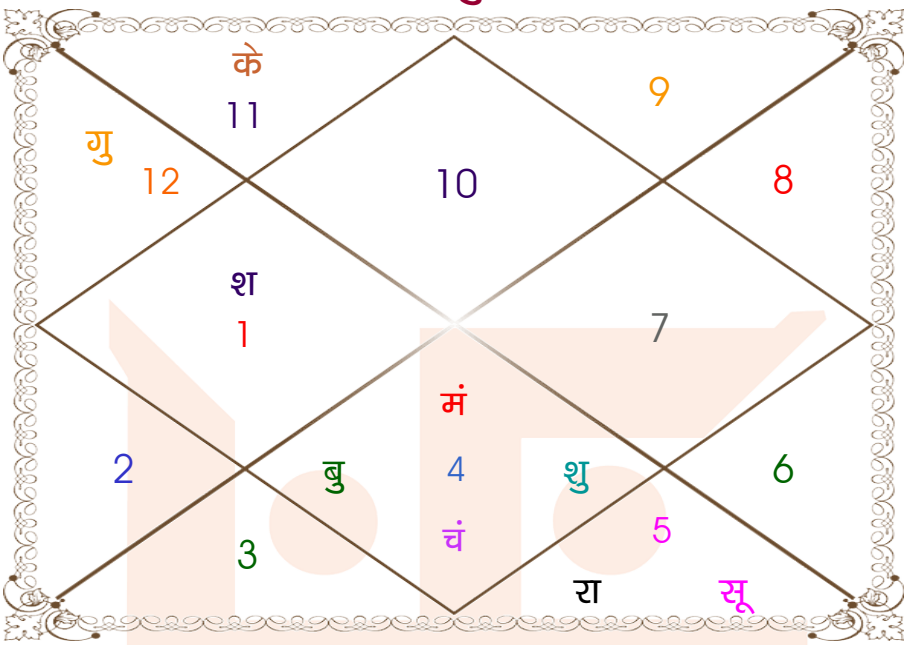

चन्द्र कुंडली

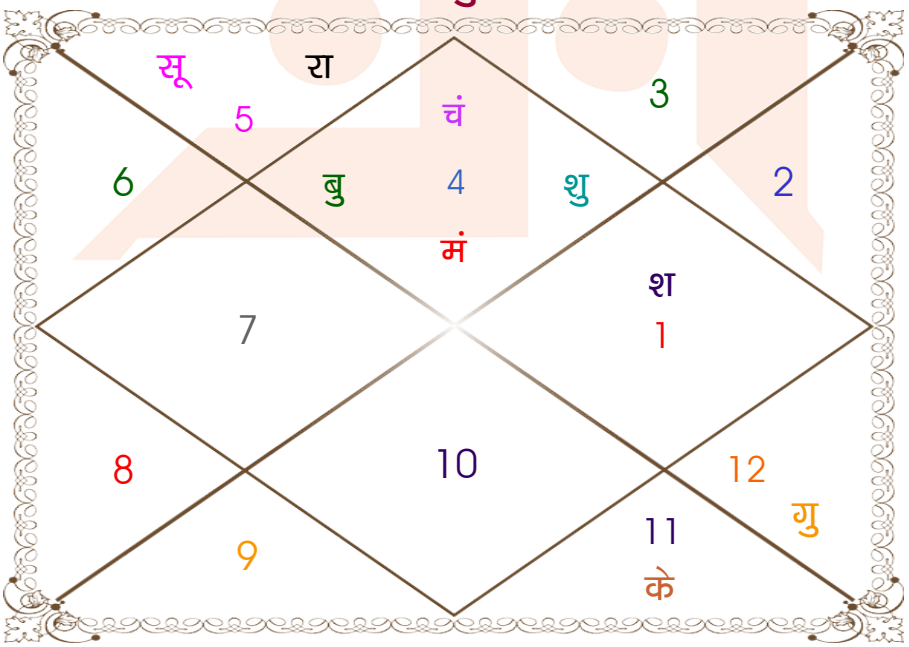

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

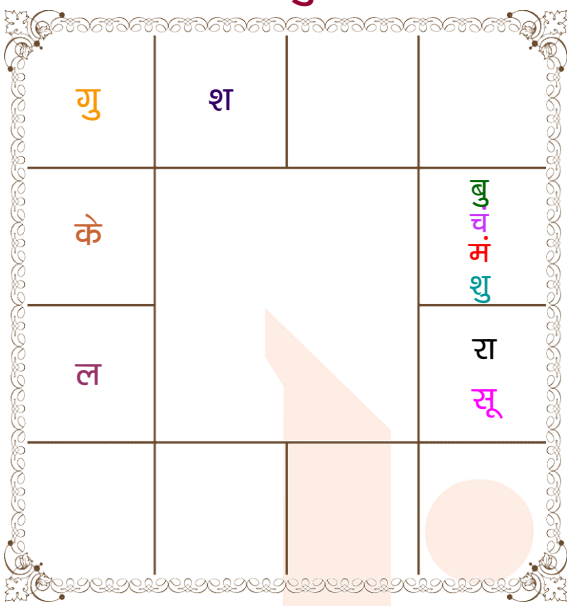

लग्न कुंडली

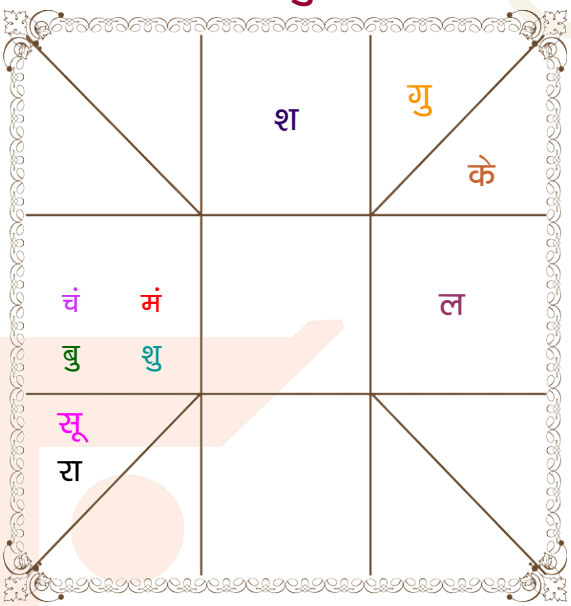

विंशोत्तरी
शनि 2वर्ष 9मा 9दि

शनि

20/08/1998

01/06/2102

शनि	31/05/2001
बुध	31/05/2018
केतु	31/05/2025
शुक्र	31/05/2045
सूर्य	31/05/2051
चन्द्र	31/05/2061
मंगल	30/05/2068
राहु	31/05/2086
गुरु	01/06/2102

योगिनी
धान्या 0वर्ष 5मा 7दि

संकटा

27/01/2021

27/01/2029

संकटा	07/11/2022
मंगला	27/01/2023
पिंगला	09/07/2023
धान्या	08/03/2024
भ्रामरी	27/01/2025
भद्रिका	09/03/2026
उल्का	09/07/2027
सिद्धा	27/01/2029

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	06:16:50	399:05:20	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
सूर्य			सिंह	03:25:41	00:57:47	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मूलत्रिकोण
चंद्र			कर्क	14:43:04	12:53:43	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	स्वराशि
मंगल			कर्क	05:57:52	00:38:42	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध	व	अ	कर्क	22:51:18	00:24:34	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
गुरु	व		मीन	02:27:56	00:06:00	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			कर्क	14:51:14	01:13:32	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	09:46:23	00:00:30	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु	व		सिंह	07:37:18	00:00:15	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	07:37:18	00:00:15	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	16:15:28	00:02:15	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	06:13:19	00:01:24	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	11:27:54	00:00:08	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			तुला	22:31:28	--	विशाखा	--	16	शुक्र	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:10

लग्न-चलित

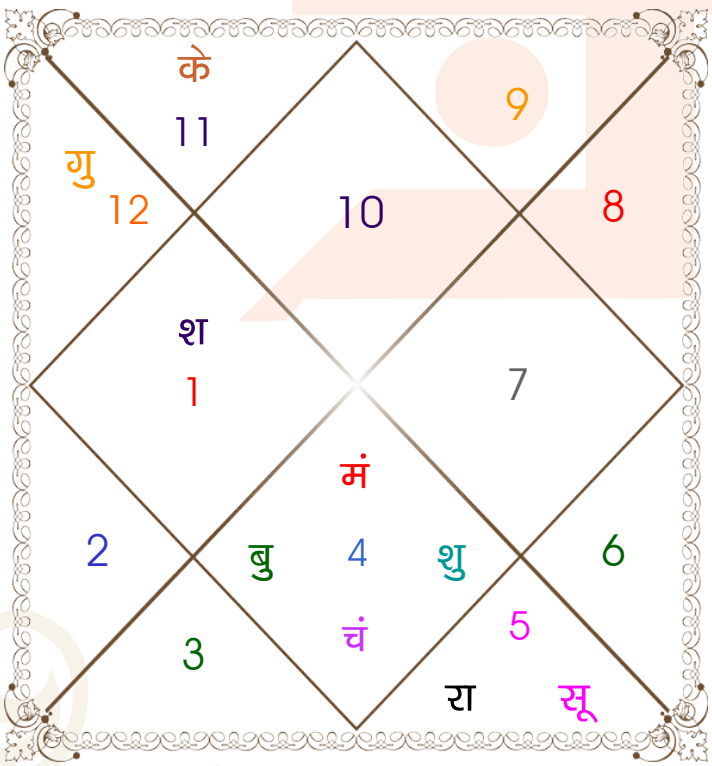

चन्द्र कुंडली

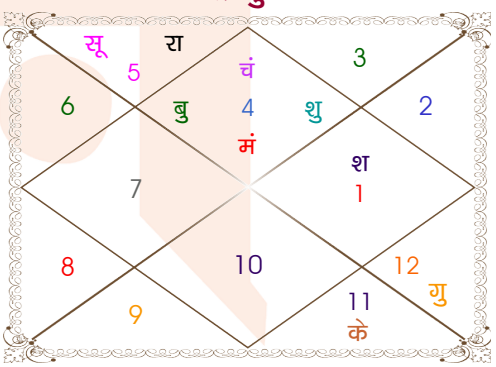

नवमांश कुंडली

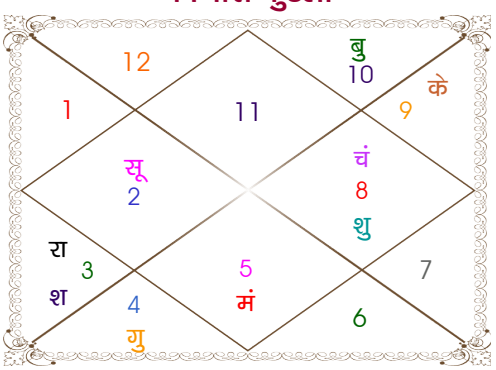

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	धनु	23:59:17	मकर	06:16:50
2	मकर	23:59:17	कुम्भ	11:41:43
3	कुम्भ	29:24:09	मीन	17:06:35
4	मेष	04:49:01	मेष	22:31:28
5	वृष	04:49:01	वृष	17:06:35
6	वृष	29:24:09	मिथुन	11:41:43
7	मिथुन	23:59:17	कर्क	06:16:50
8	कर्क	23:59:17	सिंह	11:41:43
9	सिंह	29:24:09	कन्या	17:06:35
10	तुला	04:49:01	तुला	22:31:28
11	वृश्चिक	04:49:01	वृश्चिक	17:06:35
12	वृश्चिक	29:24:09	धनु	11:41:43

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	मकर	06:16:50
2	कुम्भ	15:30:36
3	मीन	22:31:33
4	मेष	22:31:28
5	वृष	17:19:33
6	मिथुन	10:31:52
7	कर्क	06:16:50
8	सिंह	15:30:36
9	कन्या	22:31:33
10	तुला	22:31:28
11	वृश्चिक	17:19:33
12	धनु	10:31:52

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा
अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु

चलित कुंडली

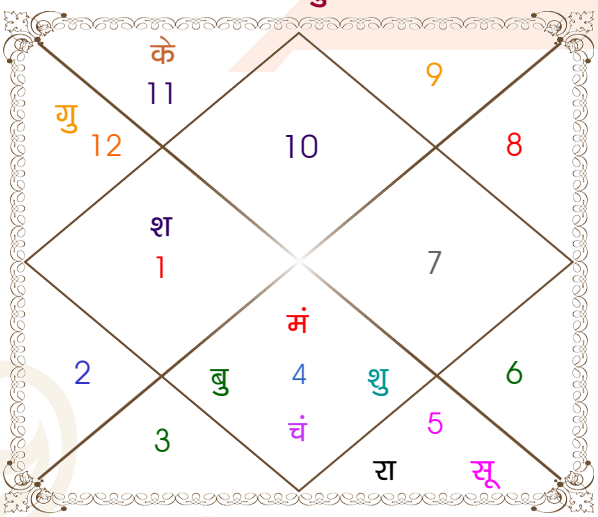

भाव कुंडली

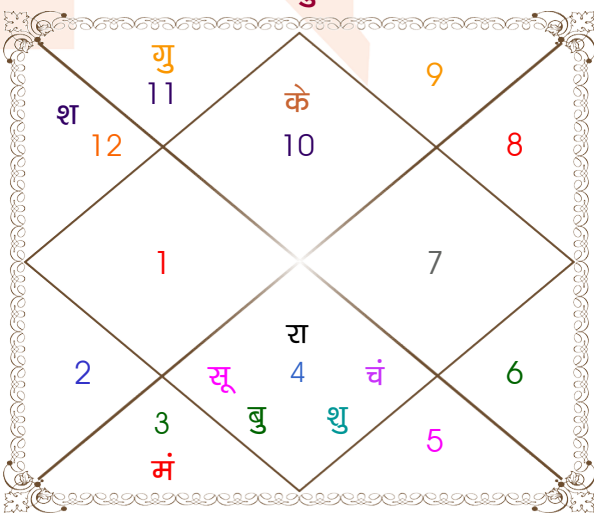

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	------ कारक ------			------- अवस्था -------			
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	ग्रह बल
सूर्य	ज्ञाति	पितृ	बाल	स्वस्थ	आगमन	7.40	63 %
चंद्र	भ्रातृ	मातृ	युवा	स्वस्थ	आगमन	8.12	56 %
मंगल	पुत्र	भ्रातृ	मृत	भीत	नृत्यलिप्सा	0.61	15 %
बुध	आत्मा	ज्ञाति	कुमार	विकल	नृत्यलिप्सा	0.00	37 %
गुरु	कलत्र	धन	मृत	स्वस्थ	नेत्रपाणि	3.35	68 %
शुक्र	अमात्य	कलत्र	युवा	खल	नृत्यलिप्सा	1.28	36 %
शनि	मातृ	आयु	कुमार	भीत	सभा	0.28	59 %
राहु	---	ज्ञान	कुमार	खल	नृत्यलिप्सा	0.00	23 %
केतु	---	मोक्ष	कुमार	खल	नृत्यलिप्सा	0.00	23 %
कुल						21.05	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा
अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु

चलित कुंडली

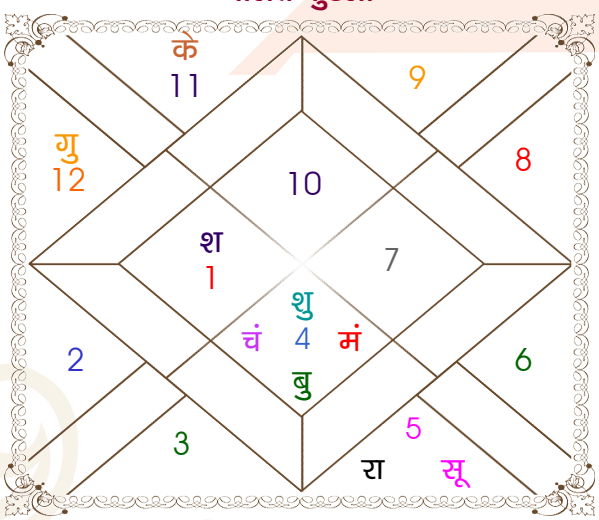

लग्न-चलित

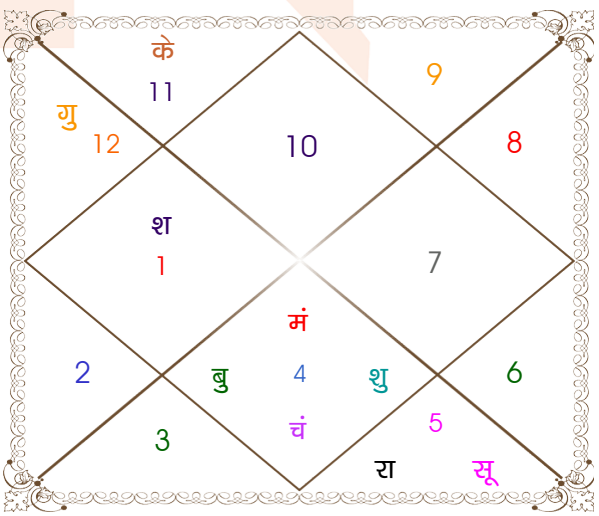

सुदर्शन चक्र

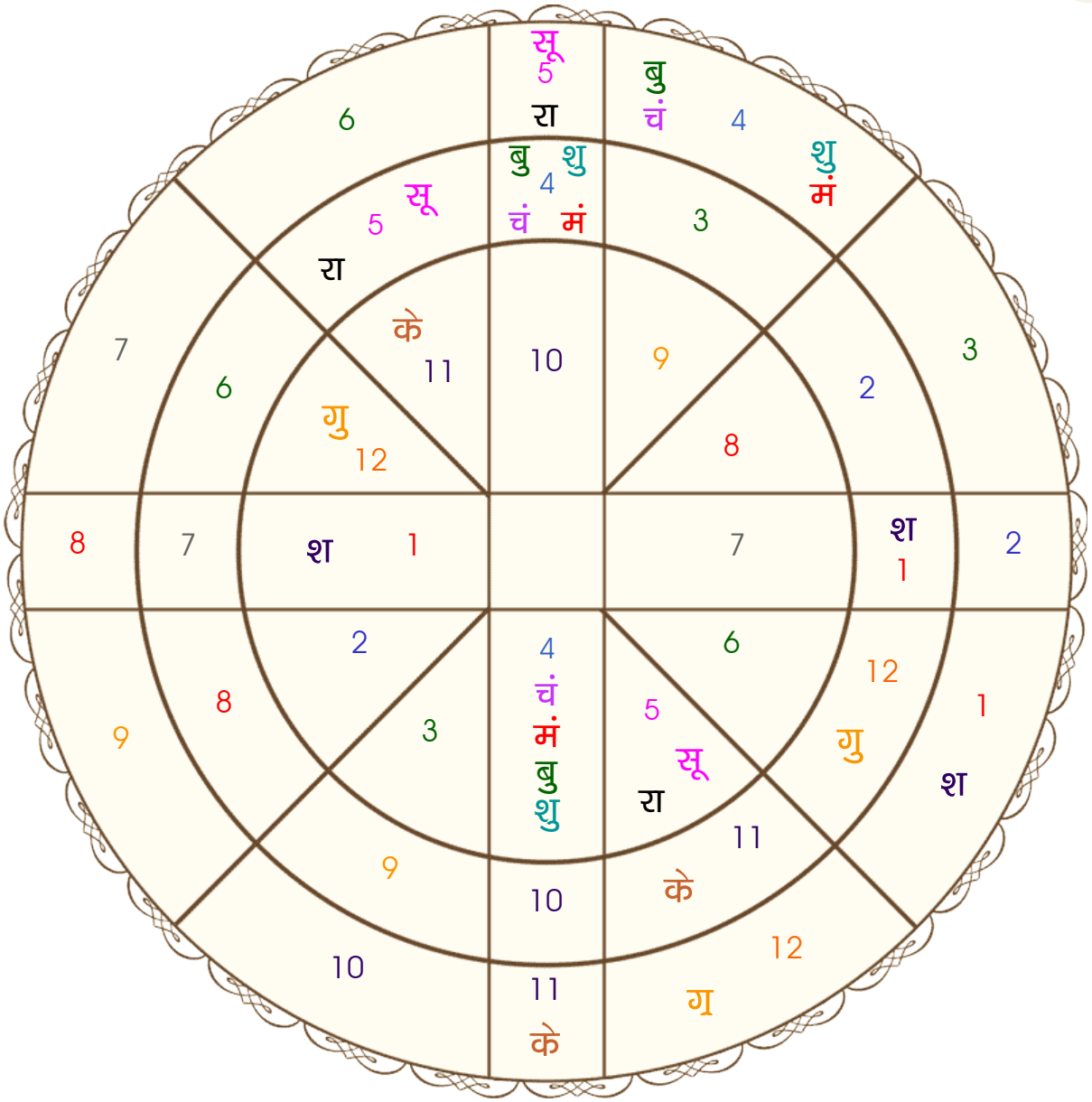

नोटः सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत से अन्तः वृत तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

भोग्य दशा काल : शनि 2 वर्ष 7 मास 17 दिन

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		सिंह	03:31:49	सूर्य	केतु	सूर्य	केतु
चंद्र		कर्क	14:49:12	चंद्र	शनि	राहु	मंगल
मंगल		कर्क	06:03:59	चंद्र	शनि	बुध	शुक्र
बुध	व	कर्क	22:57:25	चंद्र	बुध	चंद्र	बुध
गुरु	व	मीन	02:34:03	गुरु	गुरु	राहु	केतु
शुक्र		कर्क	14:57:22	चंद्र	शनि	गुरु	गुरु
शनि	व	मेष	09:52:30	मंगल	केतु	शनि	बुध
राहु	व	सिंह	07:43:26	सूर्य	केतु	गुरु	गुरु
केतु	व	कुंभ	07:43:26	शनि	राहु	राहु	बुध
हर्ष	व	मक	16:21:35	शनि	चंद्र	शनि	केतु
नेप	व	मक	06:19:26	शनि	सूर्य	बुध	राहु
प्लूटो		वृश्चि	11:34:02	मंगल	शनि	चंद्र	शनि

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	मक	06:22:58	शनि	सूर्य	बुध	राहु
2	कुंभ	15:36:44	शनि	राहु	शुक्र	सूर्य
3	मीन	22:37:41	गुरु	बुध	चंद्र	गुरु
4	मेष	22:37:35	मंगल	शुक्र	शनि	केतु
5	वृष	17:25:41	शुक्र	चंद्र	शनि	राहु
6	मिथु	10:37:59	बुध	राहु	शनि	शनि
7	कर्क	06:22:58	चंद्र	शनि	बुध	चंद्र
8	सिंह	15:36:44	सूर्य	शुक्र	सूर्य	चंद्र
9	कन्या	22:37:41	बुध	चंद्र	शुक्र	केतु
10	तुला	22:37:35	शुक्र	गुरु	शनि	शुक्र
11	वृश्चि	17:25:41	मंगल	बुध	बुध	सूर्य
12	धनु	10:37:59	गुरु	केतु	शनि	चंद्र

के.पी. अयनांश : 23:44:02

फॉरच्युना : धनु 17:40:21

लग्न कुंडली

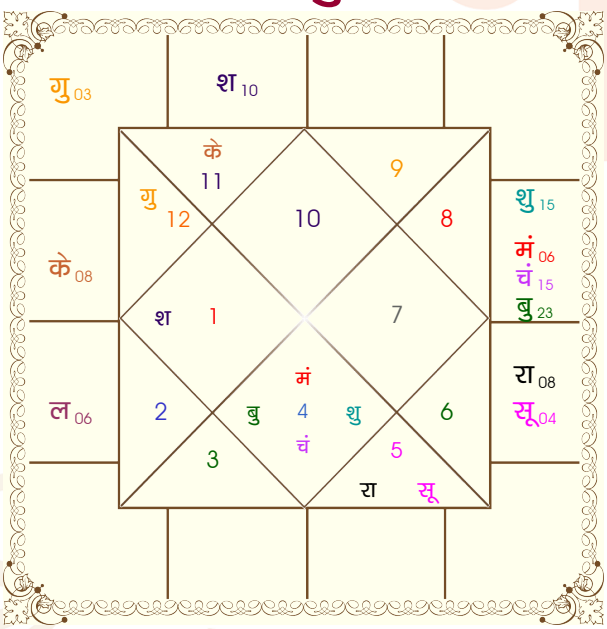

भाव कुंडली

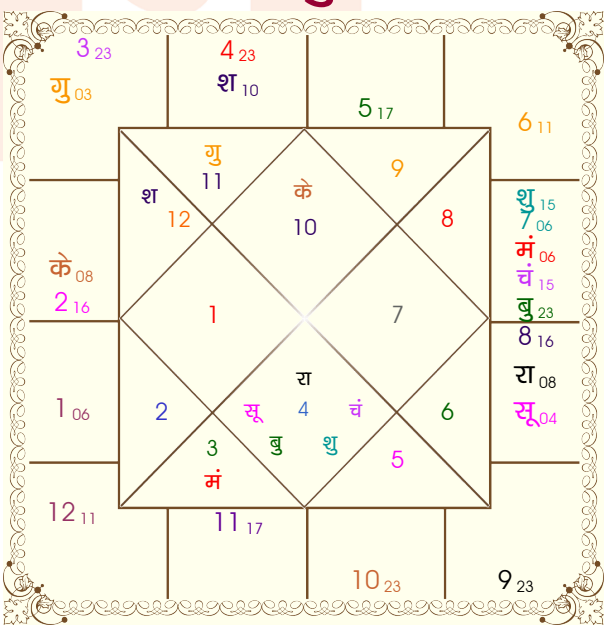

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	सूर्य, चंद्र- मंगल- शुक्र- शनि+ राहु, केतु,
2	चंद्र- मंगल- गुरु+ शुक्र- शनि-
3	चंद्र, मंगल, गुरु, शुक्र, शनि,
4	मंगल-
5	शुक्र-
6	मंगल, बुध,
7	सूर्य, चंद्र, बुध+ शुक्र, राहु, केतु,
8	सूर्य-
9	बुध,
10	शुक्र-
11	मंगल-
12	गुरु,

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	1, 7, 8-
चंद्र	1- 2- 3, 7,
मंगल	1- 2- 3, 4- 6, 11-
बुध	6, 7+ 9,
गुरु	2+ 3, 12,
शुक्र	1- 2- 3, 5- 7, 10-
शनि	1+ 2- 3,
राहु	1, 7,
केतु	1, 7,

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	सूर्य
लग्न राशि स्वामी	शनि
राशि नक्षत्र स्वामी	शनि
राशि स्वामी	चन्द्र
वार स्वामी	गुरु
लग्न अन्तर स्वामी	बुध
राशि अन्तर स्वामी	राहु

कारकत्व-सारिणी

भाव	स्थित ग्रह के नक्षत्र में	स्थित ग्रह	स्वामी के नक्षत्र में	स्वामी
1	सू श रा	के	चं मं शु	श
2	गु	गु	चं मं शु	श
3	चं मं शु	श	गु	गु
4	--	--	--	मं
5	--	--	--	शु
6	--	मं	बु	बु
7	बु के	सू चं बु शु रा	--	चं
8	--	--	--	सू
9	--	--	बु	बु
10	--	--	--	शु
11	--	--	--	मं
12	--	--	गु	गु

ग्रह कारक सारिणी-1

ग्रह	भावाधिपति	नक्षत्राधिपति	स्थित	भाव
सूर्य	8	1	सिंह	7
चंद्र	7	5,9	कर्क	7
मंगल	4,11	---	कर्क	6
बुध	6,9	3,11	कर्क	7
गुरु	3,12	10	मीन	2
शुक्र	5,10	4,8	कर्क	7
शनि	1,2	7	मेष	3
राहु	---	2,6	सिंह	7
केतु	---	12	कुम्भ	1

ग्रह कारक सारिणी-2

ग्रह	भावाधि भाव	नक्षत्राधि भाव	स्थित भाव	स्वामित्व	अन्तर स्वामी	स्थित भाव
सूर्य	---	12	1	8	1	7
चंद्र	1,2	7	3	---	2,6	7
मंगल	1,2	7	3	6,9	3,11	7
बुध	6,9	3,11	7	7	5,9	7
गुरु	3,12	10	2	---	2,6	7
शुक्र	1,2	7	3	3,12	10	2
शनि	---	12	1	1,2	7	3
राहु	---	12	1	3,12	10	2
केतु	---	2,6	7	---	2,6	7

ग्रह दृष्टि विचार

दृष्य ग्रह

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	हर्ष	नेप	प्लूटो
	123.43	104.72	95.96	112.85	332.47	104.85	9.77	127.62	307.62	286.26	276.22	221.47
सूर्य	--	--	--	युति	--	--	--	युति	सप्त	--	--	--
123.43	0.00	0.00	0.00	4.47	0.00	0.00	0.00	9.05	9.05	0.00	0.00	0.00
चंद्र	--	--	युति	युति	--	युति	--	--	--	सप्त	सप्त	पंच
104.72	0.00	0.00	6.08	6.58	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00	9.87	6.30	1.98
मंगल	--	युति	--	--	--	युति	--	--	8वां	सप्त	सप्त	पंच
95.96	0.00	6.08	0.00	0.00	0.00	5.97	0.00	0.00	9.85	4.73	10.00	0.39
बुध	युति	युति	--	--	--	युति	--	युति	सप्त	सप्त	--	--
112.85	4.47	6.58	0.00	0.00	0.00	6.69	0.00	0.24	0.24	7.71	0.00	0.00
गुरु	षष्ठ	5वां	5वां	--	--	5वां	--	--	--	--	--	9वां
332.47	0.06	2.84	9.34	0.00	0.00	2.70	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.88
शुक्र	--	युति	युति	युति	--	--	--	--	--	सप्त	सप्त	पंच
104.85	0.00	10.00	5.97	6.69	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.89	6.19	1.89
शनि	--	चतु	चतु	--	--	चतु	--	पंच	--	10वा	10वा	--
9.77	0.00	0.82	1.63	0.00	0.00	0.71	0.00	2.54	0.00	7.78	9.32	0.00
राहु	युति	--	--	युति	--	--	--	--	सप्त	--	--	चतु
127.62	9.05	0.00	0.00	0.24	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	0.00	0.00	1.61
केतु	सप्त	--	--	सप्त	--	--	तृती	सप्त	--	--	--	--
307.62	9.05	0.00	0.00	0.24	0.00	0.00	2.54	10.00	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	--	सप्त	सप्त	सप्त	--	सप्त	--	--	--	--	युति	--
286.26	0.00	9.87	4.73	7.71	0.00	9.89	0.00	0.00	0.00	0.00	4.97	0.00
नेप	--	सप्त	सप्त	--	तृती	सप्त	चतु	--	--	युति	--	--
276.22	0.00	6.30	10.00	0.00	1.66	6.19	1.79	0.00	0.00	4.97	0.00	0.00
प्लूटो	--	--	--	--	--	--	--	--	चतु	तृती	तृती	--
221.47	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.61	0.93	0.59	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव मध्य दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	276.28	311.70	347.11	22.52	47.11	71.70	96.28	131.70	167.11	202.52	227.11	251.70
सूर्य	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--
123.43	0.00	6.48	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.48	0.00	0.00	0.00	0.00
चंद्र	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	--	पंच	--
104.72	6.34	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.34	0.00	2.43	0.00	2.43	0.00
मंगल	सप्त	8वां	--	--	--	--	युति	--	पंचा	--	--	--
95.96	9.99	8.25	0.00	0.00	0.00	0.00	9.99	0.00	0.23	0.00	0.00	0.00
बुध	--	--	--	--	--	--	--	--	तृती	चतु	पंच	--
112.85	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.20	2.99	0.20	0.00
गुरु	--	--	युति	--	--	--	5वां	--	सप्त	9वां	9वां	--
332.47	0.00	0.00	0.37	0.00	0.00	0.00	9.21	0.00	0.37	5.05	0.37	0.00
शुक्र	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	--	पंच	--
104.85	6.23	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.23	0.00	2.49	0.00	2.49	0.00
शनि	10वा	--	--	युति	--	3रा	--	पंच	--	सप्त	--	--
9.77	9.34	0.00	0.00	2.33	0.00	9.80	0.00	2.63	0.00	2.33	0.00	0.00
राहु	--	सप्त	--	--	--	--	--	--	नवां	--	--	पंच
127.62	0.00	9.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.69	0.00	0.00	1.45
केतु	--	युति	नवां	--	--	पंच	--	सप्त	--	--	--	--
307.62	0.00	9.10	0.69	0.00	0.00	1.45	0.00	9.10	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	युति	--	तृती	--	पंच	--	सप्त	--	--	--	--	--
286.26	5.02	0.00	2.93	0.00	2.93	0.00	5.02	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	युति	--	--	--	--	--	सप्त	--	--	--	--	--
276.22	10.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
प्लूटो	तृती	चतु	पंच	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--
221.47	0.64	2.99	0.28	0.00	8.30	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.30	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	276.28	315.51	352.53	22.52	47.33	70.53	96.28	135.51	172.53	202.52	227.33	250.53
सूर्य	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--
123.43	0.00	3.01	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.01	0.00	0.00	0.00	0.00
चंद्र	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	पंच	--
104.72	6.34	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.34	0.00	0.00	0.00	2.33	0.00
मंगल	सप्त	8वां	--	--	--	--	युति	नवां	4था	--	--	--
95.96	9.99	5.41	0.00	0.00	0.00	0.00	9.99	0.76	1.63	0.00	0.00	0.00
बुध	--	--	--	--	--	--	--	--	तृती	चतु	पंच	--
112.85	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.99	2.99	0.37	0.00
गुरु	--	--	--	--	--	--	5वां	--	--	9वां	9वां	--
332.47	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.21	0.00	0.00	5.05	0.15	0.00
शुक्र	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	पंच	--
104.85	6.23	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.23	0.00	0.00	0.00	2.39	0.00
शनि	10वा	--	--	युति	--	3रा	--	पंच	--	सप्त	--	--
9.77	9.34	0.00	0.00	2.33	0.00	9.97	0.00	0.21	0.00	2.33	0.00	0.00
राहु	--	सप्त	--	--	--	--	--	--	अष्ट	--	--	पंच
127.62	0.00	6.78	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.99	0.00	0.00	2.17
केतु	--	युति	अष्ट	--	--	पंच	--	सप्त	--	--	--	--
307.62	0.00	6.78	0.99	0.00	0.00	2.17	0.00	6.78	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	युति	--	--	--	पंच	--	सप्त	--	--	--	--	--
286.26	5.02	0.00	0.00	0.00	2.88	0.00	5.02	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	युति	नवां	--	--	--	--	सप्त	--	--	--	--	--
276.22	10.00	0.44	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
प्लूटो	तृती	चतु	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--
221.47	0.64	1.47	0.00	0.00	8.18	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.18	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य कुंडली

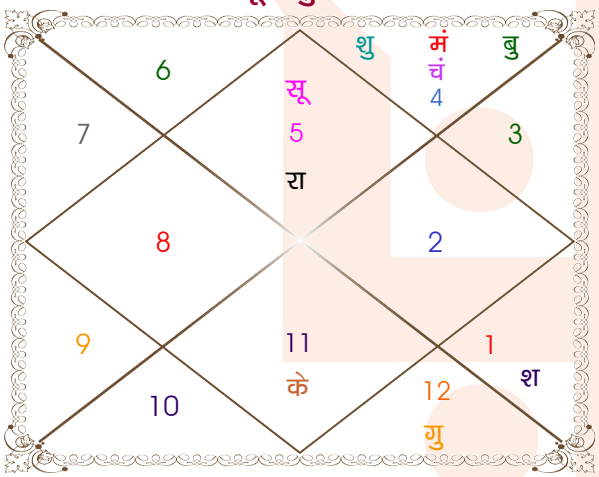

आत्मविचारः

चन्द्र कुंडली

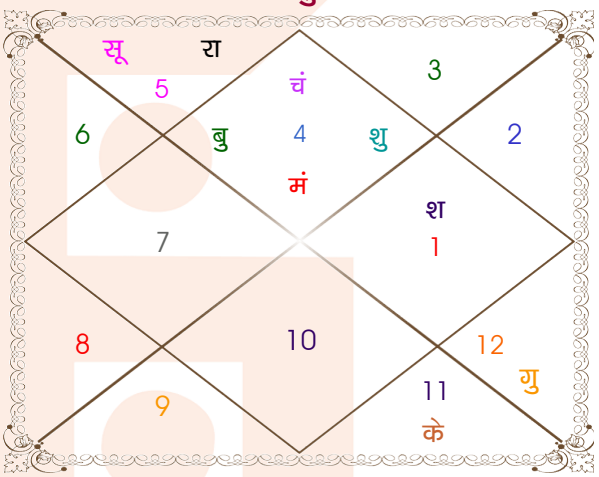

मनोबलविचारः

लग्न कुंडली

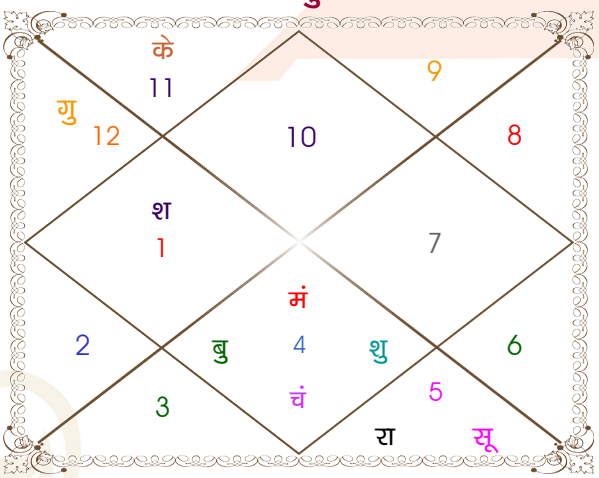

देह विचारः

होरा कुंडली

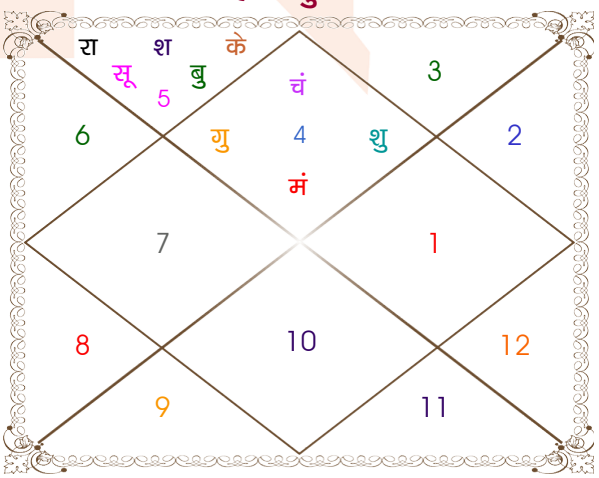

सम्पदाविचारः

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

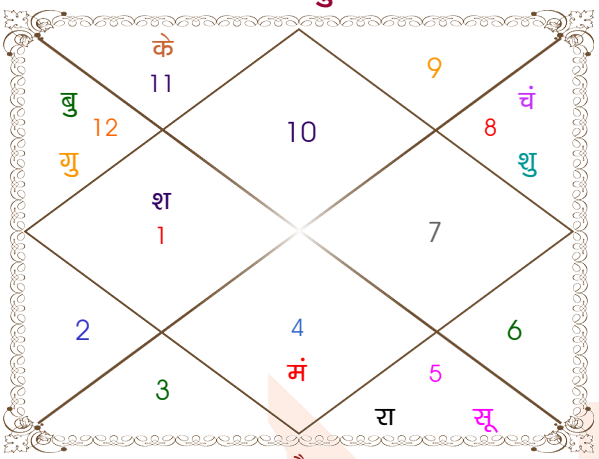

भातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

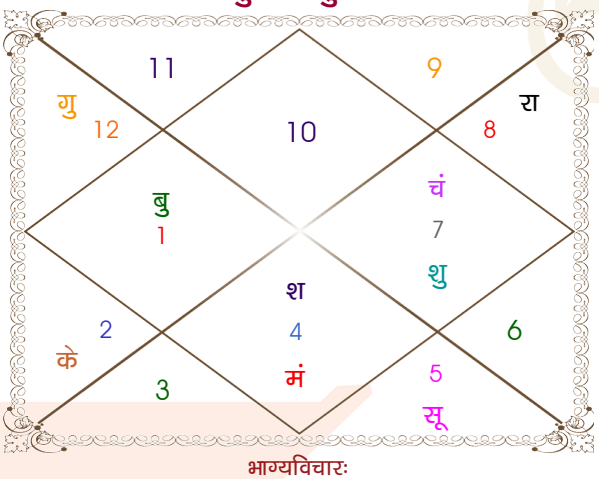

भाग्यविचारः

पंचमांश कुंडली

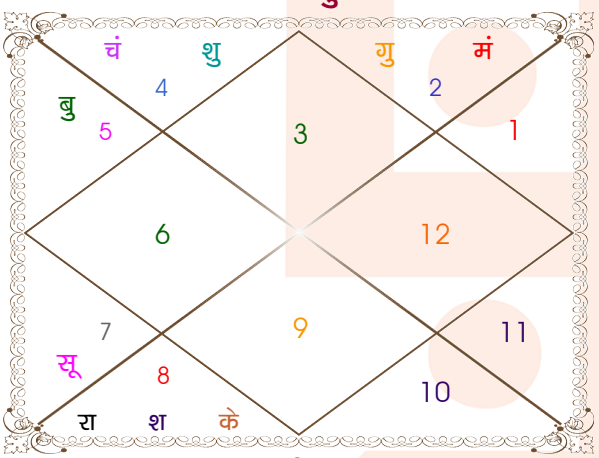

ज्ञानविचारः

षष्ठांश कुंडली

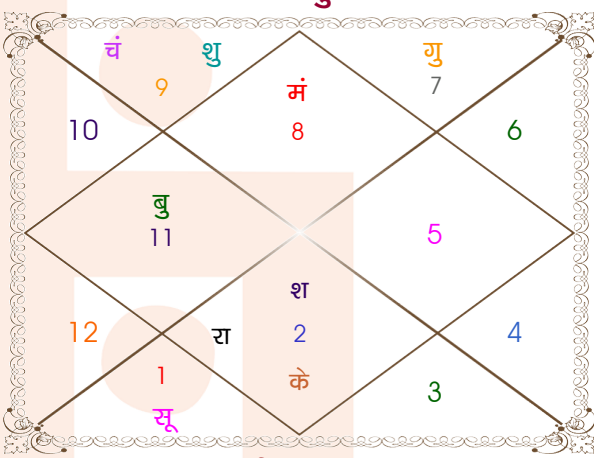

रिपुज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

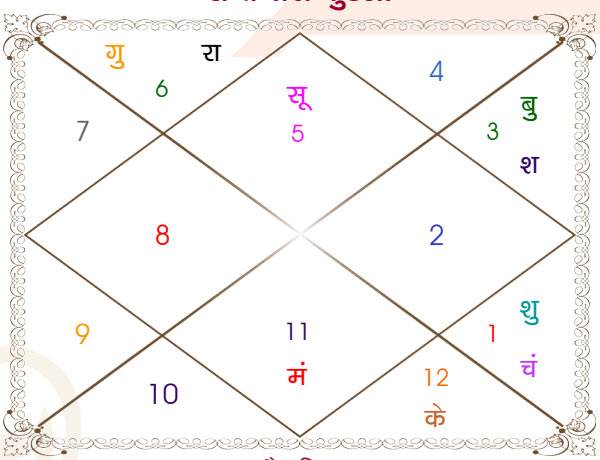

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

अष्टमांश कुंडली

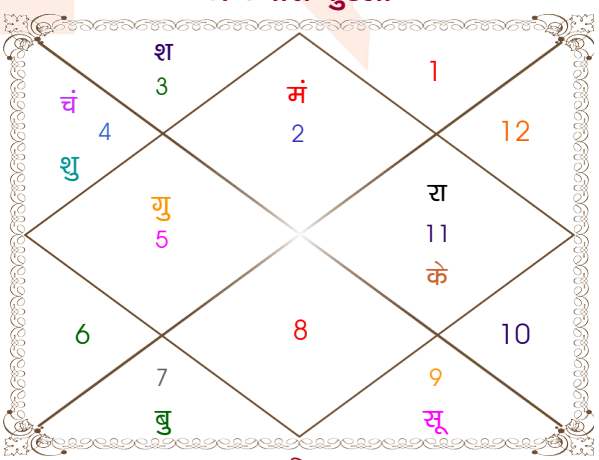

आयुविचारः

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

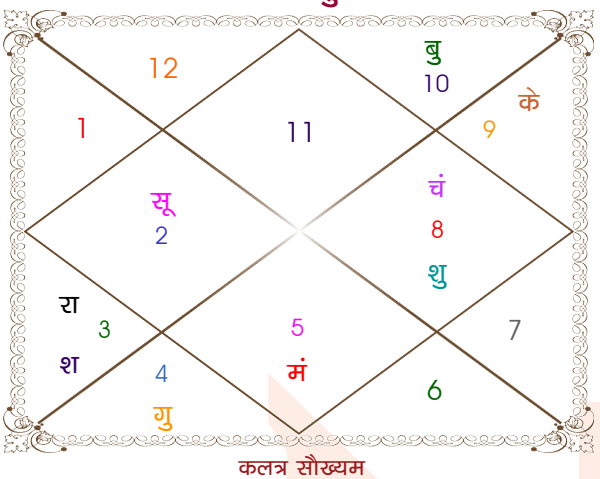

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

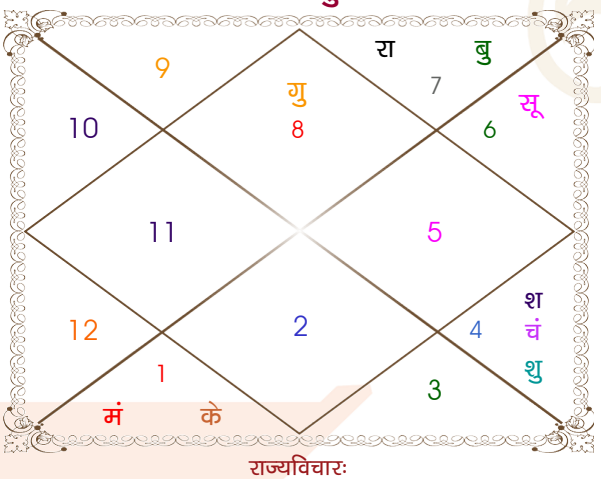

राज्यविचारः

एकादशांश कुंडली

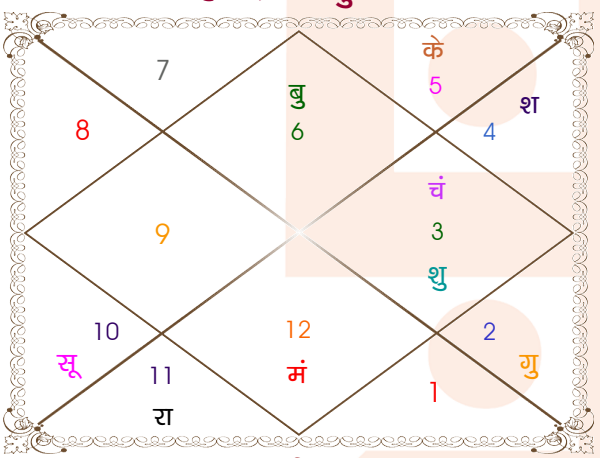

लाभविचारः

द्वादशांश कुंडली

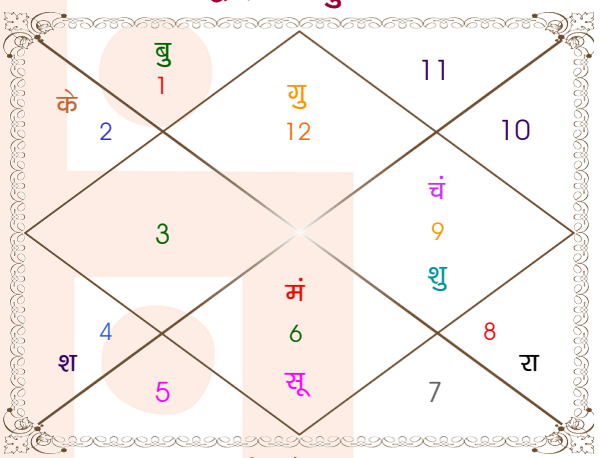

पितृसौख्यम

षोडशांश कुंडली

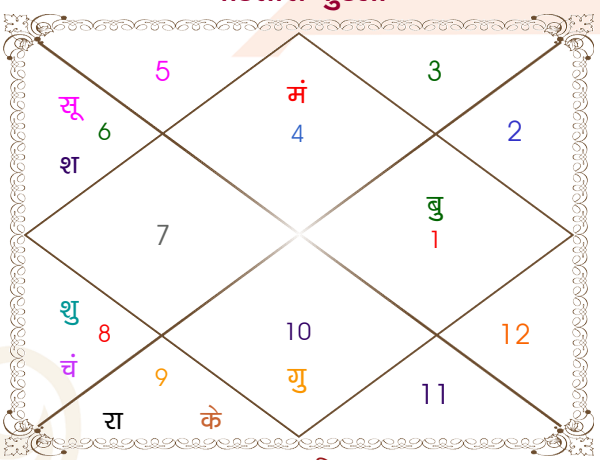

वाहनसुखविचारः

विंशांश कुंडली

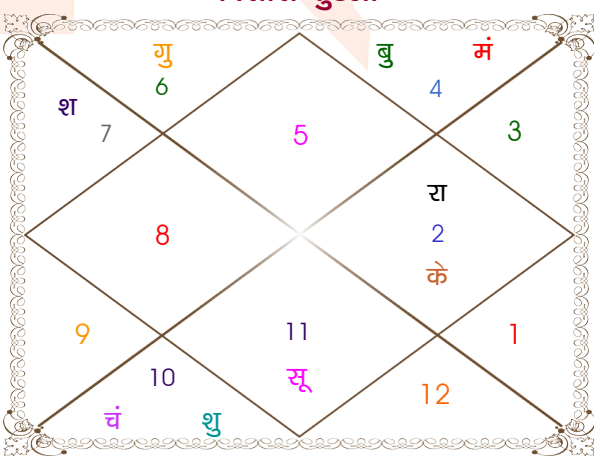

उपासनाज्ञानम्

षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशांश कुंडली

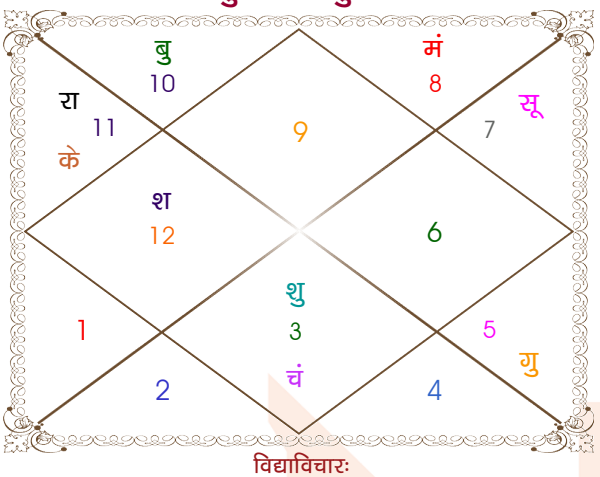

विद्याविचारः

सप्तविंशांश कुंडली

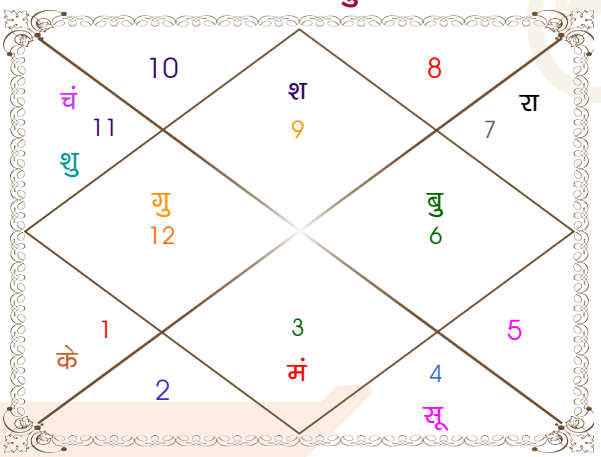

बलाबलज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

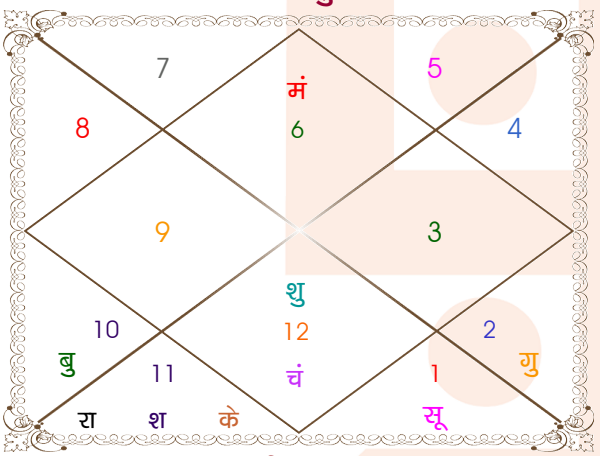

अरिष्टज्ञानम्

खवेदांश कुंडली

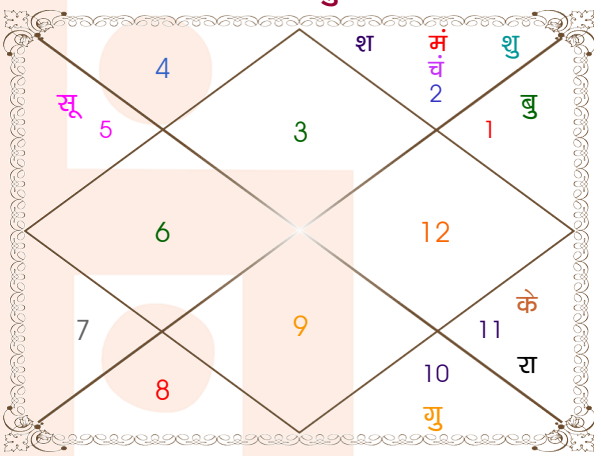

शुभाशुभज्ञानम्

अक्षवेदांश कुंडली

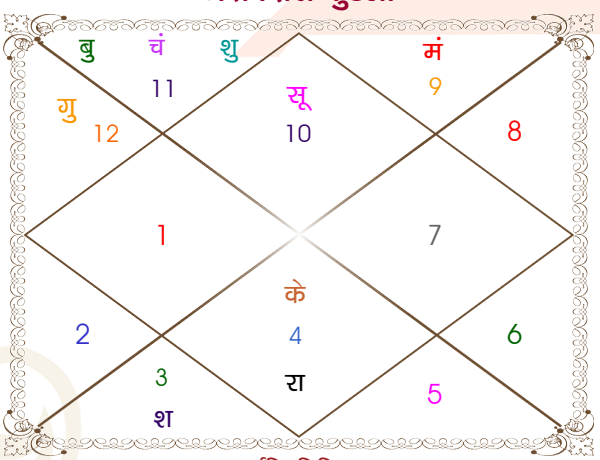

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

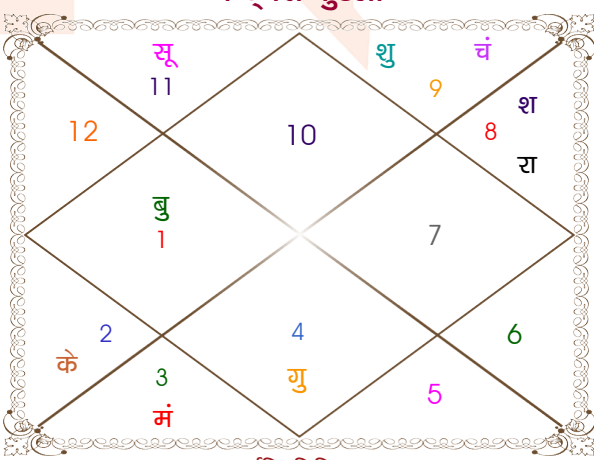

सर्वास्थितिविचारः

षोडशवर्ग सारणियाँ

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	मक	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	मीन	कर्क	मेष	सिंह	कुंभ
होरा	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	मक	सिंह	वृश्चि	कर्क	मीन	मीन	वृश्चि	मेष	सिंह	कुंभ
चतुर्थांश	मक	सिंह	तुला	कर्क	मेष	मीन	तुला	कर्क	वृश्चि	वृष
सप्तमांश	सिंह	सिंह	मेष	कुंभ	मिथु	कन्या	मेष	मिथु	कन्या	मीन
नवमांश	कुंभ	वृष	वृश्चि	सिंह	मक	कर्क	वृश्चि	मिथु	मिथु	धनु
दशमांश	वृश्चि	कन्या	कर्क	मेष	तुला	वृश्चि	कर्क	कर्क	तुला	मेष
द्वादशांश	मीन	कन्या	धनु	कन्या	मेष	मीन	धनु	कर्क	वृश्चि	वृष
षोडशांश	कर्क	कन्या	वृश्चि	कर्क	मेष	मक	वृश्चि	कन्या	धनु	धनु
विंशांश	सिंह	कुंभ	मक	कर्क	कर्क	कन्या	मक	तुला	वृष	वृष
चतुर्विंशांश	धनु	तुला	मिथु	वृश्चि	मक	सिंह	मिथु	मीन	कुंभ	कुंभ
सप्तविंशांश	धनु	कर्क	कुंभ	मिथु	कन्या	मीन	कुंभ	धनु	तुला	मेष
त्रिंशांश	कन्या	मेष	मीन	कन्या	मक	वृष	मीन	कुंभ	कुंभ	कुंभ
खवेदांश	मिथु	सिंह	वृष	वृष	मेष	मक	वृष	वृष	कुंभ	कुंभ
अक्षवेदांश	मक	मक	कुंभ	धनु	कुंभ	मीन	कुंभ	मिथु	कर्क	कर्क
षष्ट्यंश	मक	कुंभ	धनु	मिथु	मेष	कर्क	धनु	वृश्चि	वृश्चि	वृष

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	4 चामर	5 छत्र	5 सिंहान	7 कल्पवृक्ष
चन्द्र	2 किंसुक	2 किंसुक	3 उत्तम	4 नागपुष्प
मंगल	0 ---	0 ---	1 ---	2 भेदक
बुध	0 ---	1 ---	1 ---	2 भेदक
गुरु	5 छत्र	5 छत्र	6 पारवत	9 पूर्णचन्द
शुक्र	1 ---	1 ---	1 ---	3 कुसुम
शनि	1 ---	1 ---	1 ---	2 भेदक
राहु	1 ---	2 किंसुक	2 पारिजात	2 भेदक
केतु	1 ---	2 किंसुक	3 उत्तम	3 कुसुम

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	16.90	12.20	11.25	9.90	15.75	6.20	12.00	8.25	10.75
सप्तवर्ग	17.15	11.55	11.68	11.43	14.13	6.30	12.80	9.25	11.25
दशवर्ग	14.23	10.90	9.73	9.93	12.63	6.40	12.18	9.63	10.75
षोडशवर्ग	13.60	10.93	10.25	9.88	13.38	8.05	13.30	9.80	11.00

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
मंगल	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
बुध	मित्र	शत्रु	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
गुरु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---	मित्र	मित्र	शत्रु
शनि	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र
राहु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	---

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	अतिमित्र	अतिमित्र	मित्र	सम	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु
चंद्र	अतिमित्र	---	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	अधिशत्रु
मंगल	अतिमित्र	सम	---	अधिशत्रु	सम	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	अतिमित्र	अधिशत्रु	शत्रु	---	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	शत्रु
गुरु	सम	सम	सम	अधिशत्रु	---	अधिशत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	अधिशत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	---	अतिमित्र	अतिमित्र	सम
शनि	अधिशत्रु	सम	सम	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	---	सम	सम
राहु	अधिशत्रु	सम	सम	मित्र	शत्रु	अतिमित्र	सम	---	अधिशत्रु
केतु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	शत्रु	मित्र	सम	सम	अधिशत्रु	---

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	22	36	7	43	19	24	3
सप्तवर्गज बल	180	79	64	92	109	23	99
ओजयुग्मक बल	15	30	15	0	0	30	30
केन्द्र बल	30	60	60	60	15	60	60
द्रेष्काण बल	15	0	15	0	15	0	0
कुल स्थान बल	262	205	161	194	158	137	193
कुल दिग्बल	34	33	24	6	41	33	31
नतोन्नत बल	35	25	25	60	35	35	25
पक्ष बल	54	108	54	54	6	6	54
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	0	60
अब्द बल	0	0	0	0	15	0	0
मास बल	0	30	0	0	0	0	0
वार बल	0	0	0	0	45	0	0
होरा बल	0	0	0	60	0	0	0
अयन बल	92	7	56	51	28	53	13
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	181	169	135	224	189	95	152
कुल चेष्टाबल	0	0	14	39	51	11	39
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-8	1	-7	0	-33	1	-14
कुल षट्बल	529	459	344	490	441	319	409
रूप षट्बल	8.8	7.7	5.7	8.2	7.4	5.3	6.8
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.8	1.3	1.1	1.2	1.1	1.0	1.4
संबंधित पद	1	3	5	4	6	7	2

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	30.13	15.00	10.25	41.02	31.31	16.49	11.52
कष्ट फल	26.86	35.85	49.04	18.88	18.97	41.84	34.54

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	409	409	441	344	319	490	459	529	490	319	344	441
भावदिग्बल	30	50	50	0	10	10	30	40	20	30	20	50
भावदृष्टि बल	6	22	17	18	30	25	35	11	53	45	61	6
कुल भाव बल	445	481	508	363	359	525	524	580	563	394	425	497
रूप भाव बल	7.4	8.0	8.5	6.0	6.0	8.7	8.7	9.7	9.4	6.6	7.1	8.3
संबंधित पद	8	7	5	11	12	3	4	1	2	10	9	6

षट्बल ग्राफ

स्थान बल

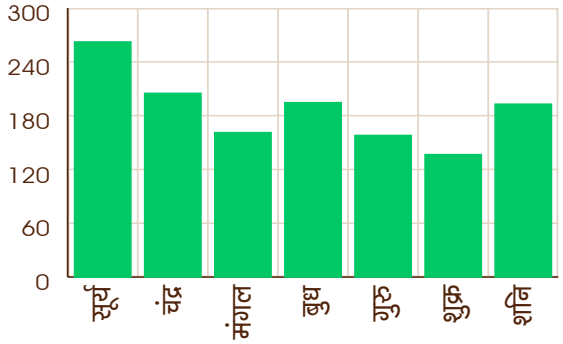

दिग्बल

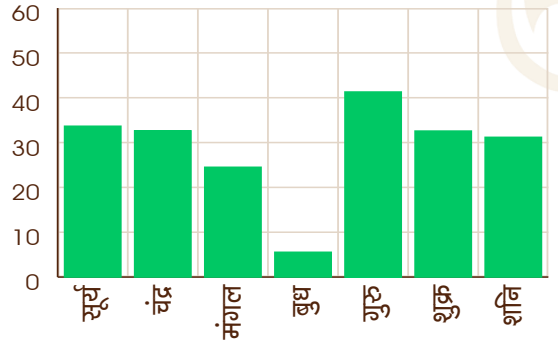

कालबल

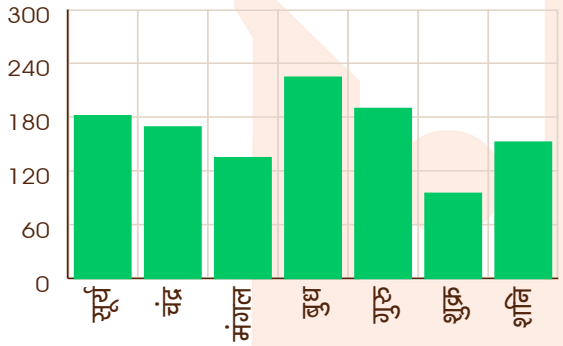

चेष्टाबल

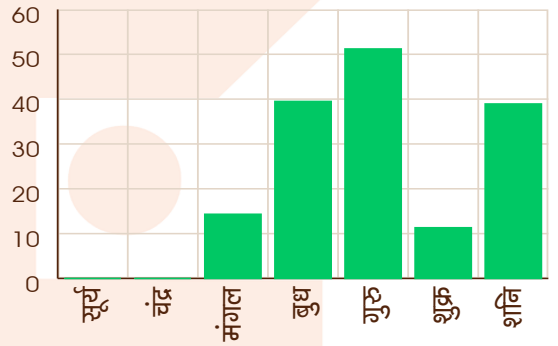

नैसर्गिक बल

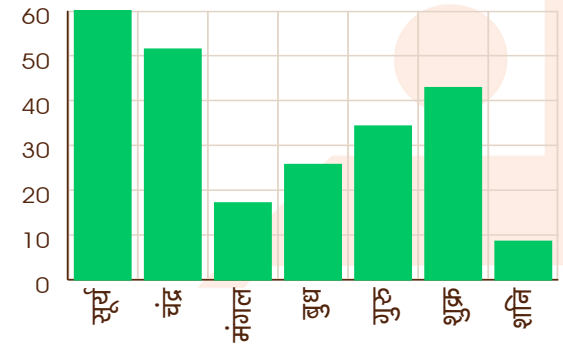

दृग्बल

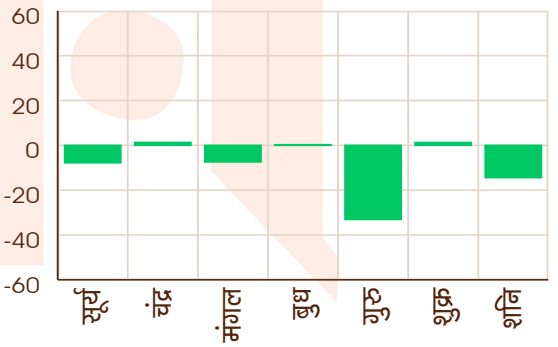

रूप षट्बल

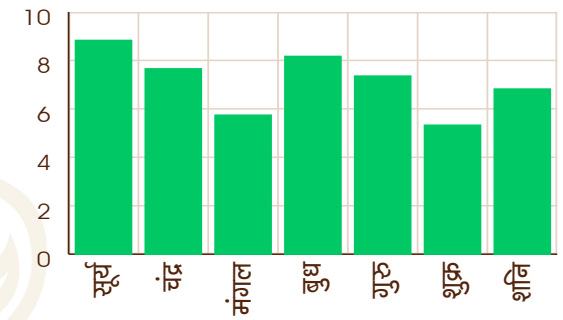

न्यूनतम षट्बल

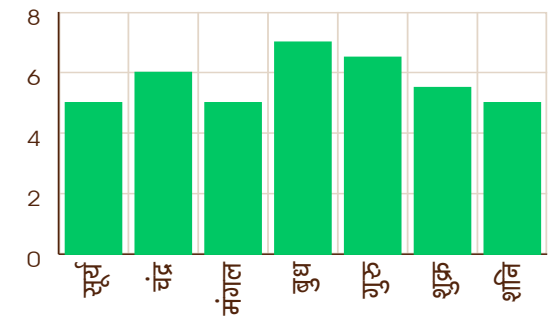

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

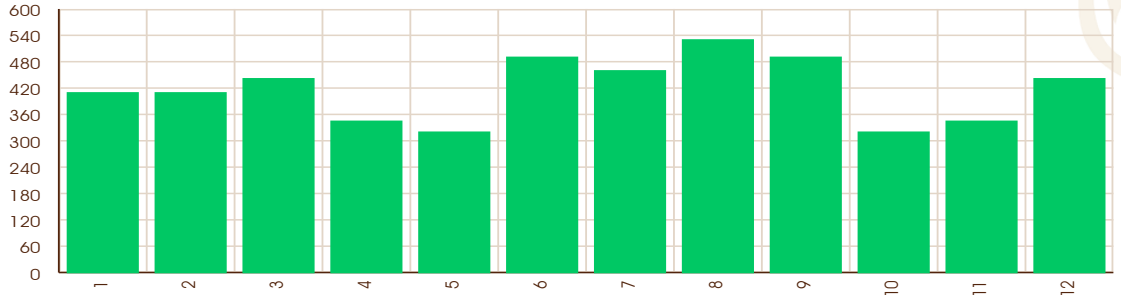

भावदिग्बल

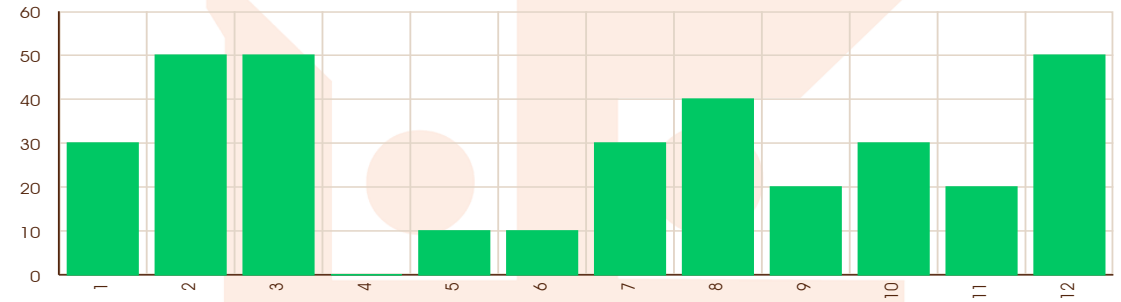

भावदृष्टि बल

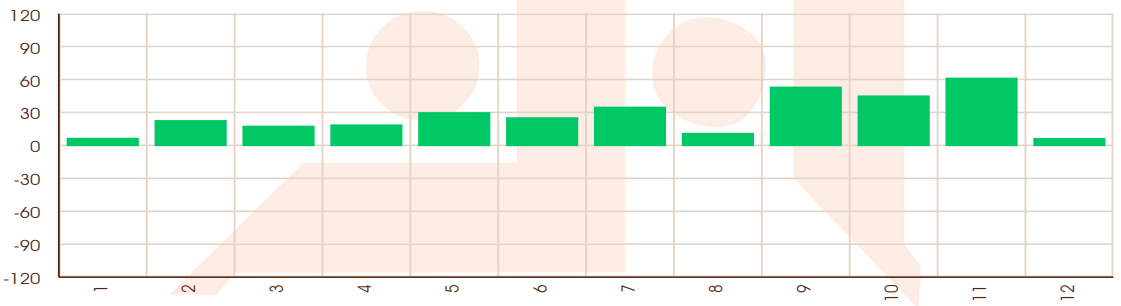

भाव बल

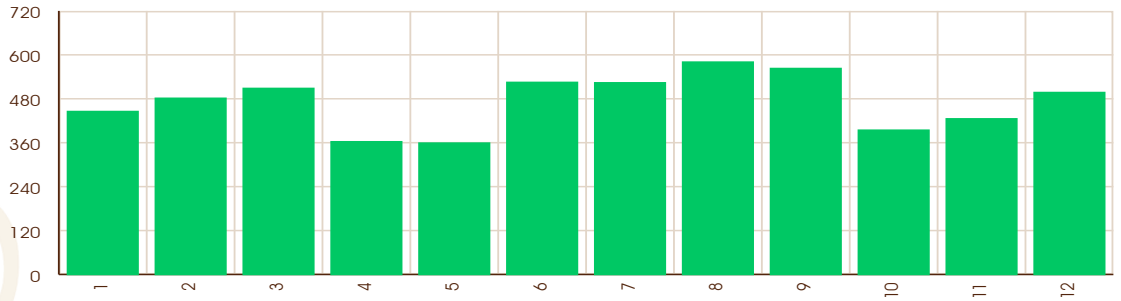

षट्बल तथा भावबल ग्राफ

रूप षट्बल

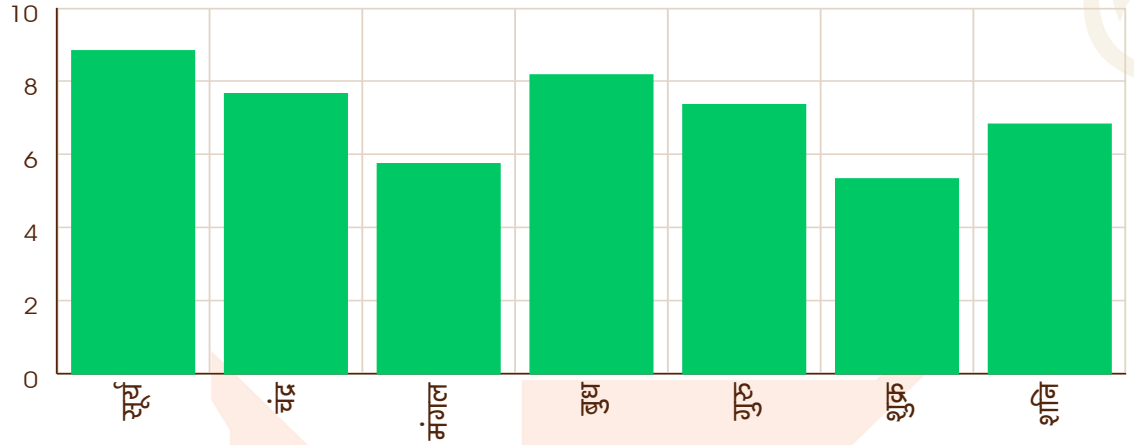

इष्ट - कष्ट फल

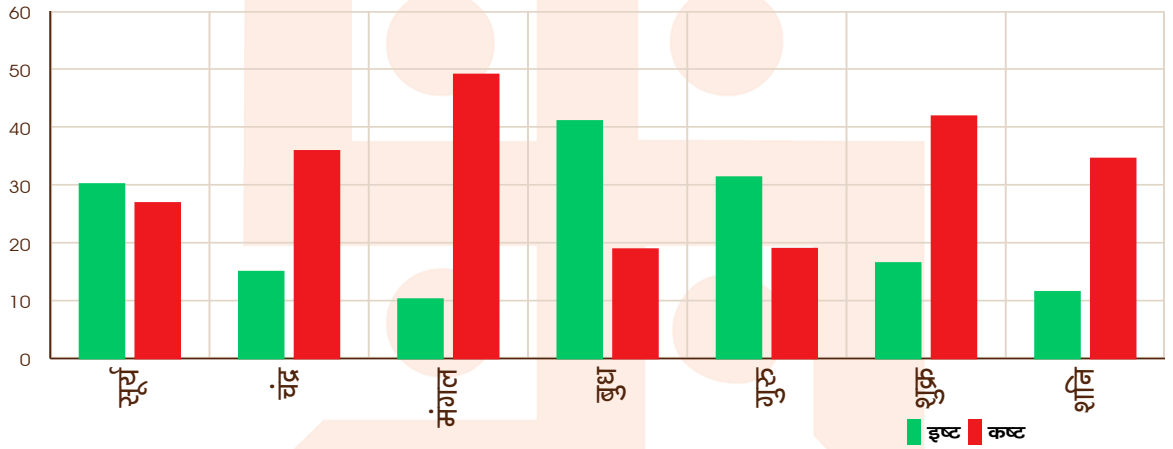

रूप भाव बल

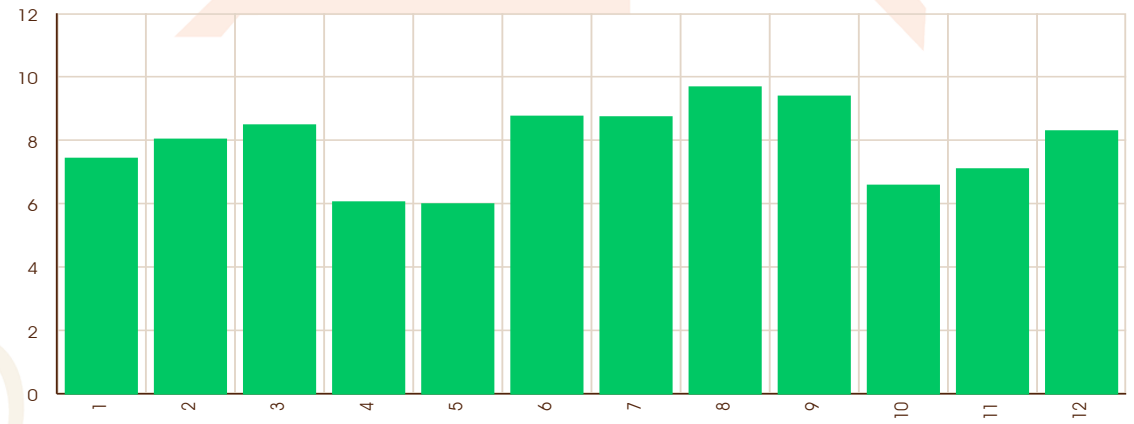

उपग्रह एवं आरूढ़

उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	मक	06:16:50	--	--	उत्तराषाढ़ा	3	21
गुलिक	गु	तुला	06:28:39	--	--	चित्रा	4	14
काल	का	तुला	27:28:46	--	--	विशाखा	3	16
मृत्यु	मृ	धनु	10:36:36	--	--	मूल	4	19
यमघंटक	यम	सिंह	23:28:30	--	--	पू०फाल्गुनी	4	11
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	मक	05:23:35	--	--	उत्तराषाढ़ा	3	21
धूम	धू	धनु	16:45:41	--	--	पूर्वाषाढ़ा	2	20
व्यतिपात	व्य	कर्क	13:14:19	--	--	पुष्य	3	8
परिवेश	परि	मक	13:14:19	--	--	श्रवण	1	22
इन्द्रचाप	इ	मिथु	16:45:41	नीच	--	आर्द्रा	4	6
उपकेतु	उप	कर्क	03:25:41	--	मूल	पुष्य	1	8

प्राणपद	:	वृश्चि	01:08:38	कारकाँश लग्न	:	मक	25:41:40
भाव लग्न	:	मिथु	28:39:59	होरा लग्न	:	धनु	21:03:08
घटी लग्न	:	धनु	25:21:25	वर्णद लग्न	:	तुला	02:40:01

उपग्रह कुंडली

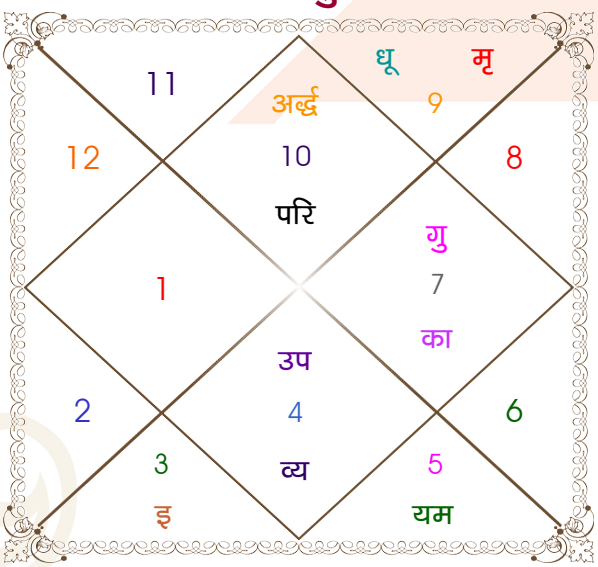

आरूढ़ कुंडली

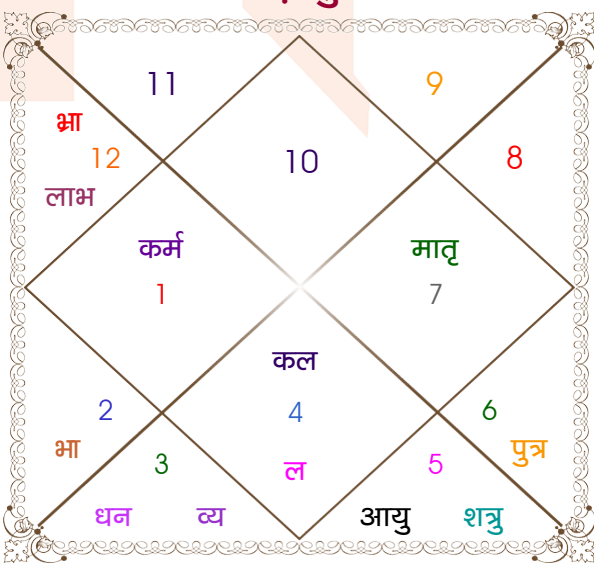

षन्नाडी चक्र

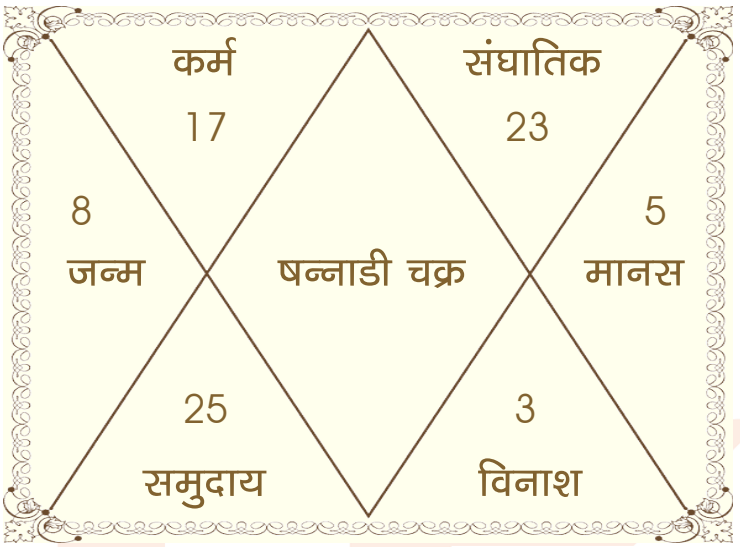

त्रिपाप चक्र

प्रथम चक्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
द्वितीय चक्र	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
तृतीय चक्र	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
केतु पताकी	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु
केतु कुंडली	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध
गुरु कुंडली	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु

प्रथम चक्र	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
द्वितीय चक्र	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
तृतीय चक्र	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96
केतु पताकी	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र
केतु कुंडली	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध
गुरु कुंडली	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु

प्रथम चक्र	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
द्वितीय चक्र	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
तृतीय चक्र	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108
केतु पताकी	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि
केतु कुंडली	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध
गुरु कुंडली	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कर्क	कुल
शनि	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	8
गुरु	1	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	1	4
मंगल	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	3
बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
चंद्र	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	4
लग्न	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	6
कुल	3	3	3	5	5	4	3	4	6	5	4	3	48

चंद्र का अष्टकवर्ग

	कर्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कुल
शनि	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	4
गुरु	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
मंगल	0	1	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	6
सूर्य	0	0	0	1	0	0	1	1	1	0	1	1	6
शुक्र	0	0	1	1	1	0	1	0	1	1	1	0	7
बुध	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	0	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	4
कुल	2	2	6	5	4	3	5	3	5	5	5	4	49

मंगल का अष्टकवर्ग

	कर्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कुल
शनि	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	0	0	7
गुरु	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	5
शुक्र	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	4
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	3
लग्न	0	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	5
कुल	2	2	2	4	3	6	5	4	1	2	5	3	39

बुध का अष्टकवर्ग

	कर्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कुल
शनि	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	8
गुरु	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
सूर्य	1	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	5
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	6
लग्न	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	7
कुल	5	5	2	6	4	4	5	6	3	6	5	3	54

गुरु का अष्टकवर्ग

	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	कुल
शनि	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
सूर्य	1	1	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	9
शुक्र	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	6
बुध	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	5
लग्न	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	9
कुल	6	6	7	4	3	6	4	5	5	3	4	3	56

शुक्र का अष्टकवर्ग

	कर्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कुल
शनि	1	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	1	7
गुरु	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	0	0	5
मंगल	0	0	1	1	0	1	0	0	1	0	1	1	6
सूर्य	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	5
चंद्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	9
लग्न	0	1	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	8
कुल	5	4	5	4	6	4	3	4	6	2	5	4	52

शनि का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कर्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	4
मंगल	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	6
सूर्य	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
शुक्र	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	3
बुध	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	1	6
चंद्र	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	3
लग्न	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	6
कुल	3	5	6	1	3	4	1	3	4	2	4	3	39

लग्न का अष्टकवर्ग

	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	कुल
शनि	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	6
गुरु	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	9
मंगल	0	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	5
सूर्य	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	6
शुक्र	0	1	1	0	0	0	1	1	1	1	1	0	7
बुध	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	7
चंद्र	0	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	3	3	3	5	4	5	6	3	5	4	4	4	49

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	3	5	6	1	3	4	1	3	4	2	4	3	39
गुरु	6	7	4	3	6	4	5	5	3	4	3	6	56
मंगल	2	5	3	2	2	2	4	3	6	5	4	1	39
सूर्य	6	5	4	3	3	3	3	5	5	4	3	4	48
शुक्र	2	5	4	5	4	5	4	6	4	3	4	6	52
बुध	6	5	3	5	5	2	6	4	4	5	6	3	54
चंद्र	5	5	4	2	2	6	5	4	3	5	3	5	49
बिन्दु	30	37	28	21	25	26	28	30	29	28	27	28	337
रेखा	26	19	28	35	31	30	28	26	27	28	29	28	335

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	3	5	0	0	2	0	2	1	0	3	2	18
गुरु	3	3	1	0	3	0	2	2	0	0	0	3	17
मंगल	0	3	0	1	0	0	1	2	4	3	1	0	15
सूर्य	3	2	1	0	0	0	0	2	2	1	0	1	12
शुक्र	0	2	0	0	2	2	0	1	2	0	0	1	10
बुध	2	3	0	2	1	0	3	1	0	3	3	0	18
चंद्र	3	0	1	0	0	1	2	2	1	0	0	3	13
रेखा	11	16	8	3	6	5	8	12	10	7	7	10	103

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	3	3	0	0	2	0	2	0	0	3	2	15
गुरु	3	1	1	0	3	0	2	0	0	0	0	3	13
मंगल	0	2	0	1	0	0	1	2	4	2	1	0	13
सूर्य	3	2	1	0	0	0	0	0	1	1	0	1	9
शुक्र	0	2	0	0	2	2	0	1	1	0	0	1	9
बुध	2	0	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	5
चंद्र	3	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	3	8
रेखा	11	10	5	3	6	4	5	5	6	3	4	10	72

शोध्य पिंड

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	75	71	104	32	119	79	137
ग्रह पिंड	25	45	25	65	60	20	20
शोध्य पिंड	100	116	129	97	179	99	157

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

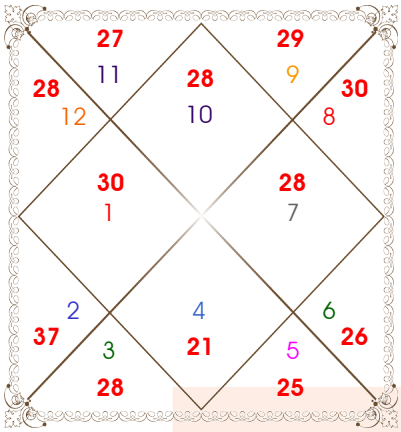

सूर्य का अष्टकवर्ग

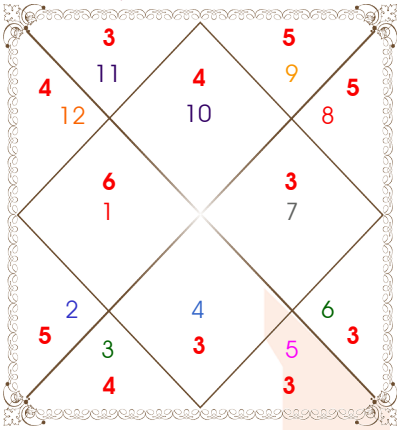

चंद्र का अष्टकवर्ग

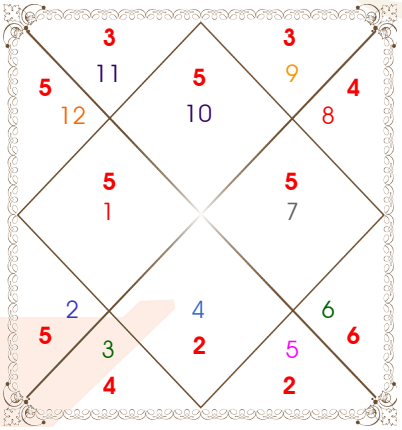

मंगल का अष्टकवर्ग

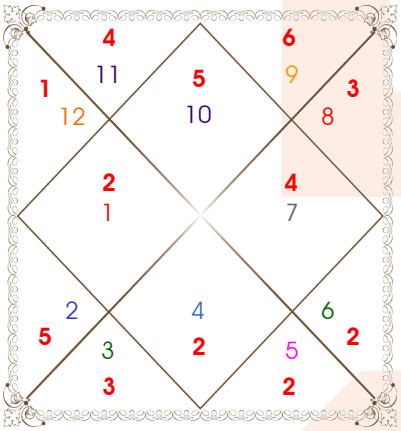

बुध का अष्टकवर्ग

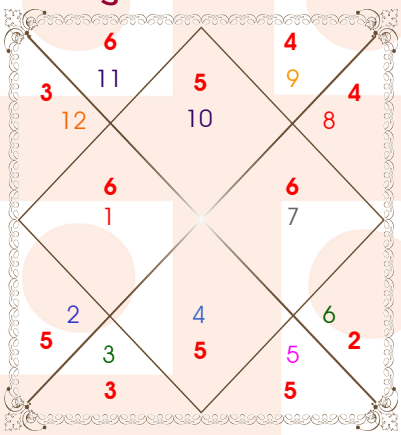

गुरु का अष्टकवर्ग

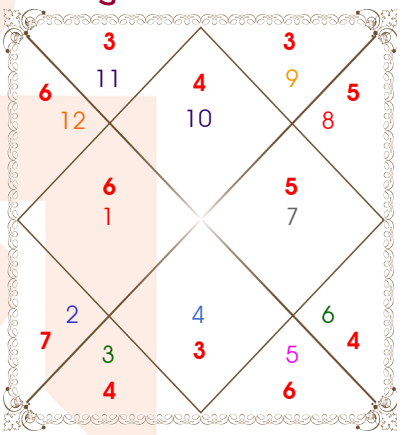

शुक्र का अष्टकवर्ग

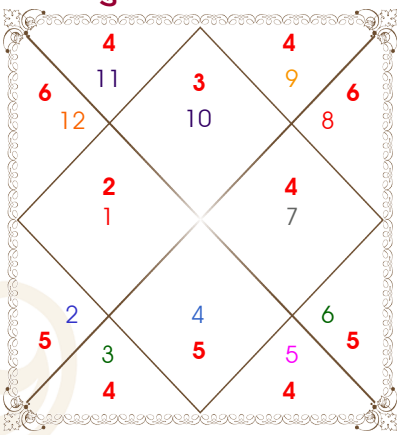

शनि का अष्टकवर्ग

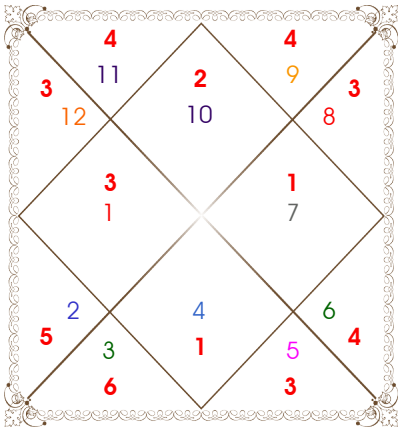

लग्न का अष्टकवर्ग

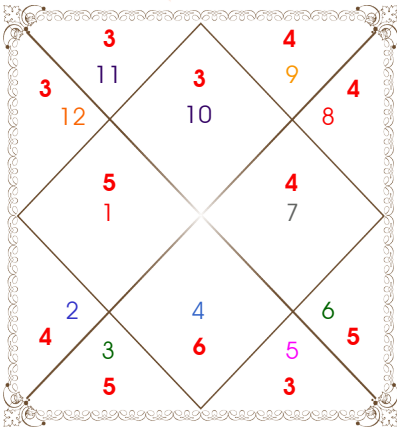

भिन्नाष्टक ग्राफ

सूर्य

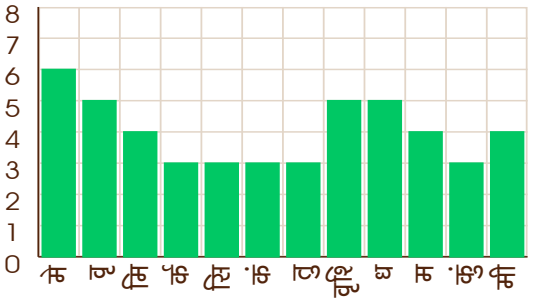

चन्द्र

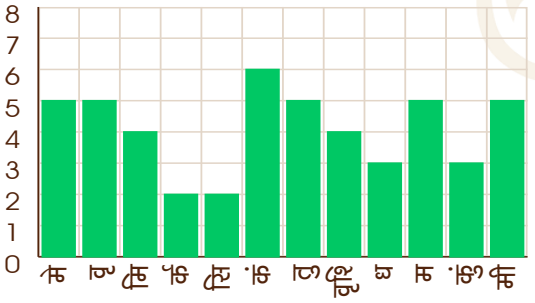

मंगल

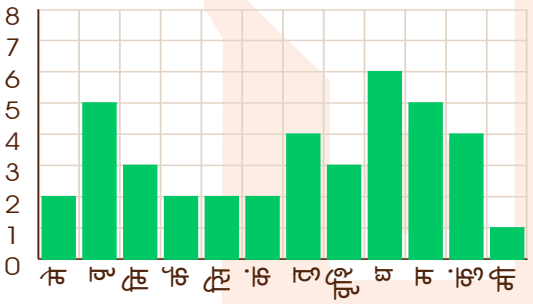

बुध

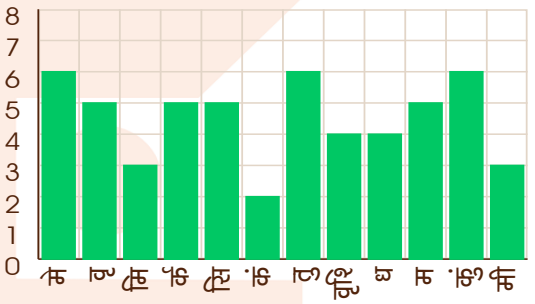

गुरु

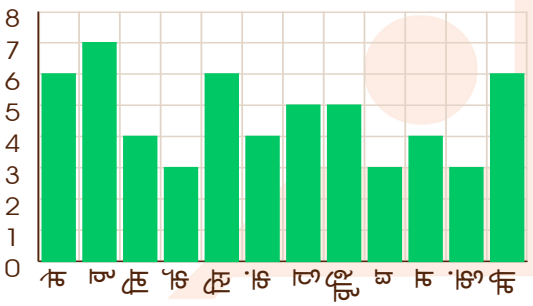

शुक्र

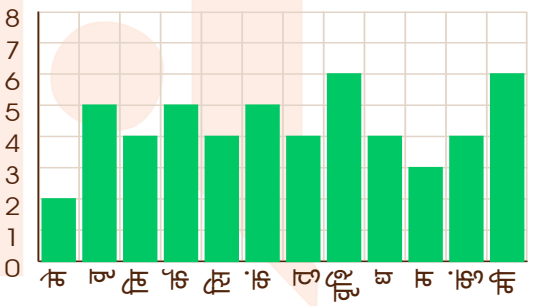

शनि

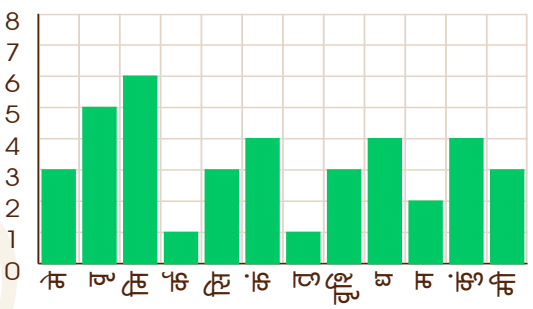

लग्न

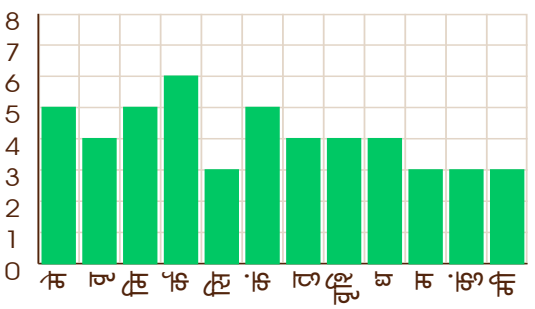

अष्टकवर्ग ग्राफ

सर्वाष्टकवर्ग

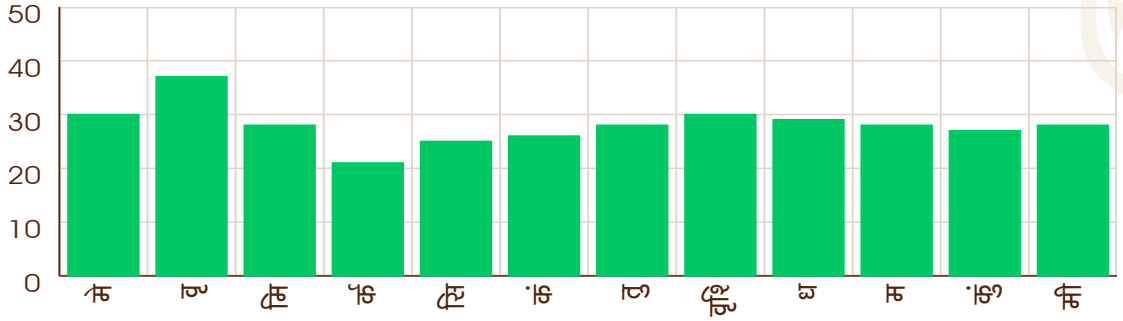

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

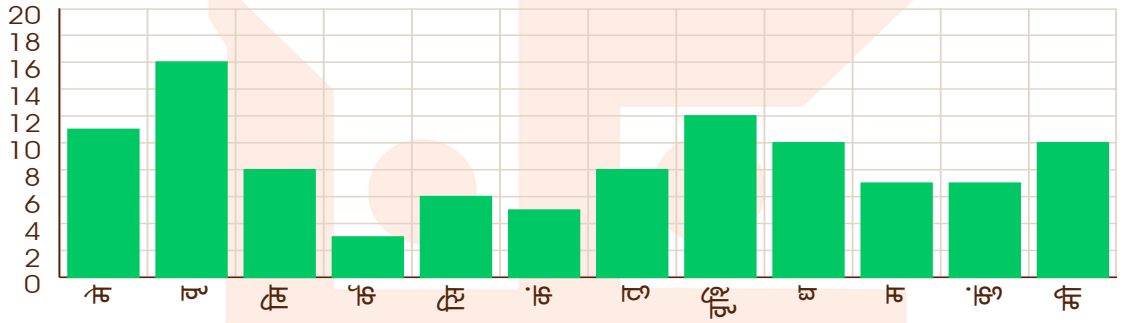

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

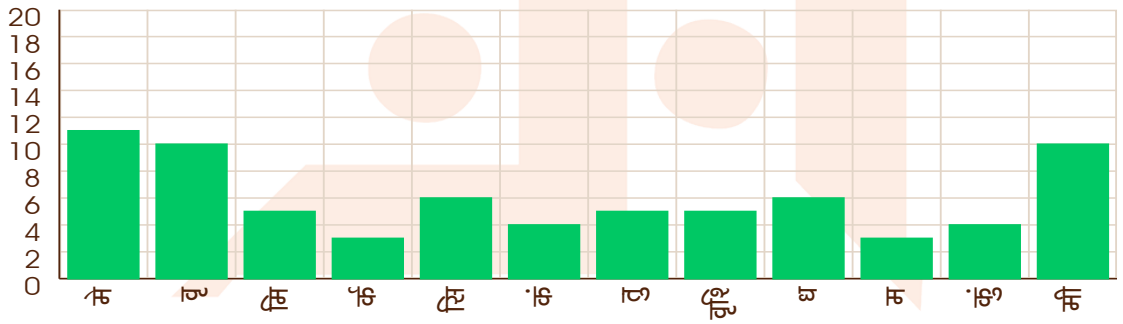

शोध्य पिंड

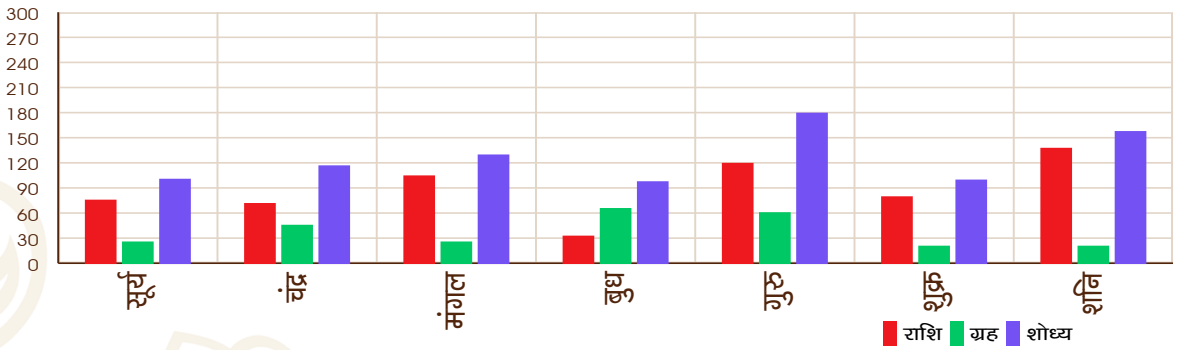

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 2 वर्ष 9 मास 9 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
20/08/1998		31/05/2001		31/05/2018		31/05/2025		31/05/2045	
31/05/2001		31/05/2018		31/05/2025		31/05/2045		31/05/2051	
	00/00/0000	बुध	27/10/2003	केतु	27/10/2018	शुक्र	29/09/2028	सूर्य	17/09/2045
	00/00/0000	केतु	23/10/2004	शुक्र	27/12/2019	सूर्य	29/09/2029	चंद्र	19/03/2046
	00/00/0000	शुक्र	24/08/2007	सूर्य	03/05/2020	चंद्र	31/05/2031	मंगल	25/07/2046
	00/00/0000	सूर्य	30/06/2008	चंद्र	02/12/2020	मंगल	30/07/2032	राहु	18/06/2047
	00/00/0000	चंद्र	29/11/2009	मंगल	30/04/2021	राहु	31/07/2035	गुरु	06/04/2048
	00/00/0000	मंगल	26/11/2010	राहु	19/05/2022	गुरु	31/03/2038	शनि	19/03/2049
	20/08/1998	राहु	15/06/2013	गुरु	25/04/2023	शनि	31/05/2041	बुध	23/01/2050
राहु	17/11/1998	गुरु	21/09/2015	शनि	02/06/2024	बुध	30/03/2044	केतु	31/05/2050
गुरु	31/05/2001	शनि	31/05/2018	बुध	31/05/2025	केतु	31/05/2045	शुक्र	31/05/2051

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
31/05/2051		31/05/2061		30/05/2068		31/05/2086		01/06/2102	
31/05/2061		30/05/2068		31/05/2086		01/06/2102		00/00/0000	
चंद्र	30/03/2052	मंगल	27/10/2061	राहु	11/02/2071	गुरु	18/07/2088	शनि	04/06/2105
मंगल	30/10/2052	राहु	14/11/2062	गुरु	06/07/2073	शनि	29/01/2091	बुध	12/02/2108
राहु	30/04/2054	गुरु	21/10/2063	शनि	12/05/2076	बुध	06/05/2093	केतु	23/03/2109
गुरु	30/08/2055	शनि	29/11/2064	बुध	29/11/2078	केतु	12/04/2094	शुक्र	22/05/2112
शनि	31/03/2057	बुध	26/11/2065	केतु	18/12/2079	शुक्र	11/12/2096	सूर्य	04/05/2113
बुध	30/08/2058	केतु	24/04/2066	शुक्र	18/12/2082	सूर्य	29/09/2097	चंद्र	04/12/2114
केतु	31/03/2059	शुक्र	24/06/2067	सूर्य	11/11/2083	चंद्र	29/01/2099	मंगल	12/01/2116
शुक्र	29/11/2060	सूर्य	30/10/2067	चंद्र	12/05/2085	मंगल	05/01/2100	राहु	21/08/2118
सूर्य	31/05/2061	चंद्र	30/05/2068	मंगल	31/05/2086	राहु	01/06/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 2 वर्ष 9 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध		बुध - केतु		बुध - शुक्र	
20/08/1998		17/11/1998		31/05/2001		27/10/2003		23/10/2004	
17/11/1998		31/05/2001		27/10/2003		23/10/2004		24/08/2007	
	00/00/0000	गुरु	21/03/1999	बुध	02/10/2001	केतु	17/11/2003	शुक्र	14/04/2005
	00/00/0000	शनि	14/08/1999	केतु	23/11/2001	शुक्र	17/01/2004	सूर्य	05/06/2005
	00/00/0000	बुध	23/12/1999	शुक्र	18/04/2002	सूर्य	04/02/2004	चंद्र	30/08/2005
	00/00/0000	केतु	15/02/2000	सूर्य	01/06/2002	चंद्र	05/03/2004	मंगल	29/10/2005
	00/00/0000	शुक्र	18/07/2000	चंद्र	13/08/2002	मंगल	26/03/2004	राहु	02/04/2006
	00/00/0000	सूर्य	03/09/2000	मंगल	04/10/2002	राहु	19/05/2004	गुरु	18/08/2006
	20/08/1998	चंद्र	19/11/2000	राहु	13/02/2003	गुरु	07/07/2004	शनि	29/01/2007
चंद्र	18/09/1998	मंगल	12/01/2001	गुरु	10/06/2003	शनि	02/09/2004	बुध	25/06/2007
मंगल	17/11/1998	राहु	31/05/2001	शनि	27/10/2003	बुध	23/10/2004	केतु	24/08/2007

बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		बुध - राहु		बुध - गुरु	
24/08/2007		30/06/2008		29/11/2009		26/11/2010		15/06/2013	
30/06/2008		29/11/2009		26/11/2010		15/06/2013		21/09/2015	
सूर्य	09/09/2007	चंद्र	12/08/2008	मंगल	20/12/2009	राहु	15/04/2011	गुरु	03/10/2013
चंद्र	05/10/2007	मंगल	11/09/2008	राहु	13/02/2010	गुरु	17/08/2011	शनि	11/02/2014
मंगल	23/10/2007	राहु	28/11/2008	गुरु	02/04/2010	शनि	12/01/2012	बुध	09/06/2014
राहु	08/12/2007	गुरु	05/02/2009	शनि	29/05/2010	बुध	23/05/2012	केतु	27/07/2014
गुरु	19/01/2008	शनि	28/04/2009	बुध	20/07/2010	केतु	16/07/2012	शुक्र	12/12/2014
शनि	08/03/2008	बुध	10/07/2009	केतु	10/08/2010	शुक्र	18/12/2012	सूर्य	22/01/2015
बुध	21/04/2008	केतु	09/08/2009	शुक्र	09/10/2010	सूर्य	03/02/2013	चंद्र	01/04/2015
केतु	09/05/2008	शुक्र	03/11/2009	सूर्य	27/10/2010	चंद्र	21/04/2013	मंगल	20/05/2015
शुक्र	30/06/2008	सूर्य	29/11/2009	चंद्र	26/11/2010	मंगल	15/06/2013	राहु	21/09/2015

बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य		केतु - चंद्र	
21/09/2015		31/05/2018		27/10/2018		27/12/2019		03/05/2020	
31/05/2018		27/10/2018		27/12/2019		03/05/2020		02/12/2020	
शनि	23/02/2016	केतु	09/06/2018	शुक्र	06/01/2019	सूर्य	02/01/2020	चंद्र	21/05/2020
बुध	12/07/2016	शुक्र	03/07/2018	सूर्य	27/01/2019	चंद्र	13/01/2020	मंगल	02/06/2020
केतु	07/09/2016	सूर्य	11/07/2018	चंद्र	04/03/2019	मंगल	21/01/2020	राहु	04/07/2020
शुक्र	18/02/2017	चंद्र	23/07/2018	मंगल	29/03/2019	राहु	09/02/2020	गुरु	01/08/2020
सूर्य	08/04/2017	मंगल	01/08/2018	राहु	01/06/2019	गुरु	26/02/2020	शनि	04/09/2020
चंद्र	29/06/2017	राहु	23/08/2018	गुरु	27/07/2019	शनि	17/03/2020	बुध	04/10/2020
मंगल	25/08/2017	गुरु	12/09/2018	शनि	03/10/2019	बुध	04/04/2020	केतु	17/10/2020
राहु	20/01/2018	शनि	06/10/2018	बुध	02/12/2019	केतु	12/04/2020	शुक्र	21/11/2020
गुरु	31/05/2018	बुध	27/10/2018	केतु	27/12/2019	शुक्र	03/05/2020	सूर्य	02/12/2020

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु		केतु - शनि		केतु - बुध	
02/12/2020		30/04/2021		19/05/2022		25/04/2023		02/06/2024	
30/04/2021		19/05/2022		25/04/2023		02/06/2024		31/05/2025	
मंगल	11/12/2020	राहु	27/06/2021	गुरु	03/07/2022	शनि	28/06/2023	बुध	24/07/2024
राहु	02/01/2021	गुरु	17/08/2021	शनि	26/08/2022	बुध	24/08/2023	केतु	14/08/2024
गुरु	22/01/2021	शनि	17/10/2021	बुध	13/10/2022	केतु	17/09/2023	शुक्र	13/10/2024
शनि	15/02/2021	बुध	10/12/2021	केतु	02/11/2022	शुक्र	23/11/2023	सूर्य	31/10/2024
बुध	08/03/2021	केतु	01/01/2022	शुक्र	29/12/2022	सूर्य	13/12/2023	चंद्र	30/11/2024
केतु	16/03/2021	शुक्र	06/03/2022	सूर्य	15/01/2023	चंद्र	16/01/2024	मंगल	22/12/2024
शुक्र	10/04/2021	सूर्य	25/03/2022	चंद्र	13/02/2023	मंगल	09/02/2024	राहु	14/02/2025
सूर्य	18/04/2021	चंद्र	26/04/2022	मंगल	04/03/2023	राहु	09/04/2024	गुरु	03/04/2025
चंद्र	30/04/2021	मंगल	19/05/2022	राहु	25/04/2023	गुरु	02/06/2024	शनि	31/05/2025

शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल		शुक्र - राहु	
31/05/2025		29/09/2028		29/09/2029		31/05/2031		30/07/2032	
29/09/2028		29/09/2029		31/05/2031		30/07/2032		31/07/2035	
शुक्र	20/12/2025	सूर्य	17/10/2028	चंद्र	19/11/2029	मंगल	25/06/2031	राहु	11/01/2033
सूर्य	18/02/2026	चंद्र	17/11/2028	मंगल	25/12/2029	राहु	28/08/2031	गुरु	06/06/2033
चंद्र	31/05/2026	मंगल	08/12/2028	राहु	26/03/2030	गुरु	24/10/2031	शनि	26/11/2033
मंगल	10/08/2026	राहु	01/02/2029	गुरु	15/06/2030	शनि	30/12/2031	बुध	30/04/2034
राहु	08/02/2027	गुरु	22/03/2029	शनि	19/09/2030	बुध	29/02/2032	केतु	03/07/2034
गुरु	21/07/2027	शनि	18/05/2029	बुध	15/12/2030	केतु	24/03/2032	शुक्र	02/01/2035
शनि	30/01/2028	बुध	09/07/2029	केतु	19/01/2031	शुक्र	03/06/2032	सूर्य	26/02/2035
बुध	20/07/2028	केतु	30/07/2029	शुक्र	01/05/2031	सूर्य	25/06/2032	चंद्र	28/05/2035
केतु	29/09/2028	शुक्र	29/09/2029	सूर्य	31/05/2031	चंद्र	30/07/2032	मंगल	31/07/2035

शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध		शुक्र - केतु		सूर्य - सूर्य	
31/07/2035		31/03/2038		31/05/2041		30/03/2044		31/05/2045	
31/03/2038		31/05/2041		30/03/2044		31/05/2045		17/09/2045	
गुरु	08/12/2035	शनि	30/09/2038	बुध	24/10/2041	केतु	24/04/2044	सूर्य	05/06/2045
शनि	10/05/2036	बुध	13/03/2039	केतु	24/12/2041	शुक्र	04/07/2044	चंद्र	14/06/2045
बुध	25/09/2036	केतु	19/05/2039	शुक्र	14/06/2042	सूर्य	26/07/2044	मंगल	21/06/2045
केतु	21/11/2036	शुक्र	28/11/2039	सूर्य	05/08/2042	चंद्र	30/08/2044	राहु	07/07/2045
शुक्र	02/05/2037	सूर्य	25/01/2040	चंद्र	30/10/2042	मंगल	24/09/2044	गुरु	22/07/2045
सूर्य	20/06/2037	चंद्र	30/04/2040	मंगल	29/12/2042	राहु	27/11/2044	शनि	08/08/2045
चंद्र	09/09/2037	मंगल	07/07/2040	राहु	03/06/2043	गुरु	23/01/2045	बुध	24/08/2045
मंगल	05/11/2037	राहु	27/12/2040	गुरु	19/10/2043	शनि	31/03/2045	केतु	30/08/2045
राहु	31/03/2038	गुरु	31/05/2041	शनि	30/03/2044	बुध	31/05/2045	शुक्र	17/09/2045

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि	
17/09/2045		19/03/2046		25/07/2046		18/06/2047		06/04/2048	
19/03/2046		25/07/2046		18/06/2047		06/04/2048		19/03/2049	
चंद्र	02/10/2045	मंगल	26/03/2046	राहु	12/09/2046	गुरु	27/07/2047	शनि	30/05/2048
मंगल	13/10/2045	राहु	14/04/2046	गुरु	26/10/2046	शनि	12/09/2047	बुध	19/07/2048
राहु	09/11/2045	गुरु	01/05/2046	शनि	17/12/2046	बुध	23/10/2047	केतु	08/08/2048
गुरु	04/12/2045	शनि	22/05/2046	बुध	01/02/2047	केतु	09/11/2047	शुक्र	05/10/2048
शनि	02/01/2046	बुध	09/06/2046	केतु	21/02/2047	शुक्र	28/12/2047	सूर्य	22/10/2048
बुध	28/01/2046	केतु	16/06/2046	शुक्र	16/04/2047	सूर्य	11/01/2048	चंद्र	20/11/2048
केतु	07/02/2046	शुक्र	08/07/2046	सूर्य	03/05/2047	चंद्र	05/02/2048	मंगल	10/12/2048
शुक्र	10/03/2046	सूर्य	14/07/2046	चंद्र	30/05/2047	मंगल	22/02/2048	राहु	31/01/2049
सूर्य	19/03/2046	चंद्र	25/07/2046	मंगल	18/06/2047	राहु	06/04/2048	गुरु	19/03/2049

सूर्य - बुध		सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल	
19/03/2049		23/01/2050		31/05/2050		31/05/2051		30/03/2052	
23/01/2050		31/05/2050		31/05/2051		30/03/2052		30/10/2052	
बुध	02/05/2049	केतु	30/01/2050	शुक्र	31/07/2050	चंद्र	25/06/2051	मंगल	12/04/2052
केतु	20/05/2049	शुक्र	21/02/2050	सूर्य	18/08/2050	मंगल	13/07/2051	राहु	14/05/2052
शुक्र	10/07/2049	सूर्य	27/02/2050	चंद्र	17/09/2050	राहु	28/08/2051	गुरु	11/06/2052
सूर्य	26/07/2049	चंद्र	10/03/2050	मंगल	09/10/2050	गुरु	07/10/2051	शनि	15/07/2052
चंद्र	21/08/2049	मंगल	17/03/2050	राहु	03/12/2050	शनि	25/11/2051	बुध	14/08/2052
मंगल	08/09/2049	राहु	05/04/2050	गुरु	20/01/2051	बुध	07/01/2052	केतु	27/08/2052
राहु	24/10/2049	गुरु	22/04/2050	शनि	19/03/2051	केतु	25/01/2052	शुक्र	01/10/2052
गुरु	05/12/2049	शनि	13/05/2050	बुध	10/05/2051	शुक्र	15/03/2052	सूर्य	12/10/2052
शनि	23/01/2050	बुध	31/05/2050	केतु	31/05/2051	सूर्य	30/03/2052	चंद्र	30/10/2052

चंद्र - राहु		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध		चंद्र - केतु	
30/10/2052		30/04/2054		30/08/2055		31/03/2057		30/08/2058	
30/04/2054		30/08/2055		31/03/2057		30/08/2058		31/03/2059	
राहु	20/01/2053	गुरु	04/07/2054	शनि	30/11/2055	बुध	12/06/2057	केतु	12/09/2058
गुरु	03/04/2053	शनि	19/09/2054	बुध	20/02/2056	केतु	12/07/2057	शुक्र	17/10/2058
शनि	29/06/2053	बुध	27/11/2054	केतु	25/03/2056	शुक्र	06/10/2057	सूर्य	28/10/2058
बुध	14/09/2053	केतु	26/12/2054	शुक्र	29/06/2056	सूर्य	01/11/2057	चंद्र	14/11/2058
केतु	16/10/2053	शुक्र	17/03/2055	सूर्य	28/07/2056	चंद्र	14/12/2057	मंगल	27/11/2058
शुक्र	15/01/2054	सूर्य	10/04/2055	चंद्र	14/09/2056	मंगल	14/01/2058	राहु	29/12/2058
सूर्य	12/02/2054	चंद्र	21/05/2055	मंगल	18/10/2056	राहु	01/04/2058	गुरु	26/01/2059
चंद्र	29/03/2054	मंगल	18/06/2055	राहु	13/01/2057	गुरु	09/06/2058	शनि	01/03/2059
मंगल	30/04/2054	राहु	30/08/2055	गुरु	31/03/2057	शनि	30/08/2058	बुध	31/03/2059

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु		मंगल - गुरु	
31/03/2059		29/11/2060		31/05/2061		27/10/2061		14/11/2062	
29/11/2060		31/05/2061		27/10/2061		14/11/2062		21/10/2063	
शुक्र	11/07/2059	सूर्य	08/12/2060	मंगल	08/06/2061	राहु	23/12/2061	गुरु	30/12/2062
सूर्य	10/08/2059	चंद्र	23/12/2060	राहु	01/07/2061	गुरु	12/02/2062	शनि	22/02/2063
चंद्र	30/09/2059	मंगल	03/01/2061	गुरु	21/07/2061	शनि	14/04/2062	बुध	11/04/2063
मंगल	04/11/2059	राहु	30/01/2061	शनि	13/08/2061	बुध	07/06/2062	केतु	01/05/2063
राहु	04/02/2060	गुरु	24/02/2061	बुध	03/09/2061	केतु	30/06/2062	शुक्र	27/06/2063
गुरु	25/04/2060	शनि	25/03/2061	केतु	12/09/2061	शुक्र	02/09/2062	सूर्य	14/07/2063
शनि	30/07/2060	बुध	19/04/2061	शुक्र	07/10/2061	सूर्य	21/09/2062	चंद्र	11/08/2063
बुध	24/10/2060	केतु	30/04/2061	सूर्य	14/10/2061	चंद्र	23/10/2062	मंगल	31/08/2063
केतु	29/11/2060	शुक्र	31/05/2061	चंद्र	27/10/2061	मंगल	14/11/2062	राहु	21/10/2063

मंगल - शनि		मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य	
21/10/2063		29/11/2064		26/11/2065		24/04/2066		24/06/2067	
29/11/2064		26/11/2065		24/04/2066		24/06/2067		30/10/2067	
शनि	24/12/2063	बुध	19/01/2065	केतु	05/12/2065	शुक्र	04/07/2066	सूर्य	01/07/2067
बुध	20/02/2064	केतु	09/02/2065	शुक्र	30/12/2065	सूर्य	26/07/2066	चंद्र	11/07/2067
केतु	14/03/2064	शुक्र	11/04/2065	सूर्य	06/01/2066	चंद्र	30/08/2066	मंगल	19/07/2067
शुक्र	21/05/2064	सूर्य	29/04/2065	चंद्र	19/01/2066	मंगल	24/09/2066	राहु	07/08/2067
सूर्य	10/06/2064	चंद्र	29/05/2065	मंगल	27/01/2066	राहु	27/11/2066	गुरु	24/08/2067
चंद्र	14/07/2064	मंगल	19/06/2065	राहु	19/02/2066	गुरु	23/01/2067	शनि	13/09/2067
मंगल	06/08/2064	राहु	13/08/2065	गुरु	11/03/2066	शनि	31/03/2067	बुध	02/10/2067
राहु	06/10/2064	गुरु	30/09/2065	शनि	03/04/2066	बुध	31/05/2067	केतु	09/10/2067
गुरु	29/11/2064	शनि	26/11/2065	बुध	24/04/2066	केतु	24/06/2067	शुक्र	30/10/2067

मंगल - चंद्र		राहु - राहु		राहु - गुरु		राहु - शनि		राहु - बुध	
30/10/2067		30/05/2068		11/02/2071		06/07/2073		12/05/2076	
30/05/2068		11/02/2071		06/07/2073		12/05/2076		29/11/2078	
चंद्र	17/11/2067	राहु	25/10/2068	गुरु	07/06/2071	शनि	18/12/2073	बुध	21/09/2076
मंगल	29/11/2067	गुरु	06/03/2069	शनि	24/10/2071	बुध	14/05/2074	केतु	14/11/2076
राहु	31/12/2067	शनि	09/08/2069	बुध	25/02/2072	केतु	14/07/2074	शुक्र	19/04/2077
गुरु	29/01/2068	बुध	27/12/2069	केतु	17/04/2072	शुक्र	04/01/2075	सूर्य	04/06/2077
शनि	03/03/2068	केतु	22/02/2070	शुक्र	10/09/2072	सूर्य	25/02/2075	चंद्र	21/08/2077
बुध	02/04/2068	शुक्र	05/08/2070	सूर्य	23/10/2072	चंद्र	22/05/2075	मंगल	14/10/2077
केतु	14/04/2068	सूर्य	24/09/2070	चंद्र	04/01/2073	मंगल	22/07/2075	राहु	03/03/2078
शुक्र	20/05/2068	चंद्र	15/12/2070	मंगल	25/02/2073	राहु	25/12/2075	गुरु	05/07/2078
सूर्य	30/05/2068	मंगल	11/02/2071	राहु	06/07/2073	गुरु	12/05/2076	शनि	29/11/2078

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल	
29/11/2078		18/12/2079		18/12/2082		11/11/2083		12/05/2085	
18/12/2079		18/12/2082		11/11/2083		12/05/2085		31/05/2086	
केतु	22/12/2078	शुक्र	18/06/2080	सूर्य	03/01/2083	चंद्र	27/12/2083	मंगल	04/06/2085
शुक्र	24/02/2079	सूर्य	11/08/2080	चंद्र	31/01/2083	मंगल	28/01/2084	राहु	31/07/2085
सूर्य	15/03/2079	चंद्र	11/11/2080	मंगल	19/02/2083	राहु	19/04/2084	गुरु	20/09/2085
चंद्र	16/04/2079	मंगल	14/01/2081	राहु	09/04/2083	गुरु	01/07/2084	शनि	20/11/2085
मंगल	08/05/2079	राहु	27/06/2081	गुरु	23/05/2083	शनि	26/09/2084	बुध	13/01/2086
राहु	05/07/2079	गुरु	20/11/2081	शनि	14/07/2083	बुध	13/12/2084	केतु	05/02/2086
गुरु	25/08/2079	शनि	13/05/2082	बुध	29/08/2083	केतु	14/01/2085	शुक्र	10/04/2086
शनि	25/10/2079	बुध	15/10/2082	केतु	18/09/2083	शुक्र	15/04/2085	सूर्य	29/04/2086
बुध	18/12/2079	केतु	18/12/2082	शुक्र	11/11/2083	सूर्य	12/05/2085	चंद्र	31/05/2086

गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र	
31/05/2086		18/07/2088		29/01/2091		06/05/2093		12/04/2094	
18/07/2088		29/01/2091		06/05/2093		12/04/2094		11/12/2096	
गुरु	12/09/2086	शनि	12/12/2088	बुध	27/05/2091	केतु	26/05/2093	शुक्र	21/09/2094
शनि	13/01/2087	बुध	22/04/2089	केतु	14/07/2091	शुक्र	22/07/2093	सूर्य	09/11/2094
बुध	03/05/2087	केतु	15/06/2089	शुक्र	29/11/2091	सूर्य	08/08/2093	चंद्र	29/01/2095
केतु	18/06/2087	शुक्र	16/11/2089	सूर्य	09/01/2092	चंद्र	05/09/2093	मंगल	27/03/2095
शुक्र	26/10/2087	सूर्य	01/01/2090	चंद्र	18/03/2092	मंगल	25/09/2093	राहु	20/08/2095
सूर्य	04/12/2087	चंद्र	19/03/2090	मंगल	06/05/2092	राहु	15/11/2093	गुरु	28/12/2095
चंद्र	07/02/2088	मंगल	12/05/2090	राहु	07/09/2092	गुरु	31/12/2093	शनि	30/05/2096
मंगल	23/03/2088	राहु	28/09/2090	गुरु	26/12/2092	शनि	23/02/2094	बुध	15/10/2096
राहु	18/07/2088	गुरु	29/01/2091	शनि	06/05/2093	बुध	12/04/2094	केतु	11/12/2096

गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि	
11/12/2096		29/09/2097		29/01/2099		05/01/2100		01/06/2102	
29/09/2097		29/01/2099		05/01/2100		01/06/2102		04/06/2105	
सूर्य	26/12/2096	चंद्र	09/11/2097	मंगल	18/02/2099	राहु	17/05/2100	शनि	22/11/2102
चंद्र	19/01/2097	मंगल	07/12/2097	राहु	10/04/2099	गुरु	11/09/2100	बुध	26/04/2103
मंगल	05/02/2097	राहु	18/02/2098	गुरु	26/05/2099	शनि	27/01/2101	केतु	30/06/2103
राहु	21/03/2097	गुरु	24/04/2098	शनि	19/07/2099	बुध	01/06/2101	शुक्र	30/12/2103
गुरु	29/04/2097	शनि	10/07/2098	बुध	05/09/2099	केतु	22/07/2101	सूर्य	23/02/2104
शनि	14/06/2097	बुध	17/09/2098	केतु	25/09/2099	शुक्र	15/12/2101	चंद्र	24/05/2104
बुध	26/07/2097	केतु	16/10/2098	शुक्र	21/11/2099	सूर्य	28/01/2102	मंगल	27/07/2104
केतु	12/08/2097	शुक्र	05/01/2099	सूर्य	08/12/2099	चंद्र	11/04/2102	राहु	08/01/2105
शुक्र	29/09/2097	सूर्य	29/01/2099	चंद्र	05/01/2100	मंगल	01/06/2102	गुरु	04/06/2105

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - शुक्र - शुक्र	
31/05/2025 02:02	
20/12/2025 00:02	
शुक्र	03/07/2025 21:42
सूर्य	14/07/2025 01:12
चंद्र	30/07/2025 23:02
मंगल	11/08/2025 19:07
राहु	11/09/2025 05:37
गुरु	08/10/2025 06:57
शनि	09/11/2025 10:02
बुध	08/12/2025 03:57
केतु	20/12/2025 00:02

शुक्र - शुक्र - सूर्य	
20/12/2025 00:02	
18/02/2026 21:02	
सूर्य	23/12/2025 01:05
चंद्र	28/12/2025 02:50
मंगल	31/12/2025 16:04
राहु	09/01/2026 19:13
गुरु	17/01/2026 22:01
शनि	27/01/2026 13:20
बुध	05/02/2026 04:19
केतु	08/02/2026 17:32
शुक्र	18/02/2026 21:02

शुक्र - शुक्र - चंद्र	
18/02/2026 21:02	
31/05/2026 08:02	
चंद्र	27/02/2026 07:57
मंगल	05/03/2026 06:00
राहु	20/03/2026 11:15
गुरु	02/04/2026 23:55
शनि	19/04/2026 01:27
बुध	03/05/2026 10:25
केतु	09/05/2026 08:27
शुक्र	26/05/2026 06:17
सूर्य	31/05/2026 08:02

शुक्र - शुक्र - मंगल	
31/05/2026 08:02	
10/08/2026 08:32	
मंगल	04/06/2026 11:28
राहु	15/06/2026 03:08
गुरु	24/06/2026 14:24
शनि	05/07/2026 20:17
बुध	15/07/2026 21:45
केतु	20/07/2026 01:11
शुक्र	31/07/2026 21:16
सूर्य	04/08/2026 10:30
चंद्र	10/08/2026 08:32

शुक्र - शुक्र - राहु	
10/08/2026 08:32	
08/02/2027 23:32	
राहु	06/09/2026 17:59
गुरु	01/10/2026 02:23
शनि	30/10/2026 00:22
बुध	24/11/2026 21:17
केतु	05/12/2026 12:58
शुक्र	04/01/2027 23:28
सूर्य	14/01/2027 02:37
चंद्र	29/01/2027 07:52
मंगल	08/02/2027 23:32

शुक्र - शुक्र - गुरु	
08/02/2027 23:32	
21/07/2027 07:32	
गुरु	02/03/2027 15:00
शनि	28/03/2027 07:52
बुध	20/04/2027 07:48
केतु	29/04/2027 19:04
शुक्र	26/05/2027 20:24
सूर्य	03/06/2027 23:12
चंद्र	17/06/2027 11:52
मंगल	26/06/2027 23:08
राहु	21/07/2027 07:32

शुक्र - शुक्र - शनि	
21/07/2027 07:32	
30/01/2028 02:02	
शनि	20/08/2027 20:04
बुध	17/09/2027 03:29
केतु	28/09/2027 09:22
शुक्र	30/10/2027 12:27
सूर्य	09/11/2027 03:46
चंद्र	25/11/2027 05:19
मंगल	06/12/2027 11:12
राहु	04/01/2028 09:10
गुरु	30/01/2028 02:02

शुक्र - शुक्र - बुध	
30/01/2028 02:02	
20/07/2028 13:32	
बुध	23/02/2028 12:28
केतु	04/03/2028 13:56
शुक्र	02/04/2028 07:51
सूर्य	10/04/2028 22:50
चंद्र	25/04/2028 07:47
मंगल	05/05/2028 09:15
राहु	31/05/2028 06:11
गुरु	23/06/2028 06:07
शनि	20/07/2028 13:32

शुक्र - शुक्र - केतु	
20/07/2028 13:32	
29/09/2028 14:02	
केतु	24/07/2028 16:58
शुक्र	05/08/2028 13:03
सूर्य	09/08/2028 02:16
चंद्र	15/08/2028 00:19
मंगल	19/08/2028 03:45
राहु	29/08/2028 19:25
गुरु	08/09/2028 06:41
शनि	19/09/2028 12:34
बुध	29/09/2028 14:02

शुक्र - सूर्य - सूर्य	
29/09/2028 14:02	
17/10/2028 20:20	
सूर्य	30/09/2028 11:57
चंद्र	02/10/2028 00:29
मंगल	03/10/2028 02:03
राहु	05/10/2028 19:47
गुरु	08/10/2028 06:14
शनि	11/10/2028 03:38
बुध	13/10/2028 17:43
केतु	14/10/2028 19:17
शुक्र	17/10/2028 20:20

शुक्र - सूर्य - चंद्र	
17/10/2028 20:20	
17/11/2028 06:50	
चंद्र	20/10/2028 09:13
मंगल	22/10/2028 03:49
राहु	26/10/2028 17:24
गुरु	30/10/2028 18:48
शनि	04/11/2028 14:28
बुध	08/11/2028 21:57
केतु	10/11/2028 16:34
शुक्र	15/11/2028 18:19
सूर्य	17/11/2028 06:50

शुक्र - सूर्य - मंगल	
17/11/2028 06:50	
08/12/2028 14:11	
मंगल	18/11/2028 12:40
राहु	21/11/2028 17:22
गुरु	24/11/2028 13:33
शनि	27/11/2028 22:31
बुध	30/11/2028 22:57
केतु	02/12/2028 04:47
शुक्र	05/12/2028 18:00
सूर्य	06/12/2028 19:34
चंद्र	08/12/2028 14:11

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - सूर्य - राहु	
08/12/2028 14:11	
01/02/2029 09:05	
राहु	16/12/2028 19:25
गुरु	24/12/2028 02:45
शनि	01/01/2029 18:56
बुध	09/01/2029 13:13
केतु	12/01/2029 17:55
शुक्र	21/01/2029 21:04
सूर्य	24/01/2029 14:49
चंद्र	29/01/2029 04:23
मंगल	01/02/2029 09:05

शुक्र - सूर्य - गुरु	
01/02/2029 09:05	
22/03/2029 01:53	
गुरु	07/02/2029 20:56
शनि	15/02/2029 13:59
बुध	22/02/2029 11:34
केतु	25/02/2029 07:45
शुक्र	05/03/2029 10:33
सूर्य	07/03/2029 20:59
चंद्र	11/03/2029 22:23
मंगल	14/03/2029 18:34
राहु	22/03/2029 01:53

शुक्र - सूर्य - शनि	
22/03/2029 01:53	
18/05/2029 21:50	
शनि	31/03/2029 05:39
बुध	08/04/2029 10:16
केतु	11/04/2029 19:14
शुक्र	21/04/2029 10:34
सूर्य	24/04/2029 07:58
चंद्र	29/04/2029 03:37
मंगल	02/05/2029 12:35
राहु	11/05/2029 04:47
गुरु	18/05/2029 21:50

शुक्र - सूर्य - बुध	
18/05/2029 21:50	
09/07/2029 15:41	
बुध	26/05/2029 05:46
केतु	29/05/2029 06:12
शुक्र	06/06/2029 21:11
सूर्य	09/06/2029 11:16
चंद्र	13/06/2029 18:46
मंगल	16/06/2029 19:12
राहु	24/06/2029 13:29
गुरु	01/07/2029 11:04
शनि	09/07/2029 15:41

शुक्र - सूर्य - केतु	
09/07/2029 15:41	
30/07/2029 23:02	
केतु	10/07/2029 21:31
शुक्र	14/07/2029 10:44
सूर्य	15/07/2029 12:19
चंद्र	17/07/2029 06:55
मंगल	18/07/2029 12:45
राहु	21/07/2029 17:27
गुरु	24/07/2029 13:38
शनि	27/07/2029 22:36
बुध	30/07/2029 23:02

शुक्र - सूर्य - शुक्र	
30/07/2029 23:02	
29/09/2029 20:02	
शुक्र	10/08/2029 02:32
सूर्य	13/08/2029 03:35
चंद्र	18/08/2029 05:20
मंगल	21/08/2029 18:34
राहु	30/08/2029 21:43
गुरु	08/09/2029 00:31
शनि	17/09/2029 15:50
बुध	26/09/2029 06:49
केतु	29/09/2029 20:02

शुक्र - चंद्र - चंद्र	
29/09/2029 20:02	
19/11/2029 13:32	
चंद्र	04/10/2029 01:30
मंगल	07/10/2029 00:31
राहु	14/10/2029 15:08
गुरु	21/10/2029 09:28
शनि	29/10/2029 10:15
बुध	05/11/2029 14:43
केतु	08/11/2029 13:45
शुक्र	17/11/2029 00:40
सूर्य	19/11/2029 13:32

शुक्र - चंद्र - मंगल	
19/11/2029 13:32	
25/12/2029 01:47	
मंगल	21/11/2029 15:15
राहु	26/11/2029 23:05
गुरु	01/12/2029 16:43
शनि	07/12/2029 07:40
बुध	12/12/2029 08:24
केतु	14/12/2029 10:07
शुक्र	20/12/2029 08:09
सूर्य	22/12/2029 02:46
चंद्र	25/12/2029 01:47

शुक्र - चंद्र - राहु	
25/12/2029 01:47	
26/03/2030 09:17	
राहु	07/01/2030 18:31
गुरु	19/01/2030 22:43
शनि	03/02/2030 09:42
बुध	16/02/2030 08:10
केतु	21/02/2030 16:00
शुक्र	08/03/2030 21:15
सूर्य	13/03/2030 10:49
चंद्र	21/03/2030 01:27
मंगल	26/03/2030 09:17

शुक्र - चंद्र - गुरु	
26/03/2030 09:17	
15/06/2030 13:17	
गुरु	06/04/2030 05:01
शनि	19/04/2030 01:27
बुध	30/04/2030 13:25
केतु	05/05/2030 07:03
शुक्र	18/05/2030 19:43
सूर्य	22/05/2030 21:07
चंद्र	29/05/2030 15:27
मंगल	03/06/2030 09:05
राहु	15/06/2030 13:17

शुक्र - चंद्र - शनि	
15/06/2030 13:17	
19/09/2030 22:32	
शनि	30/06/2030 19:33
बुध	14/07/2030 11:16
केतु	20/07/2030 02:12
शुक्र	05/08/2030 03:45
सूर्य	09/08/2030 23:24
चंद्र	18/08/2030 00:11
मंगल	23/08/2030 15:07
राहु	07/09/2030 02:06
गुरु	19/09/2030 22:32

शुक्र - चंद्र - बुध	
19/09/2030 22:32	
15/12/2030 04:17	
बुध	02/10/2030 03:45
केतु	07/10/2030 04:29
शुक्र	21/10/2030 13:27
सूर्य	25/10/2030 20:56
चंद्र	02/11/2030 01:25
मंगल	07/11/2030 02:09
राहु	20/11/2030 00:37
गुरु	01/12/2030 12:35
शनि	15/12/2030 04:17

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - चंद्र - केतु		शुक्र - चंद्र - शुक्र		शुक्र - चंद्र - सूर्य		शुक्र - मंगल - मंगल	
15/12/2030 04:17		19/01/2031 16:32		01/05/2031 03:32		31/05/2031 14:02	
19/01/2031 16:32		01/05/2031 03:32		31/05/2031 14:02		25/06/2031 10:37	
केतु	17/12/2030 06:00	शुक्र	05/02/2031 14:22	सूर्य	02/05/2031 16:04	मंगल	02/06/2031 00:50
शुक्र	23/12/2030 04:03	सूर्य	10/02/2031 16:07	चंद्र	05/05/2031 04:56	राहु	05/06/2031 18:19
सूर्य	24/12/2030 22:39	चंद्र	19/02/2031 03:02	मंगल	06/05/2031 23:33	गुरु	09/06/2031 01:52
चंद्र	27/12/2030 21:41	मंगल	25/02/2031 01:05	राहु	11/05/2031 13:07	शनि	13/06/2031 00:19
मंगल	29/12/2030 23:23	राहु	12/03/2031 06:20	गुरु	15/05/2031 14:31	बुध	16/06/2031 12:50
राहु	04/01/2031 07:14	गुरु	25/03/2031 19:00	शनि	20/05/2031 10:11	केतु	17/06/2031 23:38
गुरु	09/01/2031 00:52	शनि	10/04/2031 20:32	बुध	24/05/2031 17:40	शुक्र	22/06/2031 03:04
शनि	14/01/2031 15:48	बुध	25/04/2031 05:30	केतु	26/05/2031 12:17	सूर्य	23/06/2031 08:54
बुध	19/01/2031 16:32	केतु	01/05/2031 03:32	शुक्र	31/05/2031 14:02	चंद्र	25/06/2031 10:37

शुक्र - मंगल - राहु		शुक्र - मंगल - गुरु		शुक्र - मंगल - शनि		शुक्र - मंगल - बुध	
25/06/2031 10:37		28/08/2031 08:40		24/10/2031 04:16		30/12/2031 15:32	
28/08/2031 08:40		24/10/2031 04:16		30/12/2031 15:32		29/02/2032 00:22	
राहु	05/07/2031 00:43	गुरु	04/09/2031 22:29	शनि	03/11/2031 20:39	बुध	08/01/2032 04:47
गुरु	13/07/2031 13:16	शनि	13/09/2031 22:23	बुध	13/11/2031 10:03	केतु	11/01/2032 17:18
शनि	23/07/2031 16:09	बुध	21/09/2031 23:33	केतु	17/11/2031 08:30	शुक्र	21/01/2032 18:46
बुध	01/08/2031 17:28	केतु	25/09/2031 07:06	शुक्र	28/11/2031 14:23	सूर्य	24/01/2032 19:13
केतु	05/08/2031 10:58	शुक्र	04/10/2031 18:22	सूर्य	01/12/2031 23:21	चंद्र	29/01/2032 19:57
शुक्र	16/08/2031 02:38	सूर्य	07/10/2031 14:33	चंद्र	07/12/2031 14:17	मंगल	02/02/2032 08:28
सूर्य	19/08/2031 07:20	चंद्र	12/10/2031 08:11	मंगल	11/12/2031 12:45	राहु	11/02/2032 09:47
चंद्र	24/08/2031 15:11	मंगल	15/10/2031 15:43	राहु	21/12/2031 15:38	गुरु	19/02/2032 10:58
मंगल	28/08/2031 08:40	राहु	24/10/2031 04:16	गुरु	30/12/2031 15:32	शनि	29/02/2032 00:22

शुक्र - मंगल - केतु		शुक्र - मंगल - शुक्र		शुक्र - मंगल - सूर्य		शुक्र - मंगल - चंद्र	
29/02/2032 00:22		24/03/2032 20:56		03/06/2032 21:26		25/06/2032 04:47	
24/03/2032 20:56		03/06/2032 21:26		25/06/2032 04:47		30/07/2032 17:02	
केतु	01/03/2032 11:10	शुक्र	05/04/2032 17:01	सूर्य	04/06/2032 23:00	चंद्र	28/06/2032 03:48
शुक्र	05/03/2032 14:35	सूर्य	09/04/2032 06:15	चंद्र	06/06/2032 17:37	मंगल	30/06/2032 05:31
सूर्य	06/03/2032 20:25	चंद्र	15/04/2032 04:17	मंगल	07/06/2032 23:27	राहु	05/07/2032 13:22
चंद्र	08/03/2032 22:08	मंगल	19/04/2032 07:43	राहु	11/06/2032 04:09	गुरु	10/07/2032 07:00
मंगल	10/03/2032 08:56	राहु	29/04/2032 23:23	गुरु	14/06/2032 00:20	शनि	15/07/2032 21:56
राहु	14/03/2032 02:25	गुरु	09/05/2032 10:39	शनि	17/06/2032 09:18	बुध	20/07/2032 22:40
गुरु	17/03/2032 09:58	शनि	20/05/2032 16:32	बुध	20/06/2032 09:44	केतु	23/07/2032 00:23
शनि	21/03/2032 08:25	बुध	30/05/2032 18:00	केतु	21/06/2032 15:34	शुक्र	28/07/2032 22:25
बुध	24/03/2032 20:56	केतु	03/06/2032 21:26	शुक्र	25/06/2032 04:47	सूर्य	30/07/2032 17:02

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - राहु - राहु	
30/07/2032 17:02	
11/01/2033 01:44	
राहु	24/08/2032 08:45
गुरु	15/09/2032 06:42
शनि	11/10/2032 07:17
बुध	03/11/2032 14:07
केतु	13/11/2032 04:13
शुक्र	10/12/2032 13:40
सूर्य	18/12/2032 18:54
चंद्र	01/01/2033 11:38
मंगल	11/01/2033 01:44

शुक्र - राहु - गुरु	
11/01/2033 01:44	
06/06/2033 04:08	
गुरु	30/01/2033 13:15
शनि	22/02/2033 16:26
बुध	15/03/2033 09:11
केतु	23/03/2033 21:43
शुक्र	17/04/2033 06:07
सूर्य	24/04/2033 13:26
चंद्र	06/05/2033 17:38
मंगल	15/05/2033 06:11
राहु	06/06/2033 04:08

शुक्र - राहु - शनि	
06/06/2033 04:08	
26/11/2033 15:59	
शनि	03/07/2033 15:25
बुध	28/07/2033 05:18
केतु	07/08/2033 08:11
शुक्र	05/09/2033 06:10
सूर्य	13/09/2033 22:21
चंद्र	28/09/2033 09:20
मंगल	08/10/2033 12:14
राहु	03/11/2033 12:48
गुरु	26/11/2033 15:59

शुक्र - राहु - बुध	
26/11/2033 15:59	
30/04/2034 21:32	
बुध	18/12/2033 15:46
केतु	27/12/2033 17:06
शुक्र	22/01/2034 14:01
सूर्य	30/01/2034 08:18
चंद्र	12/02/2034 06:46
मंगल	21/02/2034 08:05
राहु	16/03/2034 14:55
गुरु	06/04/2034 07:40
शनि	30/04/2034 21:32

शुक्र - राहु - केतु	
30/04/2034 21:32	
03/07/2034 19:35	
केतु	04/05/2034 15:01
शुक्र	15/05/2034 06:42
सूर्य	18/05/2034 11:24
चंद्र	23/05/2034 19:14
मंगल	27/05/2034 12:43
राहु	06/06/2034 02:50
गुरु	14/06/2034 15:22
शनि	24/06/2034 18:16
बुध	03/07/2034 19:35

शुक्र - राहु - शुक्र	
03/07/2034 19:35	
02/01/2035 10:35	
शुक्र	03/08/2034 06:05
सूर्य	12/08/2034 09:14
चंद्र	27/08/2034 14:29
मंगल	07/09/2034 06:10
राहु	04/10/2034 15:37
गुरु	29/10/2034 00:01
शनि	26/11/2034 21:59
बुध	22/12/2034 18:55
केतु	02/01/2035 10:35

शुक्र - राहु - सूर्य	
02/01/2035 10:35	
26/02/2035 05:29	
सूर्य	05/01/2035 04:20
चंद्र	09/01/2035 17:54
मंगल	12/01/2035 22:37
राहु	21/01/2035 03:51
गुरु	28/01/2035 11:10
शनि	06/02/2035 03:21
बुध	13/02/2035 21:38
केतु	17/02/2035 02:20
शुक्र	26/02/2035 05:29

शुक्र - राहु - चंद्र	
26/02/2035 05:29	
28/05/2035 12:59	
चंद्र	05/03/2035 20:07
मंगल	11/03/2035 03:57
राहु	24/03/2035 20:40
गुरु	06/04/2035 00:52
शनि	20/04/2035 11:52
बुध	03/05/2035 10:19
केतु	08/05/2035 18:10
शुक्र	23/05/2035 23:25
सूर्य	28/05/2035 12:59

शुक्र - राहु - मंगल	
28/05/2035 12:59	
31/07/2035 11:02	
मंगल	01/06/2035 06:28
राहु	10/06/2035 20:35
गुरु	19/06/2035 09:07
शनि	29/06/2035 12:01
बुध	08/07/2035 13:20
केतु	12/07/2035 06:49
शुक्र	22/07/2035 22:30
सूर्य	26/07/2035 03:12
चंद्र	31/07/2035 11:02

शुक्र - गुरु - गुरु	
31/07/2035 11:02	
08/12/2035 07:50	
गुरु	17/08/2035 18:37
शनि	07/09/2035 08:06
बुध	25/09/2035 17:39
केतु	03/10/2035 07:28
शुक्र	24/10/2035 22:56
सूर्य	31/10/2035 10:46
चंद्र	11/11/2035 06:30
मंगल	18/11/2035 20:19
राहु	08/12/2035 07:50

शुक्र - गुरु - शनि	
08/12/2035 07:50	
10/05/2036 13:02	
शनि	01/01/2036 17:52
बुध	23/01/2036 14:12
केतु	01/02/2036 14:06
शुक्र	27/02/2036 06:58
सूर्य	06/03/2036 00:02
चंद्र	18/03/2036 20:28
मंगल	27/03/2036 20:22
राहु	19/04/2036 23:33
गुरु	10/05/2036 13:02

शुक्र - गुरु - बुध	
10/05/2036 13:02	
25/09/2036 12:38	
बुध	30/05/2036 02:11
केतु	07/06/2036 03:21
शुक्र	30/06/2036 03:17
सूर्य	07/07/2036 00:52
चंद्र	18/07/2036 12:50
मंगल	26/07/2036 14:01
राहु	16/08/2036 06:45
गुरु	03/09/2036 16:18
शनि	25/09/2036 12:38

विंशोत्तरी दशा - प्राण

शुक्र - शुक्र - शुक्र - गुरु	
11/09/2025 05:37	
08/10/2025 06:57	
गुरु	14/09/2025 20:12
शनि	19/09/2025 03:01
बुध	22/09/2025 23:00
केतु	24/09/2025 12:53
शुक्र	29/09/2025 01:06
सूर्य	30/09/2025 09:34
चंद्र	02/10/2025 15:41
मंगल	04/10/2025 05:33
राहु	08/10/2025 06:57

शुक्र - शुक्र - शुक्र - शनि	
08/10/2025 06:57	
09/11/2025 10:02	
शनि	13/10/2025 09:03
बुध	17/10/2025 22:17
केतु	19/10/2025 19:16
शुक्र	25/10/2025 03:46
सूर्य	26/10/2025 18:20
चंद्र	29/10/2025 10:35
मंगल	31/10/2025 07:34
राहु	05/11/2025 03:14
गुरु	09/11/2025 10:02

शुक्र - शुक्र - शुक्र - बुध	
09/11/2025 10:02	
08/12/2025 03:57	
बुध	13/11/2025 11:47
केतु	15/11/2025 04:01
शुक्र	19/11/2025 23:00
सूर्य	21/11/2025 09:30
चंद्र	23/11/2025 19:00
मंगल	25/11/2025 11:14
राहु	29/11/2025 18:44
गुरु	03/12/2025 14:43
शनि	08/12/2025 03:57

शुक्र - शुक्र - शुक्र - केतु	
08/12/2025 03:57	
20/12/2025 00:02	
केतु	08/12/2025 20:32
शुक्र	10/12/2025 19:52
सूर्य	11/12/2025 10:05
चंद्र	12/12/2025 09:45
मंगल	13/12/2025 02:19
राहु	14/12/2025 20:56
गुरु	16/12/2025 10:49
शनि	18/12/2025 07:48
बुध	20/12/2025 00:02

शुक्र - शुक्र - सूर्य - सूर्य	
20/12/2025 00:02	
23/12/2025 01:05	
सूर्य	20/12/2025 03:41
चंद्र	20/12/2025 09:47
मंगल	20/12/2025 14:02
राहु	21/12/2025 01:00
गुरु	21/12/2025 10:44
शनि	21/12/2025 22:18
बुध	22/12/2025 08:39
केतु	22/12/2025 12:55
शुक्र	23/12/2025 01:05

शुक्र - शुक्र - सूर्य - चंद्र	
23/12/2025 01:05	
28/12/2025 02:50	
चंद्र	23/12/2025 11:14
मंगल	23/12/2025 18:20
राहु	24/12/2025 12:36
गुरु	25/12/2025 04:50
शनि	26/12/2025 00:06
बुध	26/12/2025 17:21
केतु	27/12/2025 00:27
शुक्र	27/12/2025 20:45
सूर्य	28/12/2025 02:50

शुक्र - शुक्र - सूर्य - मंगल	
28/12/2025 02:50	
31/12/2025 16:04	
मंगल	28/12/2025 07:49
राहु	28/12/2025 20:36
गुरु	29/12/2025 07:57
शनि	29/12/2025 21:27
बुध	30/12/2025 09:31
केतु	30/12/2025 14:30
शुक्र	31/12/2025 04:42
सूर्य	31/12/2025 08:58
चंद्र	31/12/2025 16:04

शुक्र - शुक्र - सूर्य - राहु	
31/12/2025 16:04	
09/01/2026 19:13	
राहु	02/01/2026 00:56
गुरु	03/01/2026 06:09
शनि	04/01/2026 16:51
बुध	05/01/2026 23:54
केतु	06/01/2026 12:41
शुक्र	08/01/2026 01:13
सूर्य	08/01/2026 12:10
चंद्र	09/01/2026 06:26
मंगल	09/01/2026 19:13

शुक्र - शुक्र - सूर्य - गुरु	
09/01/2026 19:13	
17/01/2026 22:01	
गुरु	10/01/2026 21:11
शनि	12/01/2026 04:02
बुध	13/01/2026 07:38
केतु	13/01/2026 18:59
शुक्र	15/01/2026 03:27
सूर्य	15/01/2026 13:12
चंद्र	16/01/2026 05:26
मंगल	16/01/2026 16:48
राहु	17/01/2026 22:01

शुक्र - शुक्र - सूर्य - शनि	
17/01/2026 22:01	
27/01/2026 13:20	
शनि	19/01/2026 10:38
बुध	20/01/2026 19:25
केतु	21/01/2026 08:54
शुक्र	22/01/2026 23:27
सूर्य	23/01/2026 11:01
चंद्र	24/01/2026 06:18
मंगल	24/01/2026 19:48
राहु	26/01/2026 06:30
गुरु	27/01/2026 13:20

शुक्र - शुक्र - सूर्य - बुध	
27/01/2026 13:20	
05/02/2026 04:19	
बुध	28/01/2026 18:40
केतु	29/01/2026 06:44
शुक्र	30/01/2026 17:14
सूर्य	31/01/2026 03:35
चंद्र	31/01/2026 20:49
मंगल	01/02/2026 08:54
राहु	02/02/2026 15:57
गुरु	03/02/2026 19:32
शनि	05/02/2026 04:19

शुक्र - शुक्र - सूर्य - केतु	
05/02/2026 04:19	
08/02/2026 17:32	
केतु	05/02/2026 09:17
शुक्र	05/02/2026 23:29
सूर्य	06/02/2026 03:45
चंद्र	06/02/2026 10:51
मंगल	06/02/2026 15:49
राहु	07/02/2026 04:36
गुरु	07/02/2026 15:58
शनि	08/02/2026 05:28
बुध	08/02/2026 17:32

विंशोत्तरी दशा - प्राण

शुक्र - शुक्र - सूर्य - शुक्र	
08/02/2026 17:32	
18/02/2026 21:02	
शुक्र	10/02/2026 10:07
सूर्य	10/02/2026 22:18
चंद्र	11/02/2026 18:35
मंगल	12/02/2026 08:47
राहु	13/02/2026 21:19
गुरु	15/02/2026 05:47
शनि	16/02/2026 20:20
बुध	18/02/2026 06:50
केतु	18/02/2026 21:02

शुक्र - शुक्र - चंद्र - चंद्र	
18/02/2026 21:02	
27/02/2026 07:57	
चंद्र	19/02/2026 13:57
मंगल	20/02/2026 01:47
राहु	21/02/2026 08:13
गुरु	22/02/2026 11:17
शनि	23/02/2026 19:24
बुध	25/02/2026 00:09
केतु	25/02/2026 11:59
शुक्र	26/02/2026 21:48
सूर्य	27/02/2026 07:57

शुक्र - शुक्र - चंद्र - मंगल	
27/02/2026 07:57	
05/03/2026 06:00	
मंगल	27/02/2026 16:14
राहु	28/02/2026 13:33
गुरु	01/03/2026 08:29
शनि	02/03/2026 06:58
बुध	03/03/2026 03:06
केतु	03/03/2026 11:23
शुक्र	04/03/2026 11:03
सूर्य	04/03/2026 18:10
चंद्र	05/03/2026 06:00

शुक्र - शुक्र - चंद्र - राहु	
05/03/2026 06:00	
20/03/2026 11:15	
राहु	07/03/2026 12:47
गुरु	09/03/2026 13:29
शनि	11/03/2026 23:19
बुध	14/03/2026 03:03
केतु	15/03/2026 00:22
शुक्र	17/03/2026 13:14
सूर्य	18/03/2026 07:30
चंद्र	19/03/2026 13:56
मंगल	20/03/2026 11:15

शुक्र - शुक्र - चंद्र - गुरु	
20/03/2026 11:15	
02/04/2026 23:55	
गुरु	22/03/2026 06:32
शनि	24/03/2026 09:56
बुध	26/03/2026 07:56
केतु	27/03/2026 02:52
शुक्र	29/03/2026 08:59
सूर्य	30/03/2026 01:13
चंद्र	31/03/2026 04:16
मंगल	31/03/2026 23:13
राहु	02/04/2026 23:55

शुक्र - शुक्र - चंद्र - शनि	
02/04/2026 23:55	
19/04/2026 01:27	
शनि	05/04/2026 12:57
बुध	07/04/2026 19:34
केतु	08/04/2026 18:04
शुक्र	11/04/2026 10:19
सूर्य	12/04/2026 05:36
चंद्र	13/04/2026 13:44
मंगल	14/04/2026 12:13
राहु	16/04/2026 22:03
गुरु	19/04/2026 01:27

शुक्र - शुक्र - चंद्र - बुध	
19/04/2026 01:27	
03/05/2026 10:25	
बुध	21/04/2026 02:19
केतु	21/04/2026 22:27
शुक्र	24/04/2026 07:56
सूर्य	25/04/2026 01:11
चंद्र	26/04/2026 05:56
मंगल	27/04/2026 02:03
राहु	29/04/2026 05:48
गुरु	01/05/2026 03:48
शनि	03/05/2026 10:25

शुक्र - शुक्र - चंद्र - केतु	
03/05/2026 10:25	
09/05/2026 08:27	
केतु	03/05/2026 18:42
शुक्र	04/05/2026 18:22
सूर्य	05/05/2026 01:28
चंद्र	05/05/2026 13:19
मंगल	05/05/2026 21:36
राहु	06/05/2026 18:54
गुरु	07/05/2026 13:50
शनि	08/05/2026 12:20
बुध	09/05/2026 08:27

शुक्र - शुक्र - चंद्र - शुक्र	
09/05/2026 08:27	
26/05/2026 06:17	
शुक्र	12/05/2026 04:06
सूर्य	13/05/2026 00:23
चंद्र	14/05/2026 10:12
मंगल	15/05/2026 09:53
राहु	17/05/2026 22:45
गुरु	20/05/2026 04:52
शनि	22/05/2026 21:07
बुध	25/05/2026 06:37
केतु	26/05/2026 06:17

शुक्र - शुक्र - चंद्र - सूर्य	
26/05/2026 06:17	
31/05/2026 08:02	
सूर्य	26/05/2026 12:22
चंद्र	26/05/2026 22:31
मंगल	27/05/2026 05:37
राहु	27/05/2026 23:53
गुरु	28/05/2026 16:07
शनि	29/05/2026 11:24
बुध	30/05/2026 04:39
केतु	30/05/2026 11:45
शुक्र	31/05/2026 08:02

शुक्र - शुक्र - मंगल - मंगल	
31/05/2026 08:02	
04/06/2026 11:28	
मंगल	31/05/2026 13:50
राहु	01/06/2026 04:45
गुरु	01/06/2026 18:01
शनि	02/06/2026 09:45
बुध	02/06/2026 23:50
केतु	03/06/2026 05:38
शुक्र	03/06/2026 22:13
सूर्य	04/06/2026 03:11
चंद्र	04/06/2026 11:28

शुक्र - शुक्र - मंगल - राहु	
04/06/2026 11:28	
15/06/2026 03:08	
राहु	06/06/2026 01:49
गुरु	07/06/2026 11:54
शनि	09/06/2026 04:23
बुध	10/06/2026 16:37
केतु	11/06/2026 07:31
शुक्र	13/06/2026 02:08
सूर्य	13/06/2026 14:55
चंद्र	14/06/2026 12:14
मंगल	15/06/2026 03:08

षोडशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 7 मास 8 दिन

सूर्य 11 वर्ष		मंगल 12 वर्ष		गुरु 13 वर्ष		शनि 14 वर्ष		केतु 15 वर्ष	
20/08/1998		29/03/2000		29/03/2012		30/03/2025		30/03/2039	
29/03/2000		29/03/2012		30/03/2025		30/03/2039		30/03/2054	
	00/00/0000	मंगल	26/06/2001	गुरु	13/09/2013	शनि	07/12/2026	केतु	08/03/2041
	00/00/0000	गुरु	30/10/2002	शनि	09/04/2015	केतु	28/09/2028	चंद्र	02/04/2043
	00/00/0000	शनि	11/04/2004	केतु	13/12/2016	चंद्र	03/09/2030	बुध	13/06/2045
	00/00/0000	केतु	30/10/2005	चंद्र	29/09/2018	बुध	22/09/2032	शुक्र	11/10/2047
	00/00/0000	चंद्र	26/06/2007	बुध	24/08/2020	शुक्र	24/11/2034	सूर्य	14/03/2049
	00/00/0000	बुध	30/03/2009	शुक्र	31/08/2022	सूर्य	23/03/2036	मंगल	02/10/2050
	20/08/1998	शुक्र	08/02/2011	सूर्य	25/11/2023	मंगल	03/09/2037	गुरु	07/06/2052
शुक्र	29/03/2000	सूर्य	29/03/2012	मंगल	30/03/2025	गुरु	30/03/2039	शनि	30/03/2054

चंद्र 16 वर्ष		बुध 17 वर्ष		शुक्र 18 वर्ष		सूर्य 11 वर्ष	
30/03/2054		30/03/2070		30/03/2087		31/03/2105	
30/03/2070		30/03/2087		31/03/2105		21/08/2114	
चंद्र	13/06/2056	बुध	25/09/2072	शुक्र	13/01/2090	सूर्य	16/04/2106
बुध	18/10/2058	शुक्र	16/05/2075	सूर्य	29/09/2091	मंगल	05/06/2107
शुक्र	11/04/2061	सूर्य	25/12/2076	मंगल	09/08/2093	गुरु	29/08/2108
सूर्य	18/10/2062	मंगल	29/09/2078	गुरु	16/08/2095	शनि	27/12/2109
मंगल	13/06/2064	गुरु	24/08/2080	शनि	17/10/2097	केतु	30/05/2111
गुरु	30/03/2066	शनि	13/09/2082	केतु	14/02/2100	चंद्र	04/12/2112
शनि	04/03/2068	केतु	24/11/2084	चंद्र	10/08/2102	बुध	16/07/2114
केतु	30/03/2070	चंद्र	30/03/2087	बुध	31/03/2105	शुक्र	21/08/2114

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
षोडशोत्तरी दशा पूरे 116 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - शुक्र		मंगल - मंगल		मंगल - गुरु		मंगल - शनि		मंगल - केतु	
20/08/1998		29/03/2000		26/06/2001		30/10/2002		11/04/2004	
29/03/2000		26/06/2001		30/10/2002		11/04/2004		30/10/2005	
शुक्र	20/10/1998	मंगल	15/05/2000	गुरु	20/08/2001	शनि	02/01/2003	केतु	23/06/2004
सूर्य	18/12/1998	गुरु	05/07/2000	शनि	18/10/2001	केतु	11/03/2003	चंद्र	10/09/2004
मंगल	20/02/1999	शनि	29/08/2000	केतु	21/12/2001	चंद्र	23/05/2003	बुध	02/12/2004
गुरु	01/05/1999	केतु	27/10/2000	चंद्र	26/02/2002	बुध	09/08/2003	शुक्र	28/02/2005
शनि	16/07/1999	चंद्र	28/12/2000	बुध	09/05/2002	शुक्र	30/10/2003	सूर्य	22/04/2005
केतु	04/10/1999	बुध	05/03/2001	शुक्र	25/07/2002	सूर्य	19/12/2003	मंगल	20/06/2005
चंद्र	29/12/1999	शुक्र	14/05/2001	सूर्य	09/09/2002	मंगल	12/02/2004	गुरु	22/08/2005
बुध	29/03/2000	सूर्य	26/06/2001	मंगल	30/10/2002	गुरु	11/04/2004	शनि	30/10/2005

मंगल - चंद्र		मंगल - बुध		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य		गुरु - गुरु	
30/10/2005		26/06/2007		30/03/2009		08/02/2011		29/03/2012	
26/06/2007		30/03/2009		08/02/2011		29/03/2012		13/09/2013	
चंद्र	21/01/2006	बुध	29/09/2007	शुक्र	13/07/2009	सूर्य	19/03/2011	गुरु	28/05/2012
बुध	20/04/2006	शुक्र	06/01/2008	सूर्य	16/09/2009	मंगल	01/05/2011	शनि	31/07/2012
शुक्र	23/07/2006	सूर्य	07/03/2008	मंगल	25/11/2009	गुरु	17/06/2011	केतु	08/10/2012
सूर्य	18/09/2006	मंगल	13/05/2008	गुरु	09/02/2010	शनि	06/08/2011	चंद्र	21/12/2012
मंगल	20/11/2006	गुरु	24/07/2008	शनि	02/05/2010	केतु	29/09/2011	बुध	09/03/2013
गुरु	26/01/2007	शनि	09/10/2008	केतु	29/07/2010	चंद्र	25/11/2011	शुक्र	30/05/2013
शनि	09/04/2007	केतु	31/12/2008	चंद्र	31/10/2010	बुध	25/01/2012	सूर्य	20/07/2013
केतु	26/06/2007	चंद्र	30/03/2009	बुध	08/02/2011	शुक्र	29/03/2012	मंगल	13/09/2013

गुरु - शनि		गुरु - केतु		गुरु - चंद्र		गुरु - बुध		गुरु - शुक्र	
13/09/2013		09/04/2015		13/12/2016		29/09/2018		24/08/2020	
09/04/2015		13/12/2016		29/09/2018		24/08/2020		31/08/2022	
शनि	21/11/2013	केतु	27/06/2015	चंद्र	13/03/2017	बुध	09/01/2019	शुक्र	17/12/2020
केतु	03/02/2014	चंद्र	20/09/2015	बुध	17/06/2017	शुक्र	27/04/2019	सूर्य	25/02/2021
चंद्र	23/04/2014	बुध	19/12/2015	शुक्र	27/09/2017	सूर्य	02/07/2019	मंगल	12/05/2021
बुध	16/07/2014	शुक्र	23/03/2016	सूर्य	28/11/2017	मंगल	12/09/2019	गुरु	02/08/2021
शुक्र	13/10/2014	सूर्य	20/05/2016	मंगल	03/02/2018	गुरु	29/11/2019	शनि	30/10/2021
सूर्य	06/12/2014	मंगल	23/07/2016	गुरु	18/04/2018	शनि	21/02/2020	केतु	03/02/2022
मंगल	03/02/2015	गुरु	30/09/2016	शनि	06/07/2018	केतु	20/05/2020	चंद्र	15/05/2022
गुरु	09/04/2015	शनि	13/12/2016	केतु	29/09/2018	चंद्र	24/08/2020	बुध	31/08/2022

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - सूर्य		गुरु - मंगल		शनि - शनि		शनि - केतु		शनि - चंद्र	
31/08/2022		25/11/2023		30/03/2025		07/12/2026		28/09/2028	
25/11/2023		30/03/2025		07/12/2026		28/09/2028		03/09/2030	
सूर्य	13/10/2022	मंगल	14/01/2024	शनि	12/06/2025	केतु	02/03/2027	चंद्र	03/01/2029
मंगल	29/11/2022	गुरु	09/03/2024	केतु	31/08/2025	चंद्र	02/06/2027	बुध	17/04/2029
गुरु	18/01/2023	शनि	08/05/2024	चंद्र	24/11/2025	बुध	06/09/2027	शुक्र	04/08/2029
शनि	13/03/2023	केतु	10/07/2024	बुध	23/02/2026	शुक्र	18/12/2027	सूर्य	10/10/2029
केतु	11/05/2023	चंद्र	16/09/2024	शुक्र	29/05/2026	सूर्य	19/02/2028	मंगल	22/12/2029
चंद्र	12/07/2023	बुध	27/11/2024	सूर्य	27/07/2026	मंगल	27/04/2028	गुरु	11/03/2030
बुध	16/09/2023	शुक्र	11/02/2025	मंगल	29/09/2026	गुरु	10/07/2028	शनि	04/06/2030
शुक्र	25/11/2023	सूर्य	30/03/2025	गुरु	07/12/2026	शनि	28/09/2028	केतु	03/09/2030

शनि - बुध		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - मंगल		शनि - गुरु	
03/09/2030		22/09/2032		24/11/2034		23/03/2036		03/09/2037	
22/09/2032		24/11/2034		23/03/2036		03/09/2037		30/03/2039	
बुध	22/12/2030	शुक्र	23/01/2033	सूर्य	09/01/2035	मंगल	17/05/2036	गुरु	06/11/2037
शुक्र	18/04/2031	सूर्य	08/04/2033	मंगल	28/02/2035	गुरु	15/07/2036	शनि	15/01/2038
सूर्य	28/06/2031	मंगल	29/06/2033	गुरु	24/04/2035	शनि	17/09/2036	केतु	30/03/2038
मंगल	13/09/2031	गुरु	26/09/2033	शनि	21/06/2035	केतु	24/11/2036	चंद्र	17/06/2038
गुरु	06/12/2031	शनि	31/12/2033	केतु	23/08/2035	चंद्र	05/02/2037	बुध	09/09/2038
शनि	06/03/2032	केतु	13/04/2034	चंद्र	29/10/2035	बुध	24/04/2037	शुक्र	07/12/2038
केतु	10/06/2032	चंद्र	31/07/2034	बुध	08/01/2036	शुक्र	15/07/2037	सूर्य	30/01/2039
चंद्र	22/09/2032	बुध	24/11/2034	शुक्र	23/03/2036	सूर्य	03/09/2037	मंगल	30/03/2039

केतु - केतु		केतु - चंद्र		केतु - बुध		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य	
30/03/2039		08/03/2041		02/04/2043		13/06/2045		11/10/2047	
08/03/2041		02/04/2043		13/06/2045		11/10/2047		14/03/2049	
केतु	30/06/2039	चंद्र	20/06/2041	बुध	29/07/2043	शुक्र	23/10/2045	सूर्य	30/11/2047
चंद्र	06/10/2039	बुध	09/10/2041	शुक्र	01/12/2043	सूर्य	12/01/2046	मंगल	22/01/2048
बुध	17/01/2040	शुक्र	03/02/2042	सूर्य	15/02/2044	मंगल	10/04/2046	गुरु	21/03/2048
शुक्र	06/05/2040	सूर्य	16/04/2042	मंगल	08/05/2044	गुरु	14/07/2046	शनि	22/05/2048
सूर्य	13/07/2040	मंगल	03/07/2042	गुरु	06/08/2044	शनि	25/10/2046	केतु	29/07/2048
मंगल	24/09/2040	गुरु	25/09/2042	शनि	11/11/2044	केतु	12/02/2047	चंद्र	08/10/2048
गुरु	12/12/2040	शनि	26/12/2042	केतु	23/02/2045	चंद्र	09/06/2047	बुध	23/12/2048
शनि	08/03/2041	केतु	02/04/2043	चंद्र	13/06/2045	बुध	11/10/2047	शुक्र	14/03/2049

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - मंगल		केतु - गुरु		केतु - शनि		चंद्र - चंद्र		चंद्र - बुध	
14/03/2049		02/10/2050		07/06/2052		30/03/2054		13/06/2056	
02/10/2050		07/06/2052		30/03/2054		13/06/2056		18/10/2058	
मंगल	12/05/2049	गुरु	10/12/2050	शनि	26/08/2052	चंद्र	19/07/2054	बुध	17/10/2056
गुरु	14/07/2049	शनि	22/02/2051	केतु	19/11/2052	बुध	14/11/2054	शुक्र	26/02/2057
शनि	21/09/2049	केतु	12/05/2051	चंद्र	18/02/2053	शुक्र	19/03/2055	सूर्य	19/05/2057
केतु	03/12/2049	चंद्र	05/08/2051	बुध	26/05/2053	सूर्य	04/06/2055	मंगल	15/08/2057
चंद्र	19/02/2050	बुध	03/11/2051	शुक्र	06/09/2053	मंगल	26/08/2055	गुरु	19/11/2057
बुध	13/05/2050	शुक्र	06/02/2052	सूर्य	07/11/2053	गुरु	25/11/2055	शनि	03/03/2058
शुक्र	09/08/2050	सूर्य	04/04/2052	मंगल	15/01/2054	शनि	01/03/2056	केतु	21/06/2058
सूर्य	02/10/2050	मंगल	07/06/2052	गुरु	30/03/2054	केतु	13/06/2056	चंद्र	18/10/2058

चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		चंद्र - मंगल		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि	
18/10/2058		11/04/2061		18/10/2062		13/06/2064		30/03/2066	
11/04/2061		18/10/2062		13/06/2064		30/03/2066		04/03/2068	
शुक्र	07/03/2059	सूर्य	03/06/2061	मंगल	19/12/2062	गुरु	25/08/2064	शनि	23/06/2066
सूर्य	01/06/2059	मंगल	30/07/2061	गुरु	25/02/2063	शनि	12/11/2064	केतु	22/09/2066
मंगल	03/09/2059	गुरु	30/09/2061	शनि	09/05/2063	केतु	05/02/2065	चंद्र	29/12/2066
गुरु	14/12/2059	शनि	06/12/2061	केतु	26/07/2063	चंद्र	07/05/2065	बुध	11/04/2067
शनि	01/04/2060	केतु	16/02/2062	चंद्र	17/10/2063	बुध	11/08/2065	शुक्र	29/07/2067
केतु	27/07/2060	चंद्र	03/05/2062	बुध	14/01/2064	शुक्र	20/11/2065	सूर्य	04/10/2067
चंद्र	29/11/2060	बुध	24/07/2062	शुक्र	17/04/2064	सूर्य	21/01/2066	मंगल	16/12/2067
बुध	11/04/2061	शुक्र	18/10/2062	सूर्य	13/06/2064	मंगल	30/03/2066	गुरु	04/03/2068

चंद्र - केतु		बुध - बुध		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - मंगल	
04/03/2068		30/03/2070		25/09/2072		16/05/2075		25/12/2076	
30/03/2070		25/09/2072		16/05/2075		25/12/2076		29/09/2078	
केतु	10/06/2068	बुध	10/08/2070	शुक्र	21/02/2073	सूर्य	11/07/2075	मंगल	02/03/2077
चंद्र	22/09/2068	शुक्र	30/12/2070	सूर्य	24/05/2073	मंगल	10/09/2075	गुरु	13/05/2077
बुध	11/01/2069	सूर्य	26/03/2071	मंगल	01/09/2073	गुरु	15/11/2075	शनि	29/07/2077
शुक्र	08/05/2069	मंगल	28/06/2071	गुरु	17/12/2073	शनि	25/01/2076	केतु	20/10/2077
सूर्य	19/07/2069	गुरु	08/10/2071	शनि	13/04/2074	केतु	10/04/2076	चंद्र	17/01/2078
मंगल	05/10/2069	शनि	26/01/2072	केतु	15/08/2074	चंद्र	01/07/2076	बुध	21/04/2078
गुरु	29/12/2069	केतु	22/05/2072	चंद्र	26/12/2074	बुध	25/09/2076	शुक्र	30/07/2078
शनि	30/03/2070	चंद्र	25/09/2072	बुध	16/05/2075	शुक्र	25/12/2076	सूर्य	29/09/2078

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - गुरु		बुध - शनि		बुध - केतु		बुध - चंद्र		शुक्र - शुक्र	
29/09/2078		24/08/2080		13/09/2082		24/11/2084		30/03/2087	
24/08/2080		13/09/2082		24/11/2084		30/03/2087		13/01/2090	
गुरु	16/12/2078	शनि	23/11/2080	केतु	26/12/2082	चंद्र	22/03/2085	शुक्र	05/09/2087
शनि	10/03/2079	केतु	28/02/2081	चंद्र	15/04/2083	बुध	25/07/2085	सूर्य	10/12/2087
केतु	08/06/2079	चंद्र	11/06/2081	बुध	11/08/2083	शुक्र	05/12/2085	मंगल	25/03/2088
चंद्र	12/09/2079	बुध	29/09/2081	शुक्र	14/12/2083	सूर्य	25/02/2086	गुरु	17/07/2088
बुध	23/12/2079	शुक्र	23/01/2082	सूर्य	28/02/2084	मंगल	24/05/2086	शनि	17/11/2088
शुक्र	09/04/2080	सूर्य	04/04/2082	मंगल	21/05/2084	गुरु	28/08/2086	केतु	29/03/2089
सूर्य	13/06/2080	मंगल	21/06/2082	गुरु	19/08/2084	शनि	09/12/2086	चंद्र	17/08/2089
मंगल	24/08/2080	गुरु	13/09/2082	शनि	24/11/2084	केतु	30/03/2087	बुध	13/01/2090

शुक्र - सूर्य		शुक्र - मंगल		शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - केतु	
13/01/2090		29/09/2091		09/08/2093		16/08/2095		17/10/2097	
29/09/2091		09/08/2093		16/08/2095		17/10/2097		14/02/2100	
सूर्य	14/03/2090	मंगल	08/12/2091	गुरु	31/10/2093	शनि	20/11/2095	केतु	04/02/2098
मंगल	17/05/2090	गुरु	22/02/2092	शनि	27/01/2094	केतु	01/03/2096	चंद्र	01/06/2098
गुरु	26/07/2090	शनि	15/05/2092	केतु	03/05/2094	चंद्र	19/06/2096	बुध	04/10/2098
शनि	09/10/2090	केतु	10/08/2092	चंद्र	12/08/2094	बुध	13/10/2096	शुक्र	13/02/2099
केतु	29/12/2090	चंद्र	12/11/2092	बुध	28/11/2094	शुक्र	13/02/2097	सूर्य	05/05/2099
चंद्र	25/03/2091	बुध	20/02/2093	शुक्र	23/03/2095	सूर्य	29/04/2097	मंगल	01/08/2099
बुध	24/06/2091	शुक्र	05/06/2093	सूर्य	01/06/2095	मंगल	20/07/2097	गुरु	04/11/2099
शुक्र	29/09/2091	सूर्य	09/08/2093	मंगल	16/08/2095	गुरु	17/10/2097	शनि	14/02/2100

शुक्र - चंद्र		शुक्र - बुध		सूर्य - सूर्य		सूर्य - मंगल		सूर्य - गुरु	
14/02/2100		10/08/2102		31/03/2105		16/04/2106		05/06/2107	
10/08/2102		31/03/2105		16/04/2106		05/06/2107		29/08/2108	
चंद्र	19/06/2100	बुध	29/12/2102	सूर्य	06/05/2105	मंगल	29/05/2106	गुरु	26/07/2107
बुध	30/10/2100	शुक्र	28/05/2103	मंगल	14/06/2105	गुरु	14/07/2106	शनि	18/09/2107
शुक्र	20/03/2101	सूर्य	27/08/2103	गुरु	27/07/2105	शनि	02/09/2106	केतु	15/11/2107
सूर्य	14/06/2101	मंगल	05/12/2103	शनि	11/09/2105	केतु	26/10/2106	चंद्र	16/01/2108
मंगल	16/09/2101	गुरु	22/03/2104	केतु	30/10/2105	चंद्र	23/12/2106	बुध	22/03/2108
गुरु	27/12/2101	शनि	16/07/2104	चंद्र	22/12/2105	बुध	21/02/2107	शुक्र	31/05/2108
शनि	15/04/2102	केतु	18/11/2104	बुध	16/02/2106	शुक्र	27/04/2107	सूर्य	13/07/2108
केतु	10/08/2102	चंद्र	31/03/2105	शुक्र	16/04/2106	सूर्य	05/06/2107	मंगल	29/08/2108

त्रिभगी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 1 वर्ष 10 मास 6 दिन

शनि 13 वर्ष		बुध 11 वर्ष		केतु 5 वर्ष		शुक्र 13 वर्ष		सूर्य 4 वर्ष	
20/08/1998		26/06/2000		27/10/2011		26/06/2016		26/10/2029	
26/06/2000		27/10/2011		26/06/2016		26/10/2029		26/10/2033	
	00/00/0000	बुध	03/02/2002	केतु	03/02/2012	शुक्र	16/09/2018	सूर्य	08/01/2030
	00/00/0000	केतु	02/10/2002	शुक्र	13/11/2012	सूर्य	18/05/2019	चंद्र	09/05/2030
	00/00/0000	शुक्र	22/08/2004	सूर्य	07/02/2013	चंद्र	26/06/2020	मंगल	02/08/2030
	00/00/0000	सूर्य	17/03/2005	चंद्र	29/06/2013	मंगल	07/04/2021	राहु	10/03/2031
	00/00/0000	चंद्र	25/02/2006	मंगल	06/10/2013	राहु	07/04/2023	गुरु	20/09/2031
	00/00/0000	मंगल	25/10/2006	राहु	19/06/2014	गुरु	15/01/2025	शनि	09/05/2032
	20/08/1998	राहु	07/07/2008	गुरु	01/02/2015	शनि	25/02/2027	बुध	02/12/2032
राहु	19/10/1998	गुरु	10/01/2010	शनि	29/10/2015	बुध	15/01/2029	केतु	25/02/2033
गुरु	26/06/2000	शनि	27/10/2011	बुध	26/06/2016	केतु	26/10/2029	शुक्र	26/10/2033

चंद्र 7 वर्ष		मंगल 5 वर्ष		राहु 12 वर्ष		गुरु 11 वर्ष		शनि 13 वर्ष	
26/10/2033		26/06/2040		25/02/2045		25/02/2057		27/10/2067	
26/06/2040		25/02/2045		25/02/2057		27/10/2067		00/00/0000	
चंद्र	17/05/2034	मंगल	04/10/2040	राहु	14/12/2046	गुरु	29/07/2058	शनि	28/10/2069
मंगल	06/10/2034	राहु	17/06/2041	गुरु	21/07/2048	शनि	06/04/2060	बुध	15/08/2071
राहु	07/10/2035	गुरु	30/01/2042	शनि	15/06/2050	बुध	10/10/2061	केतु	11/05/2072
गुरु	26/08/2036	शनि	27/10/2042	बुध	26/02/2052	केतु	25/05/2062	शुक्र	21/06/2074
शनि	16/09/2037	बुध	25/06/2043	केतु	07/11/2052	शुक्र	05/03/2064	सूर्य	07/02/2075
बुध	27/08/2038	केतु	03/10/2043	शुक्र	08/11/2054	सूर्य	16/09/2064	चंद्र	28/02/2076
केतु	16/01/2039	शुक्र	13/07/2044	सूर्य	15/06/2055	चंद्र	06/08/2065	मंगल	24/11/2076
शुक्र	26/02/2040	सूर्य	06/10/2044	चंद्र	14/06/2056	मंगल	22/03/2066	राहु	20/08/2078
सूर्य	26/06/2040	चंद्र	25/02/2045	मंगल	25/02/2057	राहु	27/10/2067		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
त्रिभगी दशा पूरे 80 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध		बुध - केतु		बुध - शुक्र	
20/08/1998		19/10/1998		26/06/2000		03/02/2002		02/10/2002	
19/10/1998		26/06/2000		03/02/2002		02/10/2002		22/08/2004	
	00/00/0000	गुरु	09/01/1999	बुध	18/09/2000	केतु	17/02/2002	शुक्र	25/01/2003
	00/00/0000	शनि	17/04/1999	केतु	22/10/2000	शुक्र	29/03/2002	सूर्य	01/03/2003
	00/00/0000	बुध	13/07/1999	शुक्र	27/01/2001	सूर्य	10/04/2002	चंद्र	27/04/2003
	00/00/0000	केतु	18/08/1999	सूर्य	26/02/2001	चंद्र	30/04/2002	मंगल	07/06/2003
	00/00/0000	शुक्र	29/11/1999	चंद्र	16/04/2001	मंगल	15/05/2002	राहु	18/09/2003
	00/00/0000	सूर्य	30/12/1999	मंगल	20/05/2001	राहु	20/06/2002	गुरु	19/12/2003
	20/08/1998	चंद्र	19/02/2000	राहु	16/08/2001	गुरु	22/07/2002	शनि	06/04/2004
चंद्र	08/09/1998	मंगल	26/03/2000	गुरु	02/11/2001	शनि	29/08/2002	बुध	13/07/2004
मंगल	19/10/1998	राहु	26/06/2000	शनि	03/02/2002	बुध	02/10/2002	केतु	22/08/2004

बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		बुध - राहु		बुध - गुरु	
22/08/2004		17/03/2005		25/02/2006		25/10/2006		07/07/2008	
17/03/2005		25/02/2006		25/10/2006		07/07/2008		10/01/2010	
सूर्य	02/09/2004	चंद्र	15/04/2005	मंगल	11/03/2006	राहु	26/01/2007	गुरु	18/09/2008
चंद्र	19/09/2004	मंगल	05/05/2005	राहु	17/04/2006	गुरु	19/04/2007	शनि	15/12/2008
मंगल	01/10/2004	राहु	26/06/2005	गुरु	19/05/2006	शनि	26/07/2007	बुध	03/03/2009
राहु	01/11/2004	गुरु	11/08/2005	शनि	26/06/2006	बुध	22/10/2007	केतु	04/04/2009
गुरु	29/11/2004	शनि	04/10/2005	बुध	30/07/2006	केतु	27/11/2007	शुक्र	05/07/2009
शनि	31/12/2004	बुध	22/11/2005	केतु	13/08/2006	शुक्र	10/03/2008	सूर्य	02/08/2009
बुध	30/01/2005	केतु	12/12/2005	शुक्र	22/09/2006	सूर्य	10/04/2008	चंद्र	17/09/2009
केतु	11/02/2005	शुक्र	08/02/2006	सूर्य	05/10/2006	चंद्र	31/05/2008	मंगल	19/10/2009
शुक्र	17/03/2005	सूर्य	25/02/2006	चंद्र	25/10/2006	मंगल	07/07/2008	राहु	10/01/2010

बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य		केतु - चंद्र	
10/01/2010		27/10/2011		03/02/2012		13/11/2012		07/02/2013	
27/10/2011		03/02/2012		13/11/2012		07/02/2013		29/06/2013	
शनि	23/04/2010	केतु	02/11/2011	शुक्र	22/03/2012	सूर्य	18/11/2012	चंद्र	19/02/2013
बुध	25/07/2010	शुक्र	18/11/2011	सूर्य	05/04/2012	चंद्र	25/11/2012	मंगल	27/02/2013
केतु	01/09/2010	सूर्य	23/11/2011	चंद्र	29/04/2012	मंगल	30/11/2012	राहु	20/03/2013
शुक्र	20/12/2010	चंद्र	02/12/2011	मंगल	15/05/2012	राहु	13/12/2012	गुरु	08/04/2013
सूर्य	21/01/2011	मंगल	07/12/2011	राहु	27/06/2012	गुरु	24/12/2012	शनि	01/05/2013
चंद्र	17/03/2011	राहु	22/12/2011	गुरु	04/08/2012	शनि	06/01/2013	बुध	21/05/2013
मंगल	24/04/2011	गुरु	05/01/2012	शनि	18/09/2012	बुध	19/01/2013	केतु	29/05/2013
राहु	01/08/2011	शनि	20/01/2012	बुध	28/10/2012	केतु	23/01/2013	शुक्र	22/06/2013
गुरु	27/10/2011	बुध	03/02/2012	केतु	13/11/2012	शुक्र	07/02/2013	सूर्य	29/06/2013

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु		केतु - शनि		केतु - बुध	
29/06/2013		06/10/2013		19/06/2014		01/02/2015		29/10/2015	
06/10/2013		19/06/2014		01/02/2015		29/10/2015		26/06/2016	
मंगल	05/07/2013	राहु	14/11/2013	गुरु	19/07/2014	शनि	16/03/2015	बुध	02/12/2015
राहु	19/07/2013	गुरु	18/12/2013	शनि	24/08/2014	बुध	23/04/2015	केतु	16/12/2015
गुरु	02/08/2013	शनि	27/01/2014	बुध	25/09/2014	केतु	09/05/2015	शुक्र	26/01/2016
शनि	17/08/2013	बुध	04/03/2014	केतु	09/10/2014	शुक्र	23/06/2015	सूर्य	07/02/2016
बुध	01/09/2013	केतु	19/03/2014	शुक्र	15/11/2014	सूर्य	06/07/2015	चंद्र	27/02/2016
केतु	06/09/2013	शुक्र	01/05/2014	सूर्य	27/11/2014	चंद्र	29/07/2015	मंगल	12/03/2016
शुक्र	23/09/2013	सूर्य	14/05/2014	चंद्र	16/12/2014	मंगल	14/08/2015	राहु	17/04/2016
सूर्य	28/09/2013	चंद्र	04/06/2014	मंगल	29/12/2014	राहु	23/09/2015	गुरु	19/05/2016
चंद्र	06/10/2013	मंगल	19/06/2014	राहु	01/02/2015	गुरु	29/10/2015	शनि	26/06/2016

शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल		शुक्र - राहु	
26/06/2016		16/09/2018		18/05/2019		26/06/2020		07/04/2021	
16/09/2018		18/05/2019		26/06/2020		07/04/2021		07/04/2023	
शुक्र	09/11/2016	सूर्य	28/09/2018	चंद्र	20/06/2019	मंगल	13/07/2020	राहु	25/07/2021
सूर्य	19/12/2016	चंद्र	19/10/2018	मंगल	14/07/2019	राहु	25/08/2020	गुरु	31/10/2021
चंद्र	25/02/2017	मंगल	02/11/2018	राहु	13/09/2019	गुरु	02/10/2020	शनि	23/02/2022
मंगल	13/04/2017	राहु	08/12/2018	गुरु	06/11/2019	शनि	16/11/2020	बुध	07/06/2022
राहु	13/08/2017	गुरु	10/01/2019	शनि	09/01/2020	बुध	26/12/2020	केतु	19/07/2022
गुरु	29/11/2017	शनि	17/02/2019	बुध	07/03/2020	केतु	11/01/2021	शुक्र	18/11/2022
शनि	07/04/2018	बुध	24/03/2019	केतु	31/03/2020	शुक्र	28/02/2021	सूर्य	25/12/2022
बुध	31/07/2018	केतु	07/04/2019	शुक्र	06/06/2020	सूर्य	14/03/2021	चंद्र	23/02/2023
केतु	16/09/2018	शुक्र	18/05/2019	सूर्य	26/06/2020	चंद्र	07/04/2021	मंगल	07/04/2023

शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध		शुक्र - केतु		सूर्य - सूर्य	
07/04/2023		15/01/2025		25/02/2027		15/01/2029		26/10/2029	
15/01/2025		25/02/2027		15/01/2029		26/10/2029		08/01/2030	
गुरु	03/07/2023	शनि	17/05/2025	बुध	03/06/2027	केतु	01/02/2029	सूर्य	30/10/2029
शनि	13/10/2023	बुध	04/09/2025	केतु	13/07/2027	शुक्र	20/03/2029	चंद्र	05/11/2029
बुध	13/01/2024	केतु	19/10/2025	शुक्र	05/11/2027	सूर्य	04/04/2029	मंगल	09/11/2029
केतु	20/02/2024	शुक्र	24/02/2026	सूर्य	10/12/2027	चंद्र	27/04/2029	राहु	20/11/2029
शुक्र	08/06/2024	सूर्य	04/04/2026	चंद्र	05/02/2028	मंगल	14/05/2029	गुरु	30/11/2029
सूर्य	10/07/2024	चंद्र	07/06/2026	मंगल	17/03/2028	राहु	25/06/2029	शनि	12/12/2029
चंद्र	02/09/2024	मंगल	22/07/2026	राहु	28/06/2028	गुरु	02/08/2029	बुध	22/12/2029
मंगल	10/10/2024	राहु	15/11/2026	गुरु	28/09/2028	शनि	16/09/2029	केतु	26/12/2029
राहु	15/01/2025	गुरु	25/02/2027	शनि	15/01/2029	बुध	26/10/2029	शुक्र	08/01/2030

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि	
08/01/2030		09/05/2030		02/08/2030		10/03/2031		20/09/2031	
09/05/2030		02/08/2030		10/03/2031		20/09/2031		09/05/2032	
चंद्र	18/01/2030	मंगल	14/05/2030	राहु	04/09/2030	गुरु	05/04/2031	शनि	27/10/2031
मंगल	25/01/2030	राहु	27/05/2030	गुरु	04/10/2030	शनि	05/05/2031	बुध	29/11/2031
राहु	12/02/2030	गुरु	07/06/2030	शनि	07/11/2030	बुध	02/06/2031	केतु	12/12/2031
गुरु	28/02/2030	शनि	21/06/2030	बुध	08/12/2030	केतु	13/06/2031	शुक्र	20/01/2032
शनि	20/03/2030	बुध	03/07/2030	केतु	21/12/2030	शुक्र	16/07/2031	सूर्य	31/01/2032
बुध	06/04/2030	केतु	08/07/2030	शुक्र	27/01/2031	सूर्य	26/07/2031	चंद्र	20/02/2032
केतु	13/04/2030	शुक्र	22/07/2030	सूर्य	07/02/2031	चंद्र	11/08/2031	मंगल	04/03/2032
शुक्र	03/05/2030	सूर्य	26/07/2030	चंद्र	25/02/2031	मंगल	22/08/2031	राहु	08/04/2032
सूर्य	09/05/2030	चंद्र	02/08/2030	मंगल	10/03/2031	राहु	20/09/2031	गुरु	09/05/2032

सूर्य - बुध		सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल	
09/05/2032		02/12/2032		25/02/2033		26/10/2033		17/05/2034	
02/12/2032		25/02/2033		26/10/2033		17/05/2034		06/10/2034	
बुध	07/06/2032	केतु	07/12/2032	शुक्र	07/04/2033	चंद्र	12/11/2033	मंगल	26/05/2034
केतु	19/06/2032	शुक्र	21/12/2032	सूर्य	19/04/2033	मंगल	24/11/2033	राहु	16/06/2034
शुक्र	24/07/2032	सूर्य	25/12/2032	चंद्र	09/05/2033	राहु	25/12/2033	गुरु	05/07/2034
सूर्य	03/08/2032	चंद्र	01/01/2033	मंगल	23/05/2033	गुरु	21/01/2034	शनि	27/07/2034
चंद्र	20/08/2032	मंगल	06/01/2033	राहु	29/06/2033	शनि	22/02/2034	बुध	17/08/2034
मंगल	01/09/2032	राहु	19/01/2033	गुरु	31/07/2033	बुध	23/03/2034	केतु	25/08/2034
राहु	02/10/2032	गुरु	30/01/2033	शनि	08/09/2033	केतु	03/04/2034	शुक्र	17/09/2034
गुरु	30/10/2032	शनि	13/02/2033	बुध	12/10/2033	शुक्र	07/05/2034	सूर्य	25/09/2034
शनि	02/12/2032	बुध	25/02/2033	केतु	26/10/2033	सूर्य	17/05/2034	चंद्र	06/10/2034

चंद्र - राहु		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध		चंद्र - केतु	
06/10/2034		07/10/2035		26/08/2036		16/09/2037		27/08/2038	
07/10/2035		26/08/2036		16/09/2037		27/08/2038		16/01/2039	
राहु	30/11/2034	गुरु	19/11/2035	शनि	26/10/2036	बुध	04/11/2037	केतु	04/09/2038
गुरु	18/01/2035	शनि	09/01/2036	बुध	20/12/2036	केतु	24/11/2037	शुक्र	28/09/2038
शनि	17/03/2035	बुध	24/02/2036	केतु	11/01/2037	शुक्र	20/01/2038	सूर्य	05/10/2038
बुध	07/05/2035	केतु	14/03/2036	शुक्र	17/03/2037	सूर्य	07/02/2038	चंद्र	17/10/2038
केतु	29/05/2035	शुक्र	07/05/2036	सूर्य	05/04/2037	चंद्र	07/03/2038	मंगल	25/10/2038
शुक्र	29/07/2035	सूर्य	24/05/2036	चंद्र	07/05/2037	मंगल	27/03/2038	राहु	15/11/2038
सूर्य	16/08/2035	चंद्र	20/06/2036	मंगल	30/05/2037	राहु	18/05/2038	गुरु	04/12/2038
चंद्र	15/09/2035	मंगल	09/07/2036	राहु	26/07/2037	गुरु	03/07/2038	शनि	27/12/2038
मंगल	07/10/2035	राहु	26/08/2036	गुरु	16/09/2037	शनि	27/08/2038	बुध	16/01/2039

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु		मंगल - गुरु	
16/01/2039		26/02/2040		26/06/2040		04/10/2040		17/06/2041	
26/02/2040		26/06/2040		04/10/2040		17/06/2041		30/01/2042	
शुक्र	25/03/2039	सूर्य	03/03/2040	मंगल	02/07/2040	राहु	11/11/2040	गुरु	17/07/2041
सूर्य	14/04/2039	चंद्र	13/03/2040	राहु	17/07/2040	गुरु	15/12/2040	शनि	22/08/2041
चंद्र	18/05/2039	मंगल	20/03/2040	गुरु	30/07/2040	शनि	25/01/2041	बुध	23/09/2041
मंगल	10/06/2039	राहु	07/04/2040	शनि	15/08/2040	बुध	02/03/2041	केतु	06/10/2041
राहु	10/08/2039	गुरु	24/04/2040	बुध	29/08/2040	केतु	17/03/2041	शुक्र	13/11/2041
गुरु	03/10/2039	शनि	13/05/2040	केतु	04/09/2040	शुक्र	29/04/2041	सूर्य	25/11/2041
शनि	07/12/2039	बुध	30/05/2040	शुक्र	21/09/2040	सूर्य	11/05/2041	चंद्र	13/12/2041
बुध	02/02/2040	केतु	06/06/2040	सूर्य	26/09/2040	चंद्र	02/06/2041	मंगल	27/12/2041
केतु	26/02/2040	शुक्र	26/06/2040	चंद्र	04/10/2040	मंगल	17/06/2041	राहु	30/01/2042

मंगल - शनि		मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य	
30/01/2042		27/10/2042		25/06/2043		03/10/2043		13/07/2044	
27/10/2042		25/06/2043		03/10/2043		13/07/2044		06/10/2044	
शनि	14/03/2042	बुध	30/11/2042	केतु	01/07/2043	शुक्र	19/11/2043	सूर्य	17/07/2044
बुध	21/04/2042	केतु	14/12/2042	शुक्र	18/07/2043	सूर्य	03/12/2043	चंद्र	24/07/2044
केतु	07/05/2042	शुक्र	23/01/2043	सूर्य	23/07/2043	चंद्र	27/12/2043	मंगल	29/07/2044
शुक्र	21/06/2042	सूर्य	04/02/2043	चंद्र	31/07/2043	मंगल	12/01/2044	राहु	11/08/2044
सूर्य	04/07/2042	चंद्र	24/02/2043	मंगल	06/08/2043	राहु	24/02/2044	गुरु	22/08/2044
चंद्र	27/07/2042	मंगल	11/03/2043	राहु	21/08/2043	गुरु	02/04/2044	शनि	05/09/2044
मंगल	11/08/2042	राहु	16/04/2043	गुरु	03/09/2043	शनि	17/05/2044	बुध	17/09/2044
राहु	21/09/2042	गुरु	18/05/2043	शनि	19/09/2043	बुध	26/06/2044	केतु	22/09/2044
गुरु	27/10/2042	शनि	25/06/2043	बुध	03/10/2043	केतु	13/07/2044	शुक्र	06/10/2044

मंगल - चंद्र		राहु - राहु		राहु - गुरु		राहु - शनि		राहु - बुध	
06/10/2044		25/02/2045		14/12/2046		21/07/2048		15/06/2050	
25/02/2045		14/12/2046		21/07/2048		15/06/2050		26/02/2052	
चंद्र	18/10/2044	राहु	04/06/2045	गुरु	02/03/2047	शनि	08/11/2048	बुध	11/09/2050
मंगल	26/10/2044	गुरु	30/08/2045	शनि	03/06/2047	बुध	14/02/2049	केतु	17/10/2050
राहु	16/11/2044	शनि	12/12/2045	बुध	25/08/2047	केतु	26/03/2049	शुक्र	28/01/2051
गुरु	05/12/2044	बुध	15/03/2046	केतु	28/09/2047	शुक्र	20/07/2049	सूर्य	01/03/2051
शनि	28/12/2044	केतु	23/04/2046	शुक्र	03/01/2048	सूर्य	24/08/2049	चंद्र	21/04/2051
बुध	17/01/2045	शुक्र	10/08/2046	सूर्य	01/02/2048	चंद्र	21/10/2049	मंगल	27/05/2051
केतु	25/01/2045	सूर्य	12/09/2046	चंद्र	21/03/2048	मंगल	30/11/2049	राहु	29/08/2051
शुक्र	18/02/2045	चंद्र	06/11/2046	मंगल	24/04/2048	राहु	14/03/2050	गुरु	19/11/2051
सूर्य	25/02/2045	मंगल	14/12/2046	राहु	21/07/2048	गुरु	15/06/2050	शनि	26/02/2052

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल	
26/02/2052		07/11/2052		08/11/2054		15/06/2055		14/06/2056	
07/11/2052		08/11/2054		15/06/2055		14/06/2056		25/02/2057	
केतु	12/03/2052	शुक्र	09/03/2053	सूर्य	19/11/2054	चंद्र	15/07/2055	मंगल	29/06/2056
शुक्र	23/04/2052	सूर्य	15/04/2053	चंद्र	07/12/2054	मंगल	06/08/2055	राहु	07/08/2056
सूर्य	06/05/2052	चंद्र	15/06/2053	मंगल	20/12/2054	राहु	30/09/2055	गुरु	10/09/2056
चंद्र	27/05/2052	मंगल	27/07/2053	राहु	22/01/2055	गुरु	17/11/2055	शनि	20/10/2056
मंगल	11/06/2052	राहु	14/11/2053	गुरु	20/02/2055	शनि	14/01/2056	बुध	25/11/2056
राहु	20/07/2052	गुरु	19/02/2054	शनि	27/03/2055	बुध	06/03/2056	केतु	10/12/2056
गुरु	23/08/2052	शनि	15/06/2054	बुध	27/04/2055	केतु	27/03/2056	शुक्र	22/01/2057
शनि	02/10/2052	बुध	26/09/2054	केतु	10/05/2055	शुक्र	27/05/2056	सूर्य	04/02/2057
बुध	07/11/2052	केतु	08/11/2054	शुक्र	15/06/2055	सूर्य	14/06/2056	चंद्र	25/02/2057

गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र	
25/02/2057		29/07/2058		06/04/2060		10/10/2061		25/05/2062	
29/07/2058		06/04/2060		10/10/2061		25/05/2062		05/03/2064	
गुरु	05/05/2057	शनि	04/11/2058	बुध	23/06/2060	केतु	23/10/2061	शुक्र	11/09/2062
शनि	26/07/2057	बुध	30/01/2059	केतु	26/07/2060	शुक्र	30/11/2061	सूर्य	13/10/2062
बुध	08/10/2057	केतु	07/03/2059	शुक्र	26/10/2060	सूर्य	12/12/2061	चंद्र	06/12/2062
केतु	07/11/2057	शुक्र	18/06/2059	सूर्य	22/11/2060	चंद्र	31/12/2061	मंगल	13/01/2063
शुक्र	02/02/2058	सूर्य	19/07/2059	चंद्र	07/01/2061	मंगल	13/01/2062	राहु	21/04/2063
सूर्य	28/02/2058	चंद्र	09/09/2059	मंगल	08/02/2061	राहु	16/02/2062	गुरु	16/07/2063
चंद्र	12/04/2058	मंगल	15/10/2059	राहु	02/05/2061	गुरु	18/03/2062	शनि	27/10/2063
मंगल	13/05/2058	राहु	15/01/2060	गुरु	15/07/2061	शनि	23/04/2062	बुध	27/01/2064
राहु	29/07/2058	गुरु	06/04/2060	शनि	10/10/2061	बुध	25/05/2062	केतु	05/03/2064

गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि	
05/03/2064		16/09/2064		06/08/2065		22/03/2066		27/10/2067	
16/09/2064		06/08/2065		22/03/2066		27/10/2067		28/10/2069	
सूर्य	15/03/2064	चंद्र	13/10/2064	मंगल	20/08/2065	राहु	17/06/2066	शनि	20/02/2068
चंद्र	31/03/2064	मंगल	01/11/2064	राहु	23/09/2065	गुरु	03/09/2066	बुध	03/06/2068
मंगल	11/04/2064	राहु	19/12/2064	गुरु	23/10/2065	शनि	05/12/2066	केतु	15/07/2068
राहु	10/05/2064	गुरु	01/02/2065	शनि	28/11/2065	बुध	25/02/2067	शुक्र	15/11/2068
गुरु	05/06/2064	शनि	24/03/2065	बुध	30/12/2065	केतु	01/04/2067	सूर्य	21/12/2068
शनि	06/07/2064	बुध	09/05/2065	केतु	12/01/2066	शुक्र	07/07/2067	चंद्र	20/02/2069
बुध	03/08/2064	केतु	28/05/2065	शुक्र	19/02/2066	सूर्य	05/08/2067	मंगल	04/04/2069
केतु	14/08/2064	शुक्र	21/07/2065	सूर्य	03/03/2066	चंद्र	23/09/2067	राहु	23/07/2069
शुक्र	16/09/2064	सूर्य	06/08/2065	चंद्र	22/03/2066	मंगल	27/10/2067	गुरु	28/10/2069

अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 3 मास 17 दिन

चंद्र 15 वर्ष		मंगल 8 वर्ष		बुध 17 वर्ष		शनि 10 वर्ष		गुरु 19 वर्ष	
20/08/1998		07/12/2002		07/12/2010		07/12/2027		07/12/2037	
07/12/2002		07/12/2010		07/12/2027		07/12/2037		07/12/2056	
	00/00/0000	मंगल	12/07/2003	बुध	10/08/2013	शनि	10/11/2028	गुरु	11/04/2041
	00/00/0000	बुध	14/10/2004	शनि	08/03/2015	गुरु	14/08/2030	राहु	22/05/2043
	00/00/0000	शनि	11/07/2005	गुरु	05/03/2018	राहु	24/09/2031	शुक्र	30/01/2047
	00/00/0000	गुरु	07/12/2006	राहु	24/01/2020	शुक्र	03/09/2033	सूर्य	20/02/2048
	20/08/1998	राहु	28/10/2007	शुक्र	15/05/2023	सूर्य	25/03/2034	चंद्र	11/10/2050
राहु	08/03/1999	शुक्र	18/05/2009	सूर्य	24/04/2024	चंद्र	14/08/2035	मंगल	08/03/2052
शुक्र	06/02/2002	सूर्य	27/10/2009	चंद्र	03/09/2026	मंगल	11/05/2036	बुध	05/03/2055
सूर्य	07/12/2002	चंद्र	07/12/2010	मंगल	07/12/2027	बुध	07/12/2037	शनि	07/12/2056

राहु 12 वर्ष		शुक्र 21 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 15 वर्ष	
07/12/2056		07/12/2068		07/12/2089		07/12/2095	
07/12/2068		07/12/2089		07/12/2095		00/00/0000	
राहु	08/04/2058	शुक्र	06/01/2073	सूर्य	08/04/2090	चंद्र	06/01/2098
शुक्र	07/08/2060	सूर्य	08/03/2074	चंद्र	06/02/2091	मंगल	16/02/2099
सूर्य	07/04/2061	चंद्र	05/02/2077	मंगल	18/07/2091	बुध	29/06/2101
चंद्र	07/12/2062	मंगल	28/08/2078	बुध	27/06/2092	शनि	18/11/2102
मंगल	28/10/2063	बुध	17/12/2081	शनि	16/01/2093	गुरु	09/07/2105
बुध	17/09/2065	शनि	27/11/2083	गुरु	06/02/2094	राहु	21/08/2106
शनि	28/10/2066	गुरु	08/08/2087	राहु	07/10/2094		00/00/0000
गुरु	07/12/2068	राहु	07/12/2089	शुक्र	07/12/2095		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
अष्टोत्तरी दशा पूरे 108 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - राहु		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - बुध	
20/08/1998		08/03/1999		06/02/2002		07/12/2002		12/07/2003	
08/03/1999		06/02/2002		07/12/2002		12/07/2003		14/10/2004	
	00/00/0000	शुक्र	02/10/1999	सूर्य	23/02/2002	मंगल	23/12/2002	बुध	22/09/2003
	00/00/0000	सूर्य	30/11/1999	चंद्र	06/04/2002	बुध	26/01/2003	शनि	04/11/2003
	00/00/0000	चंद्र	26/04/2000	मंगल	28/04/2002	शनि	15/02/2003	गुरु	23/01/2004
	00/00/0000	मंगल	14/07/2000	बुध	15/06/2002	गुरु	25/03/2003	राहु	15/03/2004
	20/08/1998	बुध	28/12/2000	शनि	14/07/2002	राहु	18/04/2003	शुक्र	12/06/2004
बुध	26/09/1998	शनि	06/04/2001	गुरु	05/09/2002	शुक्र	30/05/2003	सूर्य	08/07/2004
शनि	21/11/1998	गुरु	10/10/2001	राहु	09/10/2002	सूर्य	11/06/2003	चंद्र	09/09/2004
गुरु	08/03/1999	राहु	06/02/2002	शुक्र	07/12/2002	चंद्र	12/07/2003	मंगल	14/10/2004

मंगल - शनि		मंगल - गुरु		मंगल - राहु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य	
14/10/2004		11/07/2005		07/12/2006		28/10/2007		18/05/2009	
11/07/2005		07/12/2006		28/10/2007		18/05/2009		27/10/2009	
शनि	08/11/2004	गुरु	09/10/2005	राहु	12/01/2007	शुक्र	15/02/2008	सूर्य	27/05/2009
गुरु	25/12/2004	राहु	06/12/2005	शुक्र	16/03/2007	सूर्य	18/03/2008	चंद्र	19/06/2009
राहु	24/01/2005	शुक्र	16/03/2006	सूर्य	03/04/2007	चंद्र	05/06/2008	मंगल	01/07/2009
शुक्र	18/03/2005	सूर्य	13/04/2006	चंद्र	18/05/2007	मंगल	17/07/2008	बुध	26/07/2009
सूर्य	02/04/2005	चंद्र	24/06/2006	मंगल	11/06/2007	बुध	14/10/2008	शनि	10/08/2009
चंद्र	09/05/2005	मंगल	01/08/2006	बुध	02/08/2007	शनि	06/12/2008	गुरु	08/09/2009
मंगल	29/05/2005	बुध	21/10/2006	शनि	01/09/2007	गुरु	16/03/2009	राहु	26/09/2009
बुध	11/07/2005	शनि	07/12/2006	गुरु	28/10/2007	राहु	18/05/2009	शुक्र	27/10/2009

मंगल - चंद्र		बुध - बुध		बुध - शनि		बुध - गुरु		बुध - राहु	
27/10/2009		07/12/2010		10/08/2013		08/03/2015		05/03/2018	
07/12/2010		10/08/2013		08/03/2015		05/03/2018		24/01/2020	
चंद्र	23/12/2009	बुध	10/05/2011	शनि	03/10/2013	गुरु	17/09/2015	राहु	20/05/2018
मंगल	22/01/2010	शनि	08/08/2011	गुरु	12/01/2014	राहु	16/01/2016	शुक्र	02/10/2018
बुध	27/03/2010	गुरु	27/01/2012	राहु	17/03/2014	शुक्र	15/08/2016	सूर्य	09/11/2018
शनि	03/05/2010	राहु	15/05/2012	शुक्र	07/07/2014	सूर्य	15/10/2016	चंद्र	13/02/2019
गुरु	14/07/2010	शुक्र	21/11/2012	सूर्य	07/08/2014	चंद्र	16/03/2017	मंगल	05/04/2019
राहु	28/08/2010	सूर्य	14/01/2013	चंद्र	26/10/2014	मंगल	05/06/2017	बुध	22/07/2019
शुक्र	15/11/2010	चंद्र	30/05/2013	मंगल	08/12/2014	बुध	24/11/2017	शनि	24/09/2019
सूर्य	07/12/2010	मंगल	10/08/2013	बुध	08/03/2015	शनि	05/03/2018	गुरु	24/01/2020

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		शनि - शनि	
24/01/2020		15/05/2023		24/04/2024		03/09/2026		07/12/2027	
15/05/2023		24/04/2024		03/09/2026		07/12/2027		10/11/2028	
शुक्र	14/09/2020	सूर्य	03/06/2023	चंद्र	22/08/2024	मंगल	07/10/2026	शनि	08/01/2028
सूर्य	21/11/2020	चंद्र	21/07/2023	मंगल	25/10/2024	बुध	19/12/2026	गुरु	07/03/2028
चंद्र	07/05/2021	मंगल	16/08/2023	बुध	09/03/2025	शनि	30/01/2027	राहु	14/04/2028
मंगल	05/08/2021	बुध	09/10/2023	शनि	28/05/2025	गुरु	21/04/2027	शुक्र	19/06/2028
बुध	11/02/2022	शनि	10/11/2023	गुरु	27/10/2025	राहु	11/06/2027	सूर्य	07/07/2028
शनि	03/06/2022	गुरु	10/01/2024	राहु	31/01/2026	शुक्र	09/09/2027	चंद्र	23/08/2028
गुरु	01/01/2023	राहु	17/02/2024	शुक्र	18/07/2026	सूर्य	04/10/2027	मंगल	17/09/2028
राहु	15/05/2023	शुक्र	24/04/2024	सूर्य	03/09/2026	चंद्र	07/12/2027	बुध	10/11/2028

शनि - गुरु		शनि - राहु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र	
10/11/2028		14/08/2030		24/09/2031		03/09/2033		25/03/2034	
14/08/2030		24/09/2031		03/09/2033		25/03/2034		14/08/2035	
गुरु	03/03/2029	राहु	28/09/2030	शुक्र	09/02/2032	सूर्य	14/09/2033	चंद्र	04/06/2034
राहु	13/05/2029	शुक्र	16/12/2030	सूर्य	20/03/2032	चंद्र	13/10/2033	मंगल	11/07/2034
शुक्र	15/09/2029	सूर्य	08/01/2031	चंद्र	26/06/2032	मंगल	28/10/2033	बुध	29/09/2034
सूर्य	21/10/2029	चंद्र	05/03/2031	मंगल	18/08/2032	बुध	29/11/2033	शनि	15/11/2034
चंद्र	18/01/2030	मंगल	04/04/2031	बुध	08/12/2032	शनि	17/12/2033	गुरु	12/02/2035
मंगल	06/03/2030	बुध	07/06/2031	शनि	11/02/2033	गुरु	22/01/2034	राहु	10/04/2035
बुध	16/06/2030	शनि	15/07/2031	गुरु	16/06/2033	राहु	14/02/2034	शुक्र	17/07/2035
शनि	14/08/2030	गुरु	24/09/2031	राहु	03/09/2033	शुक्र	25/03/2034	सूर्य	14/08/2035

शनि - मंगल		शनि - बुध		गुरु - गुरु		गुरु - राहु		गुरु - शुक्र	
14/08/2035		11/05/2036		07/12/2037		11/04/2041		22/05/2043	
11/05/2036		07/12/2037		11/04/2041		22/05/2043		30/01/2047	
मंगल	03/09/2035	बुध	09/08/2036	गुरु	10/07/2038	राहु	05/07/2041	शुक्र	08/02/2044
बुध	16/10/2035	शनि	02/10/2036	राहु	22/11/2038	शुक्र	02/12/2041	सूर्य	23/04/2044
शनि	10/11/2035	गुरु	11/01/2037	शुक्र	18/07/2039	सूर्य	14/01/2042	चंद्र	28/10/2044
गुरु	28/12/2035	राहु	16/03/2037	सूर्य	24/09/2039	चंद्र	01/05/2042	मंगल	05/02/2045
राहु	27/01/2036	शुक्र	05/07/2037	चंद्र	11/03/2040	मंगल	27/06/2042	बुध	05/09/2045
शुक्र	19/03/2036	सूर्य	06/08/2037	मंगल	10/06/2040	बुध	27/10/2042	शनि	08/01/2046
सूर्य	03/04/2036	चंद्र	25/10/2037	बुध	19/12/2040	शनि	06/01/2043	गुरु	02/09/2046
चंद्र	11/05/2036	मंगल	07/12/2037	शनि	11/04/2041	गुरु	22/05/2043	राहु	30/01/2047

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - बुध		गुरु - शनि	
30/01/2047		20/02/2048		11/10/2050		08/03/2052		05/03/2055	
20/02/2048		11/10/2050		08/03/2052		05/03/2055		07/12/2056	
सूर्य	21/02/2047	चंद्र	03/07/2048	मंगल	18/11/2050	बुध	27/08/2052	शनि	04/05/2055
चंद्र	15/04/2047	मंगल	12/09/2048	बुध	07/02/2051	शनि	06/12/2052	गुरु	25/08/2055
मंगल	14/05/2047	बुध	11/02/2049	शनि	26/03/2051	गुरु	16/06/2053	राहु	04/11/2055
बुध	13/07/2047	शनि	11/05/2049	गुरु	25/06/2051	राहु	15/10/2053	शुक्र	08/03/2056
शनि	18/08/2047	गुरु	28/10/2049	राहु	21/08/2051	शुक्र	16/05/2054	सूर्य	13/04/2056
गुरु	25/10/2047	राहु	12/02/2050	शुक्र	29/11/2051	सूर्य	15/07/2054	चंद्र	11/07/2056
राहु	07/12/2047	शुक्र	18/08/2050	सूर्य	27/12/2051	चंद्र	14/12/2054	मंगल	27/08/2056
शुक्र	20/02/2048	सूर्य	11/10/2050	चंद्र	08/03/2052	मंगल	05/03/2055	बुध	07/12/2056

राहु - राहु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल	
07/12/2056		08/04/2058		07/08/2060		07/04/2061		07/12/2062	
08/04/2058		07/08/2060		07/04/2061		07/12/2062		28/10/2063	
राहु	30/01/2057	शुक्र	20/09/2058	सूर्य	20/08/2060	चंद्र	01/07/2061	मंगल	31/12/2062
शुक्र	04/05/2057	सूर्य	07/11/2058	चंद्र	23/09/2060	मंगल	15/08/2061	बुध	20/02/2063
सूर्य	31/05/2057	चंद्र	05/03/2059	मंगल	11/10/2060	बुध	19/11/2061	शनि	22/03/2063
चंद्र	07/08/2057	मंगल	07/05/2059	बुध	19/11/2060	शनि	14/01/2062	गुरु	18/05/2063
मंगल	12/09/2057	बुध	18/09/2059	शनि	11/12/2060	गुरु	01/05/2062	राहु	24/06/2063
बुध	28/11/2057	शनि	06/12/2059	गुरु	23/01/2061	राहु	08/07/2062	शुक्र	26/08/2063
शनि	12/01/2058	गुरु	04/05/2060	राहु	19/02/2061	शुक्र	03/11/2062	सूर्य	13/09/2063
गुरु	08/04/2058	राहु	07/08/2060	शुक्र	07/04/2061	सूर्य	07/12/2062	चंद्र	28/10/2063

राहु - बुध		राहु - शनि		राहु - गुरु		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य	
28/10/2063		17/09/2065		28/10/2066		07/12/2068		06/01/2073	
17/09/2065		28/10/2066		07/12/2068		06/01/2073		08/03/2074	
बुध	13/02/2064	शनि	24/10/2065	गुरु	12/03/2067	शुक्र	23/09/2069	सूर्य	30/01/2073
शनि	17/04/2064	गुरु	04/01/2066	राहु	06/06/2067	सूर्य	14/12/2069	चंद्र	30/03/2073
गुरु	17/08/2064	राहु	18/02/2066	शुक्र	03/11/2067	चंद्र	10/07/2070	मंगल	30/04/2073
राहु	01/11/2064	शुक्र	08/05/2066	सूर्य	16/12/2067	मंगल	28/10/2070	बुध	07/07/2073
शुक्र	15/03/2065	सूर्य	30/05/2066	चंद्र	01/04/2068	बुध	20/06/2071	शनि	15/08/2073
सूर्य	23/04/2065	चंद्र	26/07/2066	मंगल	28/05/2068	शनि	05/11/2071	गुरु	29/10/2073
चंद्र	28/07/2065	मंगल	25/08/2066	बुध	26/09/2068	गुरु	24/07/2072	राहु	15/12/2073
मंगल	17/09/2065	बुध	28/10/2066	शनि	07/12/2068	राहु	06/01/2073	शुक्र	08/03/2074

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल		शुक्र - बुध		शुक्र - शनि		शुक्र - गुरु	
08/03/2074		05/02/2077		28/08/2078		17/12/2081		27/11/2083	
05/02/2077		28/08/2078		17/12/2081		27/11/2083		08/08/2087	
चंद्र	03/08/2074	मंगल	20/03/2077	बुध	06/03/2079	शनि	21/02/2082	गुरु	22/07/2084
मंगल	21/10/2074	बुध	17/06/2077	शनि	25/06/2079	गुरु	26/06/2082	राहु	19/12/2084
बुध	07/04/2075	शनि	09/08/2077	गुरु	24/01/2080	राहु	13/09/2082	शुक्र	07/09/2085
शनि	14/07/2075	गुरु	17/11/2077	राहु	06/06/2080	शुक्र	29/01/2083	सूर्य	21/11/2085
गुरु	18/01/2076	राहु	19/01/2078	शुक्र	27/01/2081	सूर्य	09/03/2083	चंद्र	27/05/2086
राहु	15/05/2076	शुक्र	09/05/2078	सूर्य	04/04/2081	चंद्र	16/06/2083	मंगल	04/09/2086
शुक्र	08/12/2076	सूर्य	10/06/2078	चंद्र	19/09/2081	मंगल	07/08/2083	बुध	05/04/2087
सूर्य	05/02/2077	चंद्र	28/08/2078	मंगल	17/12/2081	बुध	27/11/2083	शनि	08/08/2087

शुक्र - राहु		सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - बुध	
08/08/2087		07/12/2089		08/04/2090		06/02/2091		18/07/2091	
07/12/2089		08/04/2090		06/02/2091		18/07/2091		27/06/2092	
राहु	10/11/2087	सूर्य	14/12/2089	चंद्र	20/05/2090	मंगल	18/02/2091	बुध	11/09/2091
शुक्र	24/04/2088	चंद्र	31/12/2089	मंगल	11/06/2090	बुध	16/03/2091	शनि	13/10/2091
सूर्य	10/06/2088	मंगल	09/01/2090	बुध	29/07/2090	शनि	31/03/2091	गुरु	12/12/2091
चंद्र	07/10/2088	बुध	28/01/2090	शनि	27/08/2090	गुरु	28/04/2091	राहु	20/01/2092
मंगल	09/12/2088	शनि	08/02/2090	गुरु	19/10/2090	राहु	16/05/2091	शुक्र	27/03/2092
बुध	22/04/2089	गुरु	01/03/2090	राहु	22/11/2090	शुक्र	17/06/2091	सूर्य	15/04/2092
शनि	10/07/2089	राहु	15/03/2090	शुक्र	20/01/2091	सूर्य	26/06/2091	चंद्र	02/06/2092
गुरु	07/12/2089	शुक्र	08/04/2090	सूर्य	06/02/2091	चंद्र	18/07/2091	मंगल	27/06/2092

सूर्य - शनि		सूर्य - गुरु		सूर्य - राहु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र	
27/06/2092		16/01/2093		06/02/2094		07/10/2094		07/12/2095	
16/01/2093		06/02/2094		07/10/2094		07/12/2095		06/01/2098	
शनि	16/07/2092	गुरु	25/03/2093	राहु	05/03/2094	शुक्र	29/12/2094	चंद्र	22/03/2096
गुरु	21/08/2092	राहु	07/05/2093	शुक्र	21/04/2094	सूर्य	22/01/2095	मंगल	17/05/2096
राहु	12/09/2092	शुक्र	21/07/2093	सूर्य	05/05/2094	चंद्र	22/03/2095	बुध	14/09/2096
शुक्र	22/10/2092	सूर्य	11/08/2093	चंद्र	07/06/2094	मंगल	23/04/2095	शनि	24/11/2096
सूर्य	02/11/2092	चंद्र	04/10/2093	मंगल	26/06/2094	बुध	29/06/2095	गुरु	07/04/2097
चंद्र	30/11/2092	मंगल	01/11/2093	बुध	03/08/2094	शनि	07/08/2095	राहु	30/06/2097
मंगल	15/12/2092	बुध	01/01/2094	शनि	25/08/2094	गुरु	21/10/2095	शुक्र	25/11/2097
बुध	16/01/2093	शनि	06/02/2094	गुरु	07/10/2094	राहु	07/12/2095	सूर्य	06/01/2098

योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : धान्या 0 वर्ष 5 मास 7 दिन

धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष	
20/08/1998		27/01/1999		27/01/2003		28/01/2008		27/01/2014	
27/01/1999		27/01/2003		28/01/2008		27/01/2014		27/01/2021	
	00/00/0000	भ्राम	09/07/1999	भद्रि	08/10/2003	उल्क	27/01/2009	सिद्ध	08/06/2015
	00/00/0000	भद्रि	28/01/2000	उल्क	07/08/2004	सिद्ध	29/03/2010	संक	27/12/2016
	00/00/0000	उल्क	27/09/2000	सिद्ध	29/07/2005	संक	29/07/2011	मंग	08/03/2017
	00/00/0000	सिद्ध	08/07/2001	संक	07/09/2006	मंग	28/09/2011	पिंग	29/07/2017
	20/08/1998	संक	29/05/2002	मंग	28/10/2006	पिंग	28/01/2012	धांय	27/02/2018
संक	28/10/1998	मंग	08/07/2002	पिंग	07/02/2007	धांय	28/07/2012	भ्राम	08/12/2018
मंग	28/11/1998	पिंग	28/09/2002	धांय	09/07/2007	भ्राम	29/03/2013	भद्रि	28/11/2019
पिंग	27/01/1999	धांय	27/01/2003	भ्राम	28/01/2008	भद्रि	27/01/2014	उल्क	27/01/2021

संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष	
27/01/2021		27/01/2029		27/01/2030		28/01/2032		27/01/2035	
27/01/2029		27/01/2030		28/01/2032		27/01/2035		27/01/2039	
संक	07/11/2022	मंग	06/02/2029	पिंग	09/03/2030	धांय	28/04/2032	भ्राम	09/07/2035
मंग	27/01/2023	पिंग	26/02/2029	धांय	09/05/2030	भ्राम	28/08/2032	भद्रि	28/01/2036
पिंग	09/07/2023	धांय	29/03/2029	भ्राम	29/07/2030	भद्रि	27/01/2033	उल्क	27/09/2036
धांय	08/03/2024	भ्राम	08/05/2029	भद्रि	07/11/2030	उल्क	29/07/2033	सिद्ध	08/07/2037
भ्राम	27/01/2025	भद्रि	28/06/2029	उल्क	09/03/2031	सिद्ध	27/02/2034	संक	29/05/2038
भद्रि	09/03/2026	उल्क	28/08/2029	सिद्ध	29/07/2031	संक	28/10/2034	मंग	08/07/2038
उल्क	09/07/2027	सिद्ध	07/11/2029	संक	07/01/2032	मंग	28/11/2034	पिंग	28/09/2038
सिद्ध	27/01/2029	संक	27/01/2030	मंग	28/01/2032	पिंग	27/01/2035	धांय	27/01/2039

नोट :- योगनियों के स्वामी नीचे दिए गए हैं :-

मंगला	: चन्द्र	पिंगला	: सूर्य	धान्या	: गुरु	भ्रामरी	: मंगल
भद्रिका	: बुध	उल्का	: शनि	सिद्धा	: शुक्र	संकटा	: राहु/केतु

उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
योगिनी दशा 36 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

योगिनी दशा

भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष	
27/01/2039		28/01/2044		27/01/2050		27/01/2057		27/01/2065	
28/01/2044		27/01/2050		27/01/2057		27/01/2065		27/01/2066	
भद्रि	08/10/2039	उल्क	27/01/2045	सिद्ध	08/06/2051	संक	07/11/2058	मंग	06/02/2065
उल्क	07/08/2040	सिद्ध	29/03/2046	संक	27/12/2052	मंग	27/01/2059	पिंग	26/02/2065
सिद्ध	29/07/2041	संक	29/07/2047	मंग	08/03/2053	पिंग	09/07/2059	धांय	29/03/2065
संक	07/09/2042	मंग	28/09/2047	पिंग	29/07/2053	धांय	08/03/2060	भ्राम	08/05/2065
मंग	28/10/2042	पिंग	28/01/2048	धांय	27/02/2054	भ्राम	27/01/2061	भद्रि	28/06/2065
पिंग	07/02/2043	धांय	28/07/2048	भ्राम	08/12/2054	भद्रि	09/03/2062	उल्क	28/08/2065
धांय	09/07/2043	भ्राम	29/03/2049	भद्रि	28/11/2055	उल्क	09/07/2063	सिद्ध	07/11/2065
भ्राम	28/01/2044	भद्रि	27/01/2050	उल्क	27/01/2057	सिद्ध	27/01/2065	संक	27/01/2066

पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष	
27/01/2066		28/01/2068		27/01/2071		27/01/2075		28/01/2080	
28/01/2068		27/01/2071		27/01/2075		28/01/2080		27/01/2086	
पिंग	09/03/2066	धांय	28/04/2068	भ्राम	09/07/2071	भद्रि	08/10/2075	उल्क	27/01/2081
धांय	09/05/2066	भ्राम	28/08/2068	भद्रि	28/01/2072	उल्क	07/08/2076	सिद्ध	29/03/2082
भ्राम	29/07/2066	भद्रि	27/01/2069	उल्क	27/09/2072	सिद्ध	29/07/2077	संक	29/07/2083
भद्रि	07/11/2066	उल्क	29/07/2069	सिद्ध	08/07/2073	संक	07/09/2078	मंग	28/09/2083
उल्क	09/03/2067	सिद्ध	27/02/2070	संक	29/05/2074	मंग	28/10/2078	पिंग	28/01/2084
सिद्ध	29/07/2067	संक	28/10/2070	मंग	08/07/2074	पिंग	07/02/2079	धांय	28/07/2084
संक	07/01/2068	मंग	28/11/2070	पिंग	28/09/2074	धांय	09/07/2079	भ्राम	29/03/2085
मंग	28/01/2068	पिंग	27/01/2071	धांय	27/01/2075	भ्राम	28/01/2080	भद्रि	27/01/2086

सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष	
27/01/2086		27/01/2093		28/01/2101		28/01/2102		29/01/2104	
27/01/2093		28/01/2101		28/01/2102		29/01/2104		00/00/0000	
सिद्ध	08/06/2087	संक	07/11/2094	मंग	07/02/2101	पिंग	10/03/2102	धांय	29/04/2104
संक	27/12/2088	मंग	27/01/2095	पिंग	27/02/2101	धांय	10/05/2102	भ्राम	29/08/2104
मंग	08/03/2089	पिंग	09/07/2095	धांय	30/03/2101	भ्राम	30/07/2102	भद्रि	28/01/2105
पिंग	29/07/2089	धांय	08/03/2096	भ्राम	09/05/2101	भद्रि	08/11/2102	उल्क	30/07/2105
धांय	27/02/2090	भ्राम	27/01/2097	भद्रि	29/06/2101	उल्क	10/03/2103	सिद्ध	28/02/2106
भ्राम	08/12/2090	भद्रि	09/03/2098	उल्क	29/08/2101	सिद्ध	30/07/2103	संक	21/08/2106
भद्रि	28/11/2091	उल्क	09/07/2099	सिद्ध	08/11/2101	संक	08/01/2104		00/00/0000
उल्क	27/01/2093	सिद्ध	28/01/2101	संक	28/01/2102	मंग	29/01/2104		00/00/0000

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

संक - भद्रि		संक - उल्क		संक - सिद्ध		मंग - मंग		मंग - पिंग	
27/01/2025		09/03/2026		09/07/2027		27/01/2029		06/02/2029	
09/03/2026		09/07/2027		27/01/2029		06/02/2029		26/02/2029	
भद्रि	24/03/2025	उल्क	29/05/2026	सिद्ध	27/10/2027	मंग	27/01/2029	पिंग	07/02/2029
उल्क	31/05/2025	सिद्ध	01/09/2026	संक	01/03/2028	पिंग	28/01/2029	धांय	09/02/2029
सिद्ध	18/08/2025	संक	18/12/2026	मंग	17/03/2028	धांय	29/01/2029	भ्राम	11/02/2029
संक	16/11/2025	मंग	31/12/2026	पिंग	18/04/2028	भ्राम	30/01/2029	भद्रि	14/02/2029
मंग	27/11/2025	पिंग	27/01/2027	धांय	04/06/2028	भद्रि	31/01/2029	उल्क	17/02/2029
पिंग	20/12/2025	धांय	09/03/2027	भ्राम	06/08/2028	उल्क	02/02/2029	सिद्ध	21/02/2029
धांय	23/01/2026	भ्राम	02/05/2027	भद्रि	24/10/2028	सिद्ध	04/02/2029	संक	26/02/2029
भ्राम	09/03/2026	भद्रि	09/07/2027	उल्क	27/01/2029	संक	06/02/2029	मंग	26/02/2029

मंग - धांय		मंग - भ्राम		मंग - भद्रि		मंग - उल्क		मंग - सिद्ध	
26/02/2029		29/03/2029		08/05/2029		28/06/2029		28/08/2029	
29/03/2029		08/05/2029		28/06/2029		28/08/2029		07/11/2029	
धांय	01/03/2029	भ्राम	02/04/2029	भद्रि	15/05/2029	उल्क	08/07/2029	सिद्ध	11/09/2029
भ्राम	04/03/2029	भद्रि	08/04/2029	उल्क	24/05/2029	सिद्ध	20/07/2029	संक	27/09/2029
भद्रि	08/03/2029	उल्क	15/04/2029	सिद्ध	03/06/2029	संक	03/08/2029	मंग	29/09/2029
उल्क	14/03/2029	सिद्ध	23/04/2029	संक	14/06/2029	मंग	04/08/2029	पिंग	02/10/2029
सिद्ध	19/03/2029	संक	02/05/2029	मंग	15/06/2029	पिंग	08/08/2029	धांय	08/10/2029
संक	26/03/2029	मंग	03/05/2029	पिंग	18/06/2029	धांय	13/08/2029	भ्राम	16/10/2029
मंग	27/03/2029	पिंग	05/05/2029	धांय	22/06/2029	भ्राम	19/08/2029	भद्रि	26/10/2029
पिंग	29/03/2029	धांय	08/05/2029	भ्राम	28/06/2029	भद्रि	28/08/2029	उल्क	07/11/2029

मंग - संक		पिंग - पिंग		पिंग - धांय		पिंग - भ्राम		पिंग - भद्रि	
07/11/2029		27/01/2030		09/03/2030		09/05/2030		29/07/2030	
27/01/2030		09/03/2030		09/05/2030		29/07/2030		07/11/2030	
संक	25/11/2029	पिंग	29/01/2030	धांय	14/03/2030	भ्राम	18/05/2030	भद्रि	12/08/2030
मंग	27/11/2029	धांय	02/02/2030	भ्राम	21/03/2030	भद्रि	29/05/2030	उल्क	29/08/2030
पिंग	02/12/2029	भ्राम	06/02/2030	भद्रि	29/03/2030	उल्क	11/06/2030	सिद्ध	17/09/2030
धांय	09/12/2029	भद्रि	12/02/2030	उल्क	08/04/2030	सिद्ध	27/06/2030	संक	10/10/2030
भ्राम	18/12/2029	उल्क	19/02/2030	सिद्ध	20/04/2030	संक	15/07/2030	मंग	13/10/2030
भद्रि	29/12/2029	सिद्ध	27/02/2030	संक	04/05/2030	मंग	17/07/2030	पिंग	18/10/2030
उल्क	11/01/2030	संक	08/03/2030	मंग	05/05/2030	पिंग	22/07/2030	धांय	27/10/2030
सिद्ध	27/01/2030	मंग	09/03/2030	पिंग	09/05/2030	धांय	29/07/2030	भ्राम	07/11/2030

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

पिंग - उल्क		पिंग - सिद्ध		पिंग - संक		पिंग - मंग		धांय - धांय	
07/11/2030		09/03/2031		29/07/2031		07/01/2032		28/01/2032	
09/03/2031		29/07/2031		07/01/2032		28/01/2032		28/04/2032	
उल्क	28/11/2030	सिद्ध	06/04/2031	संक	03/09/2031	मंग	08/01/2032	धांय	04/02/2032
सिद्ध	21/12/2030	संक	07/05/2031	मंग	08/09/2031	पिंग	09/01/2032	भ्राम	14/02/2032
संक	17/01/2031	मंग	11/05/2031	पिंग	17/09/2031	धांय	11/01/2032	भद्रि	27/02/2032
मंग	21/01/2031	पिंग	19/05/2031	धांय	30/09/2031	भ्राम	13/01/2032	उल्क	13/03/2032
पिंग	27/01/2031	धांय	31/05/2031	भ्राम	18/10/2031	भद्रि	16/01/2032	सिद्ध	31/03/2032
धांय	07/02/2031	भ्राम	16/06/2031	भद्रि	10/11/2031	उल्क	19/01/2032	संक	20/04/2032
भ्राम	20/02/2031	भद्रि	05/07/2031	उल्क	07/12/2031	सिद्ध	23/01/2032	मंग	23/04/2032
भद्रि	09/03/2031	उल्क	29/07/2031	सिद्ध	07/01/2032	संक	28/01/2032	पिंग	28/04/2032

धांय - भ्राम		धांय - भद्रि		धांय - उल्क		धांय - सिद्ध		धांय - संक	
28/04/2032		28/08/2032		27/01/2033		29/07/2033		27/02/2034	
28/08/2032		27/01/2033		29/07/2033		27/02/2034		28/10/2034	
भ्राम	11/05/2032	भद्रि	18/09/2032	उल्क	26/02/2033	सिद्ध	08/09/2033	संक	22/04/2034
भद्रि	28/05/2032	उल्क	13/10/2032	सिद्ध	03/04/2033	संक	25/10/2033	मंग	28/04/2034
उल्क	18/06/2032	सिद्ध	12/11/2032	संक	13/05/2033	मंग	31/10/2033	पिंग	12/05/2034
सिद्ध	11/07/2032	संक	16/12/2032	मंग	18/05/2033	पिंग	12/11/2033	धांय	01/06/2034
संक	07/08/2032	मंग	20/12/2032	पिंग	29/05/2033	धांय	30/11/2033	भ्राम	28/06/2034
मंग	11/08/2032	पिंग	28/12/2032	धांय	13/06/2033	भ्राम	23/12/2033	भद्रि	01/08/2034
पिंग	18/08/2032	धांय	10/01/2033	भ्राम	03/07/2033	भद्रि	22/01/2034	उल्क	11/09/2034
धांय	28/08/2032	भ्राम	27/01/2033	भद्रि	29/07/2033	उल्क	27/02/2034	सिद्ध	28/10/2034

धांय - मंग		धांय - पिंग		भ्राम - भ्राम		भ्राम - भद्रि		भ्राम - उल्क	
28/10/2034		28/11/2034		27/01/2035		09/07/2035		28/01/2036	
28/11/2034		27/01/2035		09/07/2035		28/01/2036		27/09/2036	
मंग	29/10/2034	पिंग	01/12/2034	भ्राम	14/02/2035	भद्रि	06/08/2035	उल्क	08/03/2036
पिंग	31/10/2034	धांय	06/12/2034	भद्रि	09/03/2035	उल्क	09/09/2035	सिद्ध	25/04/2036
धांय	02/11/2034	भ्राम	13/12/2034	उल्क	05/04/2035	सिद्ध	18/10/2035	संक	18/06/2036
भ्राम	06/11/2034	भद्रि	21/12/2034	सिद्ध	07/05/2035	संक	02/12/2035	मंग	24/06/2036
भद्रि	10/11/2034	उल्क	31/12/2034	संक	12/06/2035	मंग	08/12/2035	पिंग	08/07/2036
उल्क	15/11/2034	सिद्ध	12/01/2035	मंग	16/06/2035	पिंग	19/12/2035	धांय	28/07/2036
सिद्ध	21/11/2034	संक	26/01/2035	पिंग	25/06/2035	धांय	05/01/2036	भ्राम	24/08/2036
संक	28/11/2034	मंग	27/01/2035	धांय	09/07/2035	भ्राम	28/01/2036	भद्रि	27/09/2036

कालचक्र दशा

भोग्य दशा काल : वृष 15 वर्ष 3 मास 11 दिन
कुल दशाकाल : 86 वर्ष
तिथि : पुष्य - 4 सव्य
देह : कर्क जीव : मीन

वृष 16 वर्ष		मेष 7 वर्ष		मीन 10 वर्ष		कुम्भ 4 वर्ष		मकर 4 वर्ष	
20/08/1998		01/12/2013		01/12/2020		01/12/2030		01/12/2034	
01/12/2013		01/12/2020		01/12/2030		01/12/2034		01/12/2038	
वृष	22/11/2000	मेष	27/06/2014	मीन	29/01/2022	कुंभ	07/02/2031	मक	07/02/2035
मेष	13/03/2002	मीन	20/04/2015	कुंभ	18/07/2022	मक	16/04/2031	धनु	27/07/2035
मीन	21/01/2004	कुंभ	17/08/2015	मक	04/01/2023	धनु	03/10/2031	कर्क	18/07/2036
कुंभ	19/10/2004	मक	14/12/2015	धनु	04/03/2024	कर्क	24/09/2032	सिंह	11/10/2036
मक	18/07/2005	धनु	06/10/2016	कर्क	13/08/2026	सिंह	18/12/2032	मिथु	12/03/2037
धनु	28/05/2007	कर्क	23/06/2018	सिंह	13/03/2027	मिथु	19/05/2033	वृष	09/12/2037
कर्क	24/04/2011	सिंह	18/11/2018	मिथु	29/03/2028	वृष	15/02/2034	मेष	07/04/2038
सिंह	29/03/2012	मिथु	13/08/2019	वृष	07/02/2030	मेष	14/06/2034	मीन	24/09/2038
मिथु	01/12/2013	वृष	01/12/2020	मेष	01/12/2030	मीन	01/12/2034	कुंभ	01/12/2038

धनु 10 वर्ष		कर्क 21 वर्ष		सिंह 5 वर्ष		मिथुन 9 वर्ष		वृष 16 वर्ष	
01/12/2038		01/12/2048		01/12/2069		01/12/2074		01/12/2083	
01/12/2048		01/12/2069		01/12/2074		01/12/2083		00/00/0000	
धनु	30/01/2040	कर्क	16/01/2054	सिंह	17/03/2070	मिथु	10/11/2075	वृष	20/08/2084
कर्क	10/07/2042	सिंह	07/04/2055	मिथु	24/09/2070	वृष	14/07/2077		00/00/0000
सिंह	07/02/2043	मिथु	18/06/2057	वृष	30/08/2071	मेष	07/04/2078		00/00/0000
मिथु	24/02/2044	वृष	15/05/2061	मेष	25/01/2072	मीन	24/04/2079		00/00/0000
वृष	04/01/2046	मेष	29/01/2063	मीन	25/08/2072	कुंभ	24/09/2079		00/00/0000
मेष	28/10/2046	मीन	09/07/2065	कुंभ	18/11/2072	मक	24/02/2080		00/00/0000
मीन	27/12/2047	कुंभ	01/07/2066	मक	11/02/2073	धनु	12/03/2081		00/00/0000
कुंभ	14/06/2048	मक	23/06/2067	धनु	11/09/2073	कर्क	24/05/2083		00/00/0000
मक	01/12/2048	धनु	01/12/2069	कर्क	01/12/2074	सिंह	01/12/2083		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

मीन - कर्क		मीन - सिंह		मीन - मिथु		मीन - वृष		मीन - मेष	
04/03/2024		13/08/2026		13/03/2027		29/03/2028		07/02/2030	
13/08/2026		13/03/2027		29/03/2028		07/02/2030		01/12/2030	
कर्क	07/10/2024	सिंह	25/08/2026	मिथु	22/04/2027	वृष	03/08/2028	मेष	03/03/2030
सिंह	28/11/2024	मिथु	16/09/2026	वृष	02/07/2027	मेष	27/09/2028	मीन	06/04/2030
मिथु	02/03/2025	वृष	26/10/2026	मेष	02/08/2027	मीन	15/12/2028	कुंभ	20/04/2030
वृष	15/08/2025	मेष	12/11/2026	मीन	16/09/2027	कुंभ	16/01/2029	मक	04/05/2030
मेष	26/10/2025	मीन	07/12/2026	कुंभ	03/10/2027	मक	16/02/2029	धनु	08/06/2030
मीन	07/02/2026	कुंभ	17/12/2026	मक	21/10/2027	धनु	06/05/2029	कर्क	19/08/2030
कुंभ	20/03/2026	मक	26/12/2026	धनु	05/12/2027	कर्क	19/10/2029	सिंह	06/09/2030
मक	01/05/2026	धनु	20/01/2027	कर्क	07/03/2028	सिंह	28/11/2029	मिथु	07/10/2030
धनु	13/08/2026	कर्क	13/03/2027	सिंह	29/03/2028	मिथु	07/02/2030	वृष	01/12/2030

कुंभ - कुंभ		कुंभ - मक		कुंभ - धनु		कुंभ - कर्क		कुंभ - सिंह	
01/12/2030		07/02/2031		16/04/2031		03/10/2031		24/09/2032	
07/02/2031		16/04/2031		03/10/2031		24/09/2032		18/12/2032	
कुंभ	04/12/2030	मक	10/02/2031	धनु	06/05/2031	कर्क	29/12/2031	सिंह	29/09/2032
मक	07/12/2030	धनु	18/02/2031	कर्क	16/06/2031	सिंह	19/01/2032	मिथु	07/10/2032
धनु	15/12/2030	कर्क	07/03/2031	सिंह	26/06/2031	मिथु	25/02/2032	वृष	23/10/2032
कर्क	01/01/2031	सिंह	11/03/2031	मिथु	14/07/2031	वृष	01/05/2032	मेष	30/10/2032
सिंह	05/01/2031	मिथु	18/03/2031	वृष	14/08/2031	मेष	30/05/2032	मीन	09/11/2032
मिथु	12/01/2031	वृष	30/03/2031	मेष	28/08/2031	मीन	11/07/2032	कुंभ	13/11/2032
वृष	25/01/2031	मेष	05/04/2031	मीन	17/09/2031	कुंभ	27/07/2032	मक	17/11/2032
मेष	30/01/2031	मीन	13/04/2031	कुंभ	25/09/2031	मक	13/08/2032	धनु	27/11/2032
मीन	07/02/2031	कुंभ	16/04/2031	मक	03/10/2031	धनु	24/09/2032	कर्क	18/12/2032

कुंभ - मिथु		कुंभ - वृष		कुंभ - मेष		कुंभ - मीन		मक - मक	
18/12/2032		19/05/2033		15/02/2034		14/06/2034		01/12/2034	
19/05/2033		15/02/2034		14/06/2034		01/12/2034		07/02/2035	
मिथु	03/01/2033	वृष	09/07/2033	मेष	25/02/2034	मीन	04/07/2034	मक	04/12/2034
वृष	31/01/2033	मेष	31/07/2033	मीन	11/03/2034	कुंभ	12/07/2034	धनु	12/12/2034
मेष	12/02/2033	मीन	01/09/2033	कुंभ	16/03/2034	मक	20/07/2034	कर्क	29/12/2034
मीन	02/03/2033	कुंभ	13/09/2033	मक	22/03/2034	धनु	08/08/2034	सिंह	02/01/2035
कुंभ	09/03/2033	मक	26/09/2033	धनु	05/04/2034	कर्क	19/09/2034	मिथु	09/01/2035
मक	16/03/2033	धनु	28/10/2033	कर्क	04/05/2034	सिंह	29/09/2034	वृष	21/01/2035
धनु	03/04/2033	कर्क	02/01/2034	सिंह	11/05/2034	मिथु	17/10/2034	मेष	27/01/2035
कर्क	11/05/2033	सिंह	18/01/2034	मिथु	23/05/2034	वृष	17/11/2034	मीन	04/02/2035
सिंह	19/05/2033	मिथु	15/02/2034	वृष	14/06/2034	मेष	01/12/2034	कुंभ	07/02/2035

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

मक - धनु		मक - कर्क		मक - सिंह		मक - मिथु		मक - वृष	
07/02/2035		27/07/2035		18/07/2036		11/10/2036		12/03/2037	
27/07/2035		18/07/2036		11/10/2036		12/03/2037		09/12/2037	
धनु	27/02/2035	कर्क	22/10/2035	सिंह	23/07/2036	मिथु	27/10/2036	वृष	02/05/2037
कर्क	09/04/2035	सिंह	12/11/2035	मिथु	31/07/2036	वृष	24/11/2036	मेष	24/05/2037
सिंह	19/04/2035	मिथु	19/12/2035	वृष	16/08/2036	मेष	06/12/2036	मीन	25/06/2037
मिथु	07/05/2035	वृष	23/02/2036	मेष	23/08/2036	मीन	24/12/2036	कुंभ	07/07/2037
वृष	07/06/2035	मेष	23/03/2036	मीन	02/09/2036	कुंभ	31/12/2036	मक	20/07/2037
मेष	21/06/2035	मीन	04/05/2036	कुंभ	06/09/2036	मक	07/01/2037	धनु	21/08/2037
मीन	11/07/2035	कुंभ	21/05/2036	मक	10/09/2036	धनु	25/01/2037	कर्क	26/10/2037
कुंभ	19/07/2035	मक	06/06/2036	धनु	20/09/2036	कर्क	04/03/2037	सिंह	11/11/2037
मक	27/07/2035	धनु	18/07/2036	कर्क	11/10/2036	सिंह	12/03/2037	मिथु	09/12/2037

मक - मेष		मक - मीन		मक - कुंभ		धनु - धनु		धनु - कर्क	
09/12/2037		07/04/2038		24/09/2038		01/12/2038		30/01/2040	
07/04/2038		24/09/2038		01/12/2038		30/01/2040		10/07/2042	
मेष	19/12/2037	मीन	27/04/2038	कुंभ	27/09/2038	धनु	19/01/2039	कर्क	04/09/2040
मीन	02/01/2038	कुंभ	05/05/2038	मक	30/09/2038	कर्क	03/05/2039	सिंह	25/10/2040
कुंभ	07/01/2038	मक	13/05/2038	धनु	08/10/2038	सिंह	28/05/2039	मिथु	27/01/2041
मक	13/01/2038	धनु	01/06/2038	कर्क	25/10/2038	मिथु	11/07/2039	वृष	12/07/2041
धनु	27/01/2038	कर्क	13/07/2038	सिंह	29/10/2038	वृष	28/09/2039	मेष	22/09/2041
कर्क	25/02/2038	सिंह	23/07/2038	मिथु	05/11/2038	मेष	02/11/2039	मीन	04/01/2042
सिंह	04/03/2038	मिथु	10/08/2038	वृष	18/11/2038	मीन	21/12/2039	कुंभ	14/02/2042
मिथु	16/03/2038	वृष	10/09/2038	मेष	23/11/2038	कुंभ	10/01/2040	मक	28/03/2042
वृष	07/04/2038	मेष	24/09/2038	मीन	01/12/2038	मक	30/01/2040	धनु	10/07/2042

धनु - सिंह		धनु - मिथु		धनु - वृष		धनु - मेष		धनु - मीन	
10/07/2042		07/02/2043		24/02/2044		04/01/2046		28/10/2046	
07/02/2043		24/02/2044		04/01/2046		28/10/2046		27/12/2047	
सिंह	22/07/2042	मिथु	19/03/2043	वृष	30/06/2044	मेष	28/01/2046	मीन	16/12/2046
मिथु	13/08/2042	वृष	29/05/2043	मेष	24/08/2044	मीन	04/03/2046	कुंभ	05/01/2047
वृष	22/09/2042	मेष	29/06/2043	मीन	11/11/2044	कुंभ	17/03/2046	मक	25/01/2047
मेष	09/10/2042	मीन	13/08/2043	कुंभ	13/12/2044	मक	31/03/2046	धनु	15/03/2047
मीन	03/11/2042	कुंभ	30/08/2043	मक	13/01/2045	धनु	05/05/2046	कर्क	27/06/2047
कुंभ	13/11/2042	मक	17/09/2043	धनु	02/04/2045	कर्क	16/07/2046	सिंह	22/07/2047
मक	22/11/2042	धनु	01/11/2043	कर्क	15/09/2045	सिंह	03/08/2046	मिथु	04/09/2047
धनु	17/12/2042	कर्क	02/02/2044	सिंह	25/10/2045	मिथु	03/09/2046	वृष	22/11/2047
कर्क	07/02/2043	सिंह	24/02/2044	मिथु	04/01/2046	वृष	28/10/2046	मेष	27/12/2047

चर दशा

भोग्य दशा काल : मकर 9 वर्ष 0 मास 0 दिन

मकर 9 वर्ष	
20/08/1998	
20/08/2007	
धनु	21/05/1999
वृश्चि	19/02/2000
तुला	19/11/2000
कन्या	20/08/2001
सिंह	21/05/2002
कर्क	19/02/2003
मिथु	20/11/2003
वृष	20/08/2004
मेष	21/05/2005
मीन	19/02/2006
कुंभ	20/11/2006
मक	20/08/2007

धनु 3 वर्ष	
20/08/2007	
20/08/2010	
वृश्चि	20/11/2007
तुला	19/02/2008
कन्या	20/05/2008
सिंह	20/08/2008
कर्क	19/11/2008
मिथु	18/02/2009
वृष	21/05/2009
मेष	20/08/2009
मीन	19/11/2009
कुंभ	19/02/2010
मक	21/05/2010
धनु	20/08/2010

वृश्चिक 8 वर्ष	
20/08/2010	
20/08/2018	
तुला	21/04/2011
कन्या	20/12/2011
सिंह	20/08/2012
कर्क	20/04/2013
मिथु	20/12/2013
वृष	20/08/2014
मेष	21/04/2015
मीन	20/12/2015
कुंभ	20/08/2016
मक	20/04/2017
धनु	20/12/2017
वृश्चि	20/08/2018

तुला 9 वर्ष	
20/08/2018	
20/08/2027	
वृश्चि	21/05/2019
धनु	19/02/2020
मक	19/11/2020
कुंभ	20/08/2021
मीन	21/05/2022
मेष	19/02/2023
वृष	20/11/2023
मिथु	20/08/2024
कर्क	21/05/2025
सिंह	19/02/2026
कन्या	20/11/2026
तुला	20/08/2027

कन्या 2 वर्ष	
20/08/2027	
20/08/2029	
तुला	20/10/2027
वृश्चि	20/12/2027
धनु	19/02/2028
मक	20/04/2028
कुंभ	20/06/2028
मीन	20/08/2028
मेष	20/10/2028
वृष	19/12/2028
मिथु	18/02/2029
कर्क	20/04/2029
सिंह	20/06/2029
कन्या	20/08/2029

सिंह 12 वर्ष	
20/08/2029	
20/08/2041	
कन्या	20/08/2030
तुला	20/08/2031
वृश्चि	20/08/2032
धनु	20/08/2033
मक	20/08/2034
कुंभ	20/08/2035
मीन	20/08/2036
मेष	20/08/2037
वृष	20/08/2038
मिथु	20/08/2039
कर्क	20/08/2040
सिंह	20/08/2041

कर्क 12 वर्ष	
20/08/2041	
20/08/2053	
मिथु	20/08/2042
वृष	20/08/2043
मेष	20/08/2044
मीन	20/08/2045
कुंभ	20/08/2046
मक	20/08/2047
धनु	20/08/2048
वृश्चि	20/08/2049
तुला	20/08/2050
कन्या	20/08/2051
सिंह	20/08/2052
कर्क	20/08/2053

मिथुन 1 वर्ष	
20/08/2053	
20/08/2054	
वृष	19/09/2053
मेष	20/10/2053
मीन	19/11/2053
कुंभ	20/12/2053
मक	19/01/2054
धनु	19/02/2054
वृश्चि	21/03/2054
तुला	20/04/2054
कन्या	21/05/2054
सिंह	20/06/2054
कर्क	21/07/2054
मिथु	20/08/2054

वृष 2 वर्ष	
20/08/2054	
20/08/2056	
मेष	20/10/2054
मीन	20/12/2054
कुंभ	19/02/2055
मक	21/04/2055
धनु	21/06/2055
वृश्चि	20/08/2055
तुला	20/10/2055
कन्या	20/12/2055
सिंह	19/02/2056
कर्क	20/04/2056
मिथु	20/06/2056
वृष	20/08/2056

मेष 3 वर्ष	
20/08/2056	
20/08/2059	
वृष	19/11/2056
मिथु	18/02/2057
कर्क	21/05/2057
सिंह	20/08/2057
कन्या	19/11/2057
तुला	19/02/2058
वृश्चि	21/05/2058
धनु	20/08/2058
मक	20/11/2058
कुंभ	19/02/2059
मीन	21/05/2059
मेष	20/08/2059

मीन 12 वर्ष	
20/08/2059	
20/08/2071	
मेष	20/08/2060
वृष	20/08/2061
मिथु	20/08/2062
कर्क	20/08/2063
सिंह	20/08/2064
कन्या	20/08/2065
तुला	20/08/2066
वृश्चि	20/08/2067
धनु	20/08/2068
मक	20/08/2069
कुंभ	20/08/2070
मीन	20/08/2071

कुम्भ 6 वर्ष	
20/08/2071	
20/08/2077	
मीन	19/02/2072
मेष	20/08/2072
वृष	18/02/2073
मिथु	20/08/2073
कर्क	19/02/2074
सिंह	20/08/2074
कन्या	19/02/2075
तुला	20/08/2075
वृश्चि	19/02/2076
धनु	20/08/2076
मक	18/02/2077
कुंभ	20/08/2077

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

चर दशा - प्रत्यन्तर

तुला - सिंह		तुला - कन्या		तुला - तुला		कन्या - तुला		कन्या - वृश्चि	
21/05/2025		19/02/2026		20/11/2026		20/08/2027		20/10/2027	
19/02/2026		20/11/2026		20/08/2027		20/10/2027		20/12/2027	
कन्या	12/06/2025	तुला	13/03/2026	वृश्चि	12/12/2026	वृश्चि	26/08/2027	तुला	25/10/2027
तुला	05/07/2025	वृश्चि	05/04/2026	धनु	04/01/2027	धनु	31/08/2027	कन्या	30/10/2027
वृश्चि	28/07/2025	धनु	28/04/2026	मक	27/01/2027	मक	05/09/2027	सिंह	05/11/2027
धनु	20/08/2025	मक	21/05/2026	कुंभ	19/02/2027	कुंभ	10/09/2027	कर्क	10/11/2027
मक	12/09/2025	कुंभ	13/06/2026	मीन	14/03/2027	मीन	15/09/2027	मिथु	15/11/2027
कुंभ	05/10/2025	मीन	06/07/2026	मेष	06/04/2027	मेष	20/09/2027	वृष	20/11/2027
मीन	27/10/2025	मेष	28/07/2026	वृष	28/04/2027	वृष	25/09/2027	मेष	25/11/2027
मेष	19/11/2025	वृष	20/08/2026	मिथु	21/05/2027	मिथु	30/09/2027	मीन	30/11/2027
वृष	12/12/2025	मिथु	12/09/2026	कर्क	13/06/2027	कर्क	05/10/2027	कुंभ	05/12/2027
मिथु	04/01/2026	कर्क	05/10/2026	सिंह	06/07/2027	सिंह	10/10/2027	मक	10/12/2027
कर्क	27/01/2026	सिंह	28/10/2026	कन्या	29/07/2027	कन्या	15/10/2027	धनु	15/12/2027
सिंह	19/02/2026	कन्या	20/11/2026	तुला	20/08/2027	तुला	20/10/2027	वृश्चि	20/12/2027

कन्या - धनु		कन्या - मक		कन्या - कुंभ		कन्या - मीन		कन्या - मेष	
20/12/2027		19/02/2028		20/04/2028		20/06/2028		20/08/2028	
19/02/2028		20/04/2028		20/06/2028		20/08/2028		20/10/2028	
वृश्चि	25/12/2027	धनु	24/02/2028	मीन	25/04/2028	मेष	25/06/2028	वृष	25/08/2028
तुला	30/12/2027	वृश्चि	29/02/2028	मेष	30/04/2028	वृष	30/06/2028	मिथु	30/08/2028
कन्या	04/01/2028	तुला	05/03/2028	वृष	05/05/2028	मिथु	05/07/2028	कर्क	04/09/2028
सिंह	10/01/2028	कन्या	10/03/2028	मिथु	10/05/2028	कर्क	10/07/2028	सिंह	09/09/2028
कर्क	15/01/2028	सिंह	15/03/2028	कर्क	15/05/2028	सिंह	15/07/2028	कन्या	14/09/2028
मिथु	20/01/2028	कर्क	21/03/2028	सिंह	20/05/2028	कन्या	20/07/2028	तुला	19/09/2028
वृष	25/01/2028	मिथु	26/03/2028	कन्या	25/05/2028	तुला	25/07/2028	वृश्चि	24/09/2028
मेष	30/01/2028	वृष	31/03/2028	तुला	31/05/2028	वृश्चि	30/07/2028	धनु	29/09/2028
मीन	04/02/2028	मेष	05/04/2028	वृश्चि	05/06/2028	धनु	05/08/2028	मक	04/10/2028
कुंभ	09/02/2028	मीन	10/04/2028	धनु	10/06/2028	मक	10/08/2028	कुंभ	09/10/2028
मक	14/02/2028	कुंभ	15/04/2028	मक	15/06/2028	कुंभ	15/08/2028	मीन	15/10/2028
धनु	19/02/2028	मक	20/04/2028	कुंभ	20/06/2028	मीन	20/08/2028	मेष	20/10/2028

कन्या - वृष		कन्या - मिथु		कन्या - कर्क		कन्या - सिंह		कन्या - कन्या	
20/10/2028		19/12/2028		18/02/2029		20/04/2029		20/06/2029	
19/12/2028		18/02/2029		20/04/2029		20/06/2029		20/08/2029	
मेष	25/10/2028	वृष	25/12/2028	मिथु	23/02/2029	कन्या	25/04/2029	तुला	25/06/2029
मीन	30/10/2028	मेष	30/12/2028	वृष	28/02/2029	तुला	30/04/2029	वृश्चि	30/06/2029
कुंभ	04/11/2028	मीन	04/01/2029	मेष	06/03/2029	वृश्चि	05/05/2029	धनु	05/07/2029
मक	09/11/2028	कुंभ	09/01/2029	मीन	11/03/2029	धनु	11/05/2029	मक	10/07/2029
धनु	14/11/2028	मक	14/01/2029	कुंभ	16/03/2029	मक	16/05/2029	कुंभ	15/07/2029
वृश्चि	19/11/2028	धनु	19/01/2029	मक	21/03/2029	कुंभ	21/05/2029	मीन	21/07/2029
तुला	24/11/2028	वृश्चि	24/01/2029	धनु	26/03/2029	मीन	26/05/2029	मेष	26/07/2029
कन्या	29/11/2028	तुला	29/01/2029	वृश्चि	31/03/2029	मेष	31/05/2029	वृष	31/07/2029
सिंह	04/12/2028	कन्या	03/02/2029	तुला	05/04/2029	वृष	05/06/2029	मिथु	05/08/2029
कर्क	09/12/2028	सिंह	08/02/2029	कन्या	10/04/2029	मिथु	10/06/2029	कर्क	10/08/2029
मिथु	14/12/2028	कर्क	13/02/2029	सिंह	15/04/2029	कर्क	15/06/2029	सिंह	15/08/2029
वृष	19/12/2028	मिथु	18/02/2029	कर्क	20/04/2029	सिंह	20/06/2029	कन्या	20/08/2029

चर दशा - प्रत्यन्तर

सिंह - कन्या		सिंह - तुला		सिंह - वृश्चि		सिंह - धनु		सिंह - मक	
20/08/2029		20/08/2030		20/08/2031		20/08/2032		20/08/2033	
20/08/2030		20/08/2031		20/08/2032		20/08/2033		20/08/2034	
तुला	19/09/2029	वृश्चि	20/09/2030	तुला	20/09/2031	वृश्चि	19/09/2032	धनु	19/09/2033
वृश्चि	20/10/2029	धनु	20/10/2030	कन्या	20/10/2031	तुला	20/10/2032	वृश्चि	20/10/2033
धनु	19/11/2029	मक	20/11/2030	सिंह	20/11/2031	कन्या	19/11/2032	तुला	19/11/2033
मक	20/12/2029	कुंभ	20/12/2030	कर्क	20/12/2031	सिंह	19/12/2032	कन्या	20/12/2033
कुंभ	19/01/2030	मीन	19/01/2031	मिथु	20/01/2032	कर्क	19/01/2033	सिंह	19/01/2034
मीन	19/02/2030	मेष	19/02/2031	वृष	19/02/2032	मिथु	18/02/2033	कर्क	19/02/2034
मेष	21/03/2030	वृष	21/03/2031	मेष	21/03/2032	वृष	21/03/2033	मिथु	21/03/2034
वृष	20/04/2030	मिथु	21/04/2031	मीन	20/04/2032	मेष	20/04/2033	वृष	20/04/2034
मिथु	21/05/2030	कर्क	21/05/2031	कुंभ	20/05/2032	मीन	21/05/2033	मेष	21/05/2034
कर्क	20/06/2030	सिंह	21/06/2031	मक	20/06/2032	कुंभ	20/06/2033	मीन	20/06/2034
सिंह	21/07/2030	कन्या	21/07/2031	धनु	20/07/2032	मक	21/07/2033	कुंभ	21/07/2034
कन्या	20/08/2030	तुला	20/08/2031	वृश्चि	20/08/2032	धनु	20/08/2033	मक	20/08/2034

सिंह - कुंभ		सिंह - मीन		सिंह - मेष		सिंह - वृष		सिंह - मिथु	
20/08/2034		20/08/2035		20/08/2036		20/08/2037		20/08/2038	
20/08/2035		20/08/2036		20/08/2037		20/08/2038		20/08/2039	
मीन	20/09/2034	मेष	20/09/2035	वृष	19/09/2036	मेष	19/09/2037	वृष	20/09/2038
मेष	20/10/2034	वृष	20/10/2035	मिथु	20/10/2036	मीन	20/10/2037	मेष	20/10/2038
वृष	20/11/2034	मिथु	20/11/2035	कर्क	19/11/2036	कुंभ	19/11/2037	मीन	20/11/2038
मिथु	20/12/2034	कर्क	20/12/2035	सिंह	19/12/2036	मक	20/12/2037	कुंभ	20/12/2038
कर्क	19/01/2035	सिंह	20/01/2036	कन्या	19/01/2037	धनु	19/01/2038	मक	19/01/2039
सिंह	19/02/2035	कन्या	19/02/2036	तुला	18/02/2037	वृश्चि	19/02/2038	धनु	19/02/2039
कन्या	21/03/2035	तुला	21/03/2036	वृश्चि	21/03/2037	तुला	21/03/2038	वृश्चि	21/03/2039
तुला	21/04/2035	वृश्चि	20/04/2036	धनु	20/04/2037	कन्या	20/04/2038	तुला	21/04/2039
वृश्चि	21/05/2035	धनु	20/05/2036	मक	21/05/2037	सिंह	21/05/2038	कन्या	21/05/2039
धनु	21/06/2035	मक	20/06/2036	कुंभ	20/06/2037	कर्क	20/06/2038	सिंह	21/06/2039
मक	21/07/2035	कुंभ	20/07/2036	मीन	21/07/2037	मिथु	21/07/2038	कर्क	21/07/2039
कुंभ	20/08/2035	मीन	20/08/2036	मेष	20/08/2037	वृष	20/08/2038	मिथु	20/08/2039

सिंह - कर्क		सिंह - सिंह		कर्क - मिथु		कर्क - वृष		कर्क - मेष	
20/08/2039		20/08/2040		20/08/2041		20/08/2042		20/08/2043	
20/08/2040		20/08/2041		20/08/2042		20/08/2043		20/08/2044	
मिथु	20/09/2039	कन्या	19/09/2040	वृष	19/09/2041	मेष	20/09/2042	वृष	20/09/2043
वृष	20/10/2039	तुला	20/10/2040	मेष	20/10/2041	मीन	20/10/2042	मिथु	20/10/2043
मेष	20/11/2039	वृश्चि	19/11/2040	मीन	19/11/2041	कुंभ	20/11/2042	कर्क	20/11/2043
मीन	20/12/2039	धनु	19/12/2040	कुंभ	20/12/2041	मक	20/12/2042	सिंह	20/12/2043
कुंभ	20/01/2040	मक	19/01/2041	मक	19/01/2042	धनु	19/01/2043	कन्या	20/01/2044
मक	19/02/2040	कुंभ	18/02/2041	धनु	19/02/2042	वृश्चि	19/02/2043	तुला	19/02/2044
धनु	21/03/2040	मीन	21/03/2041	वृश्चि	21/03/2042	तुला	21/03/2043	वृश्चि	21/03/2044
वृश्चि	20/04/2040	मेष	20/04/2041	तुला	20/04/2042	कन्या	21/04/2043	धनु	20/04/2044
तुला	20/05/2040	वृष	21/05/2041	कन्या	21/05/2042	सिंह	21/05/2043	मक	20/05/2044
कन्या	20/06/2040	मिथु	20/06/2041	सिंह	20/06/2042	कर्क	21/06/2043	कुंभ	20/06/2044
सिंह	20/07/2040	कर्क	21/07/2041	कर्क	21/07/2042	मिथु	21/07/2043	मीन	20/07/2044
कर्क	20/08/2040	सिंह	20/08/2041	मिथु	20/08/2042	वृष	20/08/2043	मेष	20/08/2044

योग कारक

किसी भी जन्मकुंडली में ग्रह, अपने स्वामित्व तथा स्थिति के अनुसार, सकारात्मक या नकारात्मक फल देते हैं। ये ग्रह विभिन्न दशा काल में भिन्न-भिन्न प्रकार से आचरण करते हैं, जो दशा स्वामी की स्थिति तथा उससे ग्रह के संबंध पर आधारित है। सुविधा के लिए हमने ग्रह के शुभ तत्वों की संगणना प्रतिशत में की है। 50 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले ग्रहों को लाभकारक तथा उससे नीचे हानिकारक समझना चाहिए। इस सूचना को आधार बनाकर आप अपनी जन्मकुंडली में दशा के प्रभावों का अध्ययन स्वयं ही कर सकते हैं। इसी तरह इन आंकड़ों द्वारा गोचर के प्रभाव का भी अध्ययन किया जा सकता है।

योग कारक एवं मारक

लग्न के लिए	:	योग कारक	-	शनि, शुक्र, बुध
		मारक	-	सूर्य, चंद्र, गुरु
जन्मकुंडली के लिए	:	योग कारक	-	शनि, शुक्र, सूर्य
		मारक	-	राहु, मंगल, चंद्र

जन्मकुंडली में ग्रह बल

सूर्य	48%	दुर्घटना से बचाव,
चन्द्र	41%	दम्पति,
मंगल	36%	दम्पति, सुख, धनार्जन
बुध	45%	दम्पति, शत्रु व रोग मुक्ति, भाग्योदय
गुरु	46%	पराक्रम, कम खर्च
शुक्र	51%	दम्पति, सन्तति सुख, व्यावसायिक उन्नति
शनि	57%	सुख, स्वास्थ्य, धन
राहु	34%	दुर्घटना से बचाव,
केतु	47%	धन, सुख

दशा काल में ग्रह बल

दशा	समाप्ति	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
शनि	31/05/2001	46	39	36	66	41	69	91	64	29
बुध	31/05/2018	55	58	68	85	58	88	61	35	42
केतु	31/05/2025	30	26	49	41	41	56	34	23	86
शुक्र	31/05/2045	30	58	68	85	58	88	73	48	54
सूर्य	31/05/2051	86	51	49	41	54	31	51	54	29
चन्द्र	31/05/2061	55	83	68	85	58	75	61	23	29
मंगल	30/05/2068	55	83	80	60	70	75	61	23	54
राहु	31/05/2086	61	26	24	41	41	56	76	79	29
गुरु	01/06/2102	55	68	65	45	85	48	47	35	42

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	2
भाग्यांक	1
मित्र अंक	2, 7, 8, 1
शत्रु अंक	4, 5, 6
शुभ वर्ष	20,29,38,47,56
शुभ दिन	शुक्र, शनि, बुध
शुभ ग्रह	शुक्र, शनि, बुध
मित्र राशि	मीन, मेष
मित्र लग्न	मेष, कन्या, वृश्चिक
अनुकूल देवता	शिव
शुभ रत्न	नीलम
शुभ उपरत्न	जमुनिया, बिलौर
भाग्य रत्न	पन्ना
शुभ धातु	लौह
शुभ रंग	काला
शुभ दिशा	पश्चिम
शुभ समय	संध्या
दान पदार्थ	कस्तूरी, कृष्ण गौ, उपानह
दान अन्न	उड़द
दान द्रव्य	तेल

रत्न चयन

रत्न जीवन में शुभत्व की वृद्धि के लिए धारण किए जाते हैं। वैज्ञानिक रूप से, रत्न अपने ग्रह की राशियों को पूर्णमात्रा में मानव शरीर में प्रवाहित कर ग्रह प्रभाव की वृद्धि करते हैं। यही कारण है कि रत्न केवल शुभ ग्रहों का ही धारण किया जाता है। ग्रह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रों की युति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढ़ाती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नों में एकादश, स्थिर में नवम व द्विस्वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत्न चयन हेतु ग्रह की शुभता दर्शाते हैं।

नीचे जन्मकुण्डली में ग्रहों की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शित किया गया है। साथ ही कौन सा ग्रह किस क्षेत्र में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस ग्रह को 75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसके रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिन्हें 50-75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उन्हें कार्य क्षेत्र अनुसार व अनुकूल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत्न केवल 25-50 प्रतिशत शुभता लिए हैं उनके रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अन्ततः जिन्हें 25 प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समझें और उनके रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

रत्न	ग्रह	शुभता	क्षेत्र
हीरा	शुक्र	92%	दम्पति, सन्तति सुख, व्यावसायिक उन्नति
नीलम	शनि	91%	सुख, स्वास्थ्य, धन
पन्ना	बुध	69%	दम्पति, शत्रु व रोग मुक्ति, भाग्योदय
लहसुनिया	केतु	64%	धन, सुख
मोती	चंद्र	56%	दम्पति
मूंगा	मंगल	47%	दाम्पत्य कष्ट, ग्रह कलेश, हानि
पुखराज	गुरु	12%	पराक्रम हानि, व्यय
माणिक्य	सूर्य	0%	दुर्घटना
गोमेद	राहु	0%	दुर्घटना

रत्न की शुभता

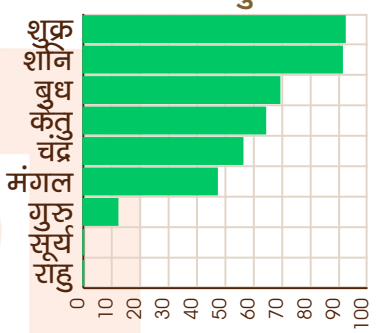

दशानुसार रत्न विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मोती	मूंगा	पन्ना	पुखराज	हीरा	नीलम	गोमेद	लहसुनिया
शनि	31/05/2001	0%	37%	22%	75%	12%	98%	100%	0%	52%
बुध	31/05/2018	0%	37%	47%	81%	12%	98%	91%	0%	64%
केतु	31/05/2025	0%	37%	55%	69%	12%	98%	78%	0%	77%
शुक्र	31/05/2045	0%	37%	47%	75%	12%	100%	97%	0%	70%
सूर्य	31/05/2051	0%	62%	55%	69%	24%	80%	78%	0%	52%
चंद्र	31/05/2061	0%	68%	47%	75%	12%	92%	91%	0%	52%
मंगल	30/05/2068	0%	62%	61%	56%	24%	92%	91%	0%	70%
राहु	31/05/2086	0%	37%	22%	69%	12%	98%	97%	0%	52%
गुरु	01/06/2102	0%	62%	55%	56%	37%	80%	91%	0%	64%

विस्तृत रत्न विचार

औषधि मणि मंत्राणां, ग्रह-नक्षत्र तारिका ।
भाग्यकाले भवेत्सिद्धिः अभाग्यं निष्फलं भवेत ।।

औषधि, मणि एवं मंत्र ग्रह नक्षत्र जनित रोगों को दूर करते हैं। यदि समय सही है तो इनसे उपयुक्त फल प्राप्त होते हैं। विपरीत समय में ये सभी निष्फल हो जाते हैं।

रत्न शरीर की शोभा बढ़ाने के साथ साथ अपनी चमत्कारिक शक्ति द्वारा ग्रहों के विपरीत प्रभावों को कम करके ग्रह बल को बढ़ाते है। रत्न हमारे शरीर में ग्रहों से आ रही किरणों का प्रवाह बढ़ाते हैं। अतः जो ग्रह आपकी कुण्डली में शुभ हो लेकिन निर्बल हो उनका रत्न पहनने से ग्रह की निर्बलता दूर होती है। यही कारण है कि अशुभ ग्रहों के रत्न सर्वदा त्याज्य है।

रत्न जितना साफ व सही कटाव का होगा उतना ही अधिक रश्मियों को एकत्रित करने में सक्षम होता है। अतः अच्छी गुणवत्ता के रत्न ही पूर्णतः फल देने में समर्थ होते है। रत्न का वजन व शरीर का वजन ग्रह की निर्बलता के अनुपात में होना चाहिए। यदि ग्रह बहुत कमजोर है तो अधिक वजन का रत्न पहनना चाहिए। हीरे को छोड़कर रत्न शरीर से छुना अति आवश्यक हैं। अंगूली में व विशेष धातु में पहनने से रत्न का प्रभाव अधिकतम होता है।

यदि किसी कारणवश रत्न उतारना है तो रत्न के वार के दिन ही उतारकर श्रद्धापूर्वक गंगाजल में धोकर सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए। यदि रत्न खो जाए या चोरी हो जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह दोष खत्म हो गया है। यदि रत्न का रंग फिका पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह का अशुभ प्रभाव शांत हुआ समझना चाहिए। यदि रत्न में दरार पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह प्रभावशाली है तब ग्रह की शांति कराए तथा दूसरा रत्न बनवाकर पुनः पहनें।

कुंडली में जो ग्रह अशुभ हो उनके लिए रुद्राक्ष धारण, मंत्र, दान, जल, विसर्जन एवं व्रत आदि उपायों से ग्रहों की अशुभता को दूर किया जा सकता है। यदि आप किसी कारणवश रत्न धारण करने में असमर्थ है तो आप इन रत्नों के रुद्राक्ष या उपरत्न धारण कर ग्रह शुभता प्राप्त कर सकते है अन्यथा मंत्र जाप। दान या व्रत आदि से भी ग्रहों का बलाबल बढ़ा सकते है।

किसी भी कुंडली के लिए लग्नेश जीवन रत्न होता है और इसके धारण करने से स्वास्थ्य लाभ व व्यक्तित्व विकास व मान-सम्मान प्राप्त होता है। नवमेश का रत्न भाग्य रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से भाग्य की बढ़ोतरी होते है। साथ ही यह रत्न मान-प्रतिष्ठा भी बढ़ाता है। योगकारक या पंचमेश ग्रह का रत्न। कारक रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से कार्य में प्रगति। धन लाभ व चौमुखी विकास प्राप्त होता है। आपको कौन सा रत्न पहनना चाहिए व कौन सा नहीं इसके लाभ/हानि की जानकारी विस्तृत रूप में नीचे दी जा रही है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न। द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान सिद्ध हो सकता है।

आपकी कुडंली और रत्न

आपके लिए हीरा व नीलम रत्न धारण करना अति शुभ फलदायक है। इन्हें आप सर्वदा धारण करेंगे तो आपके जीवन का चहुंमुखी विकास होगा। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

नीलम आपका जीवन रत्न है इसको धारण करने से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य क्षेत्र में प्रगति होगी।

हीरा आपका कारक रत्न है। कारक रत्न के धारण करने से व्यावसायिक उन्नति प्राप्त होती है। धन लाभ होता है। सुख सम्पत्ति की प्राप्ति होती है। जीवन में नयी ऊर्जा का प्रवाह होता है।

अतः उपरोक्त रत्न आप अवश्य धारण करें। सभी रत्न जीवन पर्यन्त धारण करने से ग्रहों की विशेष शुभता प्राप्त होगी और जीवन सुखमय होकर गतिमान होगा। उपरोक्त रत्न आप बिना किसी दशा या गोचर विचार के धारण कर सकते हैं क्योंकि सभी रत्न अति शुभफलदायी हैं।

आपके लिए पन्ना, लहसुनिया एवं मोती रत्न शुभ हैं लेकिन ये रत्न दशानुसार शुभाशुभ फल देने में सक्षम है। अतः इन्हें आप स्वदशा या मित्र दशा में धारण करेंगे तो ये शुभ फल देंगे। शत्रु दशा में इनको नहीं पहनना ही बेहतर होगा। उस समय इन ग्रहों के उपाय आप रुद्राक्ष पहन कर या दान, मंत्र जाप आदि से करना श्रेष्ठ होगा।

मूंगा रत्न आपके लिए नेष्ट है। अतः इसे न पहनना ही बेहतर है। इसे धारण करने से आपको मानसिक परेशानी एवं स्वास्थ्य हानि हो सकती है। अतः यदि इसे धारण करना हो तो इसकी अनुकूलता का परीक्षण अवश्य कर लें और विभिन्न दशाओं में इसकी अनुकूलता का परिक्षण करते रहें, क्योंकि यह रत्न आपके लिए किसी दशा या गोचर में विशेष कष्टकारी भी हो सकता है।

पुखराज, माणिक्य व गोमेद रत्न पहनना आपके लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता है। क्योंकि इनके स्वामी ग्रह आपकी कुंडली में बिल्कुल भी शुभ फलदायक नहीं हैं। अतः इन रत्नों का आप सर्वदा त्याग ही करें। इनके पहनने से आपको सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य के पक्ष से विपरीत फल प्राप्त हो सकते हैं। मान-सम्मान में कमी, धन-धान्य का अभाव तथा उन्नति बाधित हो सकती है। इन रत्नों का आप जीवन पर्यन्त ही त्याग करें क्योंकि ये रत्न किसी भी दशा या गोचर में शुभफलदायी नहीं हो सकते।

विभिन्न रत्न आपके लिए किस प्रकार से फलदायी रहेंगे एवं उनकी धारण विधि का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है :-

हीरा

आपकी कुंडली में शुक्र सप्तम भाव में स्थित है। आपको शुक्र रत्न हीरा धारण करना चाहिए। यह रत्न धारण कर आप श्रेष्ठ व्यक्तियों से स्नेह करने वाले भाग्यवान व्यक्ति बनेंगे। रत्न शुभता से आप चंचल, विलासी और संगीत को पसंद करने वाले व्यक्ति बनेंगे। रत्न शुभता से आप एक श्रेष्ठ कलाकार हो सकते हैं। गायन और अभिनय में आपकी रुचि जागृत करने में भी हीरा रत्न लाभदायक साबित हो सकता है। हीरा रत्न वैवाहिक जीवन को सुखमय बनाये रखने में उपयोगी रहेगा। रत्न शुभता से आपको विदेश यात्राओं अथवा दूर की यात्राओं के अवसर प्राप्त हो सकते है।

आपकी मकर लग्न की कुंडली में शुक्र पंचमेश एवं दशमेश है। आप शुक्र रत्न हीरा धारण कर सकते है। हीरा रत्न आपको माता-पिता से सुख, शारीरिक सौंदर्य की वृद्धि, भू-संपति का सुख दिला सकता है। इस रत्न को धारण कर आप वाहन, राज्य व आजीविका क्षेत्र से शुभ फल प्राप्त हो सकते है। लाभ व प्रतिष्ठा प्राप्ति के लिए भी आप यह हीरा रत्न धारण कर सकते है। यह रत्न पंचमेश का होने के कारण आपको विद्या, बुद्धि एवं संतान सुख को अनुकूल करने में सहयोग कर सकता है।

हीरा रत्न सोने धातु की अंगूठी में जड़वाकर, शुक्रवार के दिन सूर्य उदय के पश्चात स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर रत्न को रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से मिलकर बने पंचामृत में डूबोकर शुद्ध कर, अपने देव स्थान पर रखकर शुक्रदेव और रत्न को धूप, दीप एवं फूल दिखाकर अनामिका अंगूली में धारण करें। हीरा रत्न धारण करते समय शुक्र मंत्र ऊँ शं शुक्राय नमः का १०८ बार मंत्र जाप करना चाहिए। मंत्र जाप करने के बाद शुक्र ग्रह की वस्तुएं जैसे- चावल, चांदी, घी, श्वेत वस्त्र आदि वस्तुओं का दान करें। हीरा 1 रत्ती से अधिक बजन का धारण करना चाहिए। यह छोटे टुकड़ों में भी पहना जा सकता है।

हीरा रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा एवं पुखराज रत्न धारण करना सर्वदा वर्जित है। अंगूठी रूप रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में इसे लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते है। हीरा रत्न के स्थान पर इस रत्न के उपरत्न ओपल, जर्कन, स्फटिक एवं ६ मुखी रुद्राक्ष धारण किया जा सकता है।

नीलम

आपकी कुंडली में शनि चतुर्थ भाव में स्थित है। आपको शनि रत्न नीलम धारण करना चाहिए। नीलम रत्न आपको धैर्य संपन्न और लोभरहित रखेगा। इस रत्न के प्रभाव से आप व्यसनहीन, न्यायप्रिय और अतिथियों का सत्कार करने वाले व्यक्ति बनेंगे। आपको प्रचुर मात्रा में धन की प्राप्ति होगी। नीलम रत्न शीघ्र फल देने वाला रत्न है। रत्न के फलस्वरूप आपके पास विभिन्न प्रकार के वाहन होंगे। जन्मस्थान से दूर रहकर आपको तरक्की की प्राप्ति होगी। नौकरी, विवाह, संतान आदि के लिए भी यह रत्न आपके अनुकूल सिद्ध होगा।

आपकी मकर लग्न की कुंडली में शनि लग्नेश एवं द्वितीयेश है। शनि रत्न नीलम धारण कर आप शनि के सभी शुभफल प्राप्त कर सकते है। यह नीलम रत्न आपको स्वभाव, शरीर आरोग्यता, आयु, यश एवं प्रतिष्ठा दे सकता है। इस रत्न को धारण करने से आपके संचित धन में वृद्धि हो सकती है। रत्न शुभता से स्वास्थ्य शुभ, व्यक्तित्व उज्जवल, अचल संपत्ति, कुटुंब, उत्तम भोजन, पारिवारिक सुख, वाणी की मधुरता एवं आरम्भिक शिक्षा उत्तम हो सकती है। नीलम रत्न प्रभाव से आपके परिवार में बढ़ोतरी हो सकती है।

नीलम रत्न शनिवार के दिन पंचधातु से निर्मित अंगूठी में जड़वाकर, संध्या काल में स्नानादि कर शुद्ध होकर अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, धूप, दीप एवं फूल से पूजन करने के बाद इस अंगूठी को मध्यमा अंगूठी में धारण करें। तत्पश्चात शनि मंत्र ऊँ शं शनैश्चराय नमः का जाप एक माला करें। मंत्र जप के बाद इस ग्रह की वस्तुएं जैसे- उड़द, काले तिल, तेल, काले वस्त्र आदि का दान किसी योग्य व्यक्ति को करें। नीलम रत्न कम से कम 3 रत्ती, अन्यथा 5-6 रत्ती का होना चाहिए।

नीलम रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा, पुखराज धारण करने से बचना चाहिए। विशेष स्थितियों में इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता है। किसी कारणवश यदि इस रत्न को धारण न कर पाएं तो इसके उपरत्न फिरोजा, नीली, एमेथिस्ट एवं ७ मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते है।

पन्ना

आपकी कुंडली में बुध सप्तम भाव में स्थित है। आपको बुध रत्न पन्ना धारण करना चाहिए। पन्ना रत्न आपको धनवान बनाएगा। रत्न शुभता से आपका विवाह कुलीन परिवार में होगा। यह रत्न आपको उदार और धार्मिक प्रवृति का रखेगा। आपके लिये यह शुभ रत्न होने के कारण इसे धारण कर आप विद्वान, लेखक या सम्पादक हो सकते है। पन्ना आपको शिल्पकला में निपुण, चतुर और विनोदी बनाएगा। रत्न शुभता से आप एक कुशल व्यवसायी बनेंगे। क्रय-विक्रय विषयों से आपको लाभ प्राप्त होगा। व्यावसायिक साझेदारी से आपके अनुकूल फल प्राप्त होंगे।

आपकी मकर लग्न की कुंडली में बुध नवमेश व षष्ठेश है। बुध रत्न पन्ना आपका भाग्य रत्न है। इस रत्न को धारण कर आप अपने भाग्य को प्रगतिशील बना सकते है। धर्म, कर्म और आध्यात्मिक विषयों से सहज जुड़ सकते है। पन्ना रत्न धारण से आप शत्रुओं को बुद्धिमानी से परास्त कर पायेंगे। यह रत्न आपको यथायोग्य सम्मान दिलाएगा। रत्न शुभता से आपके बाधित कार्य फिर से बनने लगेंगे। पन्ना रत्न की शुभता से आप अपने ऋणों का समय पर भुगतान करने में सफल रहेंगे। दैनिक व्यवसाय की कठिनाईयां रत्न शुभता से दूर हो सकती है।

पन्ना रत्न कनिष्ठिका अंगूली में धारण करना चाहिए। इस रत्न को सोना धातु में जड़वाकर आप प्रातःकाल में स्नानादि नित्यक्रियाओं से निवृत होने के बाद रत्न को पंचामृत से शुद्ध कर धूप, दीप और फूल दिखाकर धारण कर सकते है। पन्ना रत्न धारण करते समय बुध मंत्र ऊँ बुं बुधाय नमः का १ माला या ५ माला जाप करना चाहिए। तदुपरांत बुध ग्रह की वस्तुएं

जैसे - मूंग, कस्तूरी, कांसा, हरित वस्त्र आदि का यथाशक्ति दान करना चाहिए। रत्न इस प्रकार धारण करें कि वह शरीर को स्पर्श करें। पन्ना रत्न 3 रत्ती का कम से कम, अन्यथा 6 रत्ती का होना चाहिए।

इस रत्न को आप लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या विपरीत हाथ में भी धारण कर सकते है। पन्ना रत्न धारण करने में आप असमर्थ हो तो आप इसके स्थान पर मरगज, हरा हकीक, पेरिडोट एवं ४ मुखी रुद्राक्ष धारण कर सकते है।

लहसुनिया

आपकी कुंडली में केतु दूसरे भाव में स्थित है। दूसरे भाव की शुभता प्राप्ति के लिए आपको केतु रत्न लहसुनिया धारण करना चाहिए। लहसुनिया रत्न आपको सरकारी क्षेत्रों के दंड़ से बचाव करेगा। वाणी में दार्शनिकता का भाव लायेगा। यह रत्न आपके रोगों में कमी करेगा। परिवारिक संबंधों में मधुरता लाने में भी लहसुनिया रत्न शुभ फल प्रदान करेगा। धन बढ़ायेगा। पारिवारिक सुखों को बढ़ायेगा। केतु रत्न लहसुनिया आपके लिए शुभत्व प्रदायक रत्न है।

केतु कुम्भ राशि में स्थित है व इसका स्वामी शनि चतुर्थ भाव में स्थित है। अतः लहसुनिया रत्न धारण करने से आपकी मानसिक परेशानियों में कमी होगी। यह रत्न आपको सुख शांति, पारिवारिक सौहार्द और भूमि-भवन के विषयों में लाभ देगा। इसके अतिरिक्त यह रत्न आपको सरकार व सगे संबंधियों से सुख-सहयोग की स्थिति बनाए रखेगा। तथा यह रत्न आपको परदेश का सुख देगा तथा आपके मातृ सुख में वृद्धि करेगा। इसके अतिरिक्त इस रत्न को धारण करने से आपको भौतिक सुख-सुविधाओं का सुख भोगने के प्रर्याप्त अवसर प्राप्त होंगे। यह रत्न आपकी संतोष भावना को बढ़ाएगा। आपको सेवकों का सुख प्राप्त होगा। शैक्षिक पक्ष से भी इस रत्न की शुभता आपके साथ बनी हुई है।

लहसुनिया रत्न को चांदी धातु में जड़वाकर गुरुवार के दिन सूर्यास्त काल में धारण किया जा सकता है। लहसुनिया रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, इसका धूप, दीप और फूलों से पूजन करने के बाद अनामिका अंगूली में धारण करें। रत्न धारण के पश्चात केतु रत्न मंत्र ऊँ के केतवे नमः का ९ माला जाप करें। मंत्र जाप के बाद केतु ग्रह की वस्तुओं का दान किसी योग्य व्यक्ति को करना शुभ रहता है। केतु वस्तुएं इस प्रकार है- सप्तधान्य, नारियल, धूम्र वस्त्र। लहसुनिया रत्न का वजन कम से कम 4 रत्ती और अधिकतम 8-10 रत्ती होना चाहिए। अंगूठी रूप में रत्न धारण करने में किसी प्रकार की असमर्थता होने पर इसे ल ॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता है।

लहसुनिया रत्न धारण करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि इस रत्न के साथ माणिक्य एवं गोमेद रत्न धारण करना प्रतिकूल फल प्रदान कर सकता है।

मोती

आपकी कुंडली में चंद्र सप्तम भाव में स्थित है। आपको चंद्र रत्न मोती धारण करना चाहिए। मोती रत्न धारण से आपके स्वभाव की चंचलता की कमी होगी। यह रत्न आपकी नेतृत्त्व करने की क्षमता बढ़ायेगा। रत्न शुभता से आपको अनेक यात्राएं करनी पड़ सकती है। मोती

रत्न आपकी स्फूर्ति बढ़ायेगा। जीवन साथी से आपके संबंध आत्मीय रहेंगे। मोती रत्न आपको आपके व्यवसाय में अच्छी सफलता देगा। रत्न प्रभाव से आपको एक से अधिक बार व्यापार क्षेत्र में बदलाव करने पड़ सकते है।

आपकी मकर लग्न की कुंडली में चंद्र सप्तम भाव के स्वामी है। चंद्र रत्न मोती धारण करना आपके लिए विशेष शुभ रहेगा। मोती रत्न धारण करने से आपका अपने जीवन साथी से विशेष स्नेह बना रहेगा। मोती की शुभता से दांपत्य जीवन स्नेह और सौहार्द भाव से परिपूर्ण हो सकता है। यह रत्न आपके स्वाभिमान भाव में बढ़ोतरी कर सकता है। मोती रत्न से आपको क्रय-विक्रय से संबन्धित क्षेत्रों में उत्तम लाभ देकर मनोकूल सफलता दे सकता है। रत्न शुभता से आप ग्रहस्थ जीवन में स्थिरता आयेगी। यह रत्न आपको विनोदी स्वभाव देकर आपको विपरीत परिस्थितियों का मुस्करा कर मुकाबला करने की शक्ति दे सकता है। ससुराल से लाभ, सम्मानित, व्यवसाय में लाभ व मानसिक शांति प्राप्ति के लिए भी मोती रत्न धारण किया जा सकता है।

मोती रत्न चांदी की अंगूठी में जड़वाकर, कनिष्ठिका अंगूली में, सोमवार को प्रातः काल में धारण करना शुभ है। प्रातः काल की सभी क्रियाओं को करने के बाद इस रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर शुद्ध कर लें। तत्पश्चात इसकी धूप, दीप, फूल से पूजा करने के बाद इसे धारण करना चाहिए। रत्न धारण करने के पश्चात चंद्र मंत्र ऊँ सौं सौमाय नमः का एक माला जाप रुद्राक्ष माला पर करना चाहिए। तदुपरांत चंद्र वस्तुओं जैसे- चावल, चीनी, चांदी, श्वेत वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। मोती रत्न कम से कम ४ रत्ती से १० रत्ती का धारण करना शुभफलकारी होता है।

मोती रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न धारण करने से बचना चाहिए। मोती रत्न अंगूठी रूप के अलावा लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते है। विशेष आवश्यकता होने पर आप मोती रत्न के उपरत्न जैसे - सफेद मूल स्टोन, सफेद हकीक एवं २ मुखी रुद्राक्ष आदि भी धारण कर सकते है।

मूंगा

आपकी कुंडली में मंगल सप्तम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः मंगल रत्न मूंगा धारण करने पर आपके जीवन साथी के क्रोध भाव में वृद्धि हो सकती है। आपका वैवाहिक जीवन दुःखमयी हो सकता है। इस रत्न को धारण करने पर आपका विवाह देरी से हो सकता है। जीवनसाथी के साथ व्यवहार में सरसता की कमी अलगाव तक लेकर जा सकती है। रत्न प्रभाव आपको बेचैनी और चिडचिडापन देने के साथ-साथ तर्क और बहस करने वाला भी बना सकता है। सफलता के लिए आपको कडी मेहनत करनी पड़ सकती है। रत्न धारण से वात रोग, पेट से संबंधित तकलीफें बढ़ सकती है। तथा मुकद्दमों में धन हानि के योग बन सकते है।

आपकी मकर लग्न की कुंडली में मंगल चतुर्थेश एवं एकादशेश है। मंगल रत्न मूंगा धारण करने पर भूमि-भवन के विषय सहजता से पूर्ण नहीं होंगे। मूंगा रत्न आपको संपत्ति के क्रय-विक्रय से संबंधित कार्यक्षेत्रों में हानि दे सकता है। इस रत्न के प्रभाव से आपको

जन्मस्थान से दूर रहना पड़ सकता है। यह रत्न आपकी माता, वाहन एवं समाज का सुख मार्ग बाधित कर सकता है। इस रत्न को धारण करने के बाद आप अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने क लिए प्रेरित हो सकते है। उच्चाभिलाषा की कामना आपको आंशिक रूप से स्वाथी भी बना सकती है। मूंगा रत्न आपको जोश, साहस और जोखिम पूर्ण क्षेत्रों में आय व लाभार्जन की प्रवृति आपको दे सकता है।

पुखराज

आपकी कुंडली में गुरु तीसरे भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः पुखराज रत्न धारण करने पर आपका साहस भाव और पहल क्षमता कम हो सकती है। आपको अपनी शिक्षा का लाभ कम ही मिल पाएगा। आप अपनी योग्यता का पूरा लाभ नहीं उठा पायेंगे। भाग्य, आय का अनुकूल न होना आपमें विवेक की कमी कर सकता है। यह रत्न आपके सुख-सौभाग्य और सहोदर भ्राताओं से प्राप्त सुख में कमी कर सकता है। गुरु रत्न आपकी संकल्पशक्ति में भी कमी कर सकता है। इस रत्न से आपका धार्मिक और आध्यात्मिक पक्ष कमजोर हो सकता है। पुखराज रत्न के प्रभाव से आपके वैवाहिक जीवन में भी उतार चढ़ाव की स्थिति बन सकती है.

आपकी मकर लग्न के कुंडली में गुरु तृतीयेश एवं द्वादशेश है। गुरु का रत्न पुखराज धारण करना आपके लिए अनुकूल नहीं रहेगा। पुखराज रत्न पहनने पर अनिद्रा रोग प्रभावी होकर आपके स्वास्थ्य में कमी कर सकते है। कार्यो को पूर्ण करने के लिए आपको अधिक प्रयास करने पड़ सकते है। जिसके कारण आपको आराम के अवसर कम मिलेंगे। यह भी आपको अस्वस्थ करेगा। इस रत्न के प्रभाव से आप चिंता और अपमान से पीड़ित हो सकते है। मोक्ष प्राप्ति के मार्ग को यह रत्न बाधित कर सकता है। पुखराज रत्न आपके विदेश भाव को प्रबल कर आपको व्यर्थ की यात्राएं दे सकता है। इसके अतिरिक्त इस रत्न को धारण करने पर आपको आर्थिक दंड के रूप में टैक्स (कर) देने पड़ सकते है।

माणिक्य

आपकी कुंडली में सूर्य अष्टम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः सूर्य रत्न माणिक्य पहनने पर आपको समय समय पर सरकारी क्षेत्रों में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। पिता के स्वास्थ्य में कमी हो सकती है। सूर्य रत्न माणिक्य धारण करने पर आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है। इस रत्न को पहनने पर आपको पित्त संबंधी रोग हो सकते है। ह्रदय रोग भी यह रत्न आपक दे सकता है। यह रत्न आपकी धैर्य शक्ति में कमी कर क्रोध भाव में वृद्धि कर सकता है। रत्न प्रभाव से आप पर कार्य भार बढ़ सकता है। आपको आंखों से संबंधित रोग परेशान कर सकते है। पिता से संबंध मधुर बनाए रखने के लिए आपको विशेष प्रयास करने पड़ सकते है।

आपकी मकर लग्न की कुंड़ली में सूर्य अष्टमेश है। अष्टमेश सूर्य का माणिक्य रत्न धारण करना आपके लिए प्रतिकूल सिद्ध हो सकता है। माणिक्य रत्न धारण करने पर आपके स्वास्थ्य सुख में कमी हो सकती है। इस रत्न में शुभता की कमी के कारण आप पदोन्नति के लिए विशेष चातुर्य का प्रयोग करने का प्रयास कर सकते है। सरकारी क्षेत्रों से अपना काम

निकलवाने के लिए भी आप अन्य स्त्रोतों का सहयोग लेने से पीछे नहीं हटेंगे। रत्न प्रभाव से आप अपनी अधिकारिक शक्तियों का आंशिक दुरुपयोग कर सकते है। रत्न की अनुकूलता आपके साथ नहीं है। इसलिए यह रत्न आपके पिता के स्वास्थ्य में कमी का कारण बन सकता है। यह रत्न आपको दीर्घकालीन रोग दे सकता है।

गोमेद

आपकी कुंडली में राहु अष्टम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः राहु रत्न गोमेद धारण करने पर आपको जन्म स्थान पर रहने के अवसर कम मिल सकते है। यह रत्न आपको स्वभाव से जल्दबाज और वाचाल बना सकता है। आपकी सहभागिता ऐसे कार्यो में भी हो सकती है जो धार्मिक व सामाजिक न हो। बातचीत में भाषा की शालीनता का उल्लंघन आपके द्वारा हो सकता है। गोमेद रत्न के कारण वृद्ध अवस्था में आप को सुख की कमी का सामना करना पड़ सकता है। रत्न प्रभाव से धन हानि के योग भी बन रहे है। आपका अधिकांश समय विदेश में व्यतीत हो सकता है।

राहु सिंह राशि में स्थित है व इसका स्वामी सूर्य आठवें भाव में स्थित है। अतः गोमेद रत्न धारण करने से आपकी आयु में कमी होगी। आप असाध्य रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। बुरे मित्रों से आपके संबंध हो सकते हैं। यह रत्न आपमें साहस की कमी करेगा तथा आपमें उतावलापन देगा। धन संचय करना आपके लिए बेहद कठिन होगा। इस रत्न से आपके मान-सम्मान में कमी हो सकती है। यह रत्न आपकी वृद्धावस्था में कष्ट का कारण बन सकता है। रत्न प्रतिकूलता आपकी भाषा में अशिष्टता का भाव देगी। इस रत्न को पहनकर आप दुरूसाधनों से धन संचय का प्रयास करेंगे। यह रत्न आपको अवैध धन कमाने की ओर अग्रसर करेगा।

दशानुसार रत्न विचार

केतु
(31/05/2018 - 31/05/2025)

केतु की दशा में आपका हीरा, नीलम व लहसुनिया रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

पन्ना व मूंगा रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मोती रत्न नेष्ट हैं और पुखराज, माणिक्य व गोमेद रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

शुक्र
(31/05/2025 - 31/05/2045)

शुक्र की दशा में आपका हीरा, नीलम व पन्ना रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मूंगा व मोती रत्न नेष्ट हैं और पुखराज, माणिक्य व गोमेद रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

सूर्य
(31/05/2045 - 31/05/2051)

सूर्य की दशा में आपका हीरा व नीलम रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

पन्ना, मोती, मूंगा व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज, माणिक्य व गोमेद रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

चन्द्र
(31/05/2051 - 31/05/2061)

चन्द्र की दशा में आपका हीरा, नीलम व पन्ना रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

मोती व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मूंगा रत्न नेष्ट हैं और पुखराज, माणिक्य व गोमेद रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

मंगल
(31/05/2061 - 30/05/2068)

मंगल की दशा में आपका हीरा व नीलम रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनिया, मोती, मूंगा व पन्ना रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज, माणिक्य व गोमेद रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

राहु
(30/05/2068 - 31/05/2086)

राहु की दशा में आपका हीरा व नीलम रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

पन्ना व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मोती रत्न नेष्ट हैं और मूंगा, पुखराज, माणिक्य व गोमेद रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

गुरु
(31/05/2086 - 01/06/2102)

गुरु की दशा में आपका नीलम व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनिया, मोती, पन्ना व मूंगा रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज रत्न नेष्ट हैं और माणिक्य व गोमेद रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

रुद्राक्ष

रुद्राक्ष को शिव का अश्रु कहा जाता है। रुद्राक्ष दो शब्दों के मेल से बना है पहला रुद्र का अर्थ होता है भगवान शिव और दूसरा अक्ष इसका अर्थ होता है आंसू। माना जाता है की रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। रुद्राक्ष भगवान शिव के नेत्रों से प्रकट हुई वह मोती स्वरूप बूँदें हैं जिसे ग्रहण करके समस्त प्रकृति में आलौकिक शक्ति प्रवाहित हुई तथा मानव के ह्रदय में पहुँचकर उसे जागृत करने में सहायक हो सकी।

रुद्राक्ष की भारतीय ज्योतिष में भी काफी उपयोगिता है। ग्रहों के दुष्प्रभाव को नष्ट करने में रुद्राक्ष का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है, जो अपने आप में एक अचूक उपाय है। गम्भीर रोगों में यदि जन्मपत्री के अनुसार रुद्राक्ष का उपयोग किया जाये तो आश्चर्यचकित परिणाम देखने को मिलते है। रुद्राक्ष की शक्ति व सामर्थ्य उसके धारीदार मुखों पर निर्भर होती है। रुद्राक्ष सिद्धिदायक, पापनाशक, पुण्यवर्धक, रोगनाशक, तथा मोक्ष प्रदान करने वाला है।

एक मुखी से लेकर चौदह मुखी तक रुद्राक्ष विशेष रूप से पाए जाते है, उनकी अलौकिक शक्ति और क्षमता अलग-अलग मुख रूप में दर्शित होती है। रुद्राक्ष धारण करने से जहां आपको ग्रहों से लाभ प्राप्त होगा वहीं आप शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। रुद्राक्ष का स्पर्श, दर्शन, उस पर जप करने से, उस की माला को धारण करने से समस्त पापो का और विघ्नों का नाश होता है ऐसा महादेव का वरदान है, परन्तु धारण की उचित विधि और भावना शुद्ध होनी चाहिए।

रुद्राक्ष दाने पर उभरी हुई धारियों के आधार पर रुद्राक्ष के मुख निर्धारित किये जाते हैं। रुद्राक्ष के बीचों-बीच एक सिरे से दूसरे सिरे तक एक रेखा होती है जिसे मुख कहा जाता है। रुद्राक्ष में यह रेखाएं या मुख एक से 14 मुखी तक होते हैं और कभी-कभी 15 से 21 मुखी तक के रुद्राक्ष भी देखे गए हैं। आधी या टूटी हुई लाईन को मुख नहीं माना जाता है। जितनी लाईनें पूरी तरह स्पष्ट हों उतने ही मुख माने जाते हैं।

पुराणों में प्रत्येक रुद्राक्ष का अलग-अलग महत्व और उपयोगिता का उल्लेख किया गया है -

एक मुखी - सूर्य ग्रह - स्वास्थ्य, सफलता, मान-सम्मान, आत्म - विश्वास, आध्यात्म, प्रसन्नता, अनायास धनप्राप्ति, रोगमुक्ति तथा व्यक्तित्व में निखार और शत्रुओं पर विजय प्राप्त कराता है।

दो मुखी - चंद्र ग्रह- वैवाहिक सुख, मानसिक शान्ति, सौभाग्य वृद्धि, एकाग्रता, आध्यात्मिक उन्नति, पारिवारिक सौहार्द, व्यापार में सफलता और स्त्रियों के लिए इसे सबसे उपयुक्त माना गया है।

तीन मुखी - मंगल ग्रह- शत्रु शमन और रक्त सम्बन्धी विकार को दूर करने में सहायक होता है ।

चार मुखी - बुध ग्रह- शिक्षा, ज्ञान, बुद्धि - विवेक, और कामशक्ति में वृद्धि प्राप्त कराता है।

पांच मुखी - गुरू ग्रह- शारीरिक आरोग्यता, अध्यात्म उन्नति, मानसिक शांति और प्रसन्नता के लिए भी इसका उपयोग किया होता है।

छः मुखी - शुक्र ग्रह - प्रेम सम्बन्ध, आकर्षण, स्मरण शक्ति में वृद्धि, तीव्र बुद्धि, कार्यो में पूर्णता और व्यापार में आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त कराता है।

सात मुखी - शनि ग्रह- शनि दोष निवारण, धन-संपत्ति, कीर्ति, विजय प्राप्ति, और कार्य व्यापार आदि में बढ़ोतरी कराने वाला है।

आठ मुखी - राहू ग्रह- राहु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, ज्ञानप्राप्ति, चित्त में एकाग्रता, मुकदमे में विजय, दुर्घटनाओं तथा प्रबल शत्रुओं से रक्षा, व्यापार में सफलता और उन्नतिकारक है।

नौ मुखी - केतू ग्रह- केतु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, सुख-शांति, व्यापार वृद्धि, धारक की अकालमृत्यु नहीं होती तथा आकस्मिक दुर्घटना का भी भय नहीं रहता।

10 मुखी - भगवान महावीर- कार्य क्षेत्र में प्रगति, स्थिरता व वृद्धि, सम्मान, कीर्ति, विभूति, धन प्राप्ति, लौकिक-पारलौकिक कामनाएँ पूर्ण होती हैं।

11 मुखी - इंद्र ग्रह- आर्थिक लाभ व समृद्धिशाली जीवन, किसी विषय का अभाव नहीं रहता तथा सभी संकट और कष्ट दूर हो जाते हैं।

12 मुखी - भगवान विष्णु ग्रह- विदेश यात्रा, नेतृत्व शक्ति प्राप्ति, शक्तिशाली, तेजस्वी बनाता है। ब्रह्मचर्य रक्षा, चेहरे का तेज और ओज बना रहता है। शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा मिट जाती है।

13 मुखी - इंद्र ग्रह- सर्वजन आकर्षण व मनोकामना प्राप्ति, यश-कीर्ति, मान-प्रतिष्ठा व कामदेव का प्रतीक है। उपरी बाधा और नजर दोष से बचाव के लिए विशेष उपयोगी है।

14 मुखी - शनि ग्रह- आध्यात्मिक उन्नति, शक्ति, धन प्राप्ति व कष्टनिवारक हैं। शनि की साढ़ेसाती या ढैया में विशेष कष्टनिवारक है।

आपकी कुडंली और रूद्राक्ष

आपकी कुंडली मकर लग्न की है। आपके व्यक्तित्व पर शनि का प्रभाव दिखाई पड़ता है। आप मेहनती हैं, इसलिए बिना रूके निरन्तर कार्य करते रहते हैं, जिस कारण इनके किये हुए कार्यो में गलतियों की संभावना कम रहती है। आप दृढ़ निश्चयी और संयमी हैं। जीवन से आने वाली बाधाओं से घबराते नहीं हैं, बल्कि उनका डटकर मुकाबला करते हैं। दूसरों की मदद करने की प्रवृति रखते है। साथ ही आप हंसमुख है। आप में व्यय अधिक करने का स्वभाव हो सकता हैं। दूसरों की मदद करने वाले होते हैं। आप हँसमुख हैं। आप कम समय में किसी भी परिस्थिति में अपने का ढालने में दक्ष होते हैं।

आप गलत बातें सहन नहीं कर पाते चाहे उस विरोध में अकेले ही रह जाये। आप

अपनी समझदारी और सूझ-बूझ का परिचय देते हुए बड़ी ही आसानी से अपना कार्य करवा लेते हैं। हर विषय में आपकी रूचि रहती है और हर क्षेत्र में सफलता पाना चाहे हैं और अपनी मेहनत और लगन से सफलता हासिल कर भी लेते हैं। आप न्याय है और कभी किसी के साथ धोखा नहीं करते। असफलता मिलने पर आप शीघ्र निराश हो जाते है। व्यर्थ की बातें करने में अपना वक्त व्यय नहीं करते और अपने भविष्यके बारे में सोचते है। आप परोपकारी है और अनुशासन पसंद हैं। अपने सिद्धांतों पर जीते है। आप परोपकारी हैं।

कुंडली के सभी 12 भाव सदैव शुभ फल नहीं देते। 12 भावों में से 6, 8 व 12 वां भाव जिन्हें त्रिक भाव के नाम से भी जाना जाता हैं। इन भावों के भावेश तथा इन भावों में स्थित ग्रह अशुभ होने के कारण अशुभ फल देते हैं। त्रिक भावों के स्वामी व इनमें बैठे ग्रह किसी न किसी प्रकार आपके जीवन में बाधा डालते है। कुंडली के षष्ट भाव को रोग, ऋण और शत्रु भाव की संज्ञा की जाती हैं। छोटी अवधि के रोग भी इसी भाव से देखे जाते हैं। तथा अष्टम भाव मृत्यु, दुर्घटना, कलेश, विघ्न और अकाल मृत्यु और परेशनियों का विचार किया जाता हैं। अष्टमेश का किसी भी भाव-भावेश से सम्बन्ध बनना अनुकूल नहीं माना जाता हैं। 6 व 8 भावों के बाद एक अन्य व अंतिम त्रिक भाव 12 वां भाव है। 12 वें भाव से व्यय, सरकारी दंड, लम्बी अवधि का कारावास, शयन, मोक्ष, टैक्स तथा विदेश स्थान का विचार किया जाता हैं।

6, 8, 12 भावों के स्वामियों और इन भावों में स्थित ग्रहों में अशुभता का अंश पाया जाता हैं। जिसके फलस्वरूप ये आपके जीवन को समय समय पर बाधित करते रहते हैं। व 6, 8, 12 भाव के स्वामी तथा इन भावों में स्थित ग्रह अपनी महादशा-अन्तर्दशा में अनिष्ट तथा अशुभ फल देते है।

बुध आपके षष्टेश व नवमेश है, आपका पारिवारिक जीवन कष्टकारी हो सकता है। व्यापारिक विषयों में भी हानि के योग बन सकते हैं। इसके अलावा यह आपको शत्रुओं के द्वारा धन-हानि की संभावनाएं दे सकता है। यह योग पिता के स्वास्थ्य के पक्ष से भी शुभ नहीं है। सूर्य अष्टमेश गुरु द्वादशेश तथा तृतीयेश हैं।

सूर्य का अष्टम भाव में होना, सन्तान और शिक्षा क्षेत्र को बाधायुक्त बना रहा हैं। जीवन में अप्रत्याशित घटनाएं, सरकारी कार्यों में बाधाएं, सरकारी क्षेत्रों से पूर्ण सहयोग प्राप्त न होना, हृदय सम्बन्धी लम्बी अवधि के रोग, पुलिस और ससुराल पक्ष से संबंधों में मधुरता में कमी हो सकती हैं। सूर्य आपकी विद्वता में कमी कर रहा है, वाणी में कटुता का भाव कुछ अंश तक आ सकता है, धन-संचय में कमी, कुटुंब से मतभेद, अल्पकाल के लिए मिथ्याभाषी हो सकते है।

आपकी कुंडली में राहु अष्टम भाव में स्थित हैं। आपके पारिवारिक सुखों में कमी, पैतृक संपति नाश, संघर्ष, सौतेली माता से मतभेद, की स्थिति बन सकती हैं। आप अनुचित तरीकों से लाभार्जन करने का प्रयास कर सकते हैं। धन वृद्धि करने के लिए अनैतिक नियमों का सहारा आप ले सकते है। अष्टम भाव में राहु आपके क्रोध भाव में वृद्धि कर रहा हैं, आप को व्यर्थ विषयों पर बातें करने से बचना चाहिए। कुटुम्बियों से त्याज्य एवं अपमानित, कभी लाभ और कभी हानि, निष्ठुर, कई बार हानि पाने वाला तथा स्वजनों से दूर रहने वाला।

इन सभी के फलों में शुभता प्राप्त करने के लिए आपको 1, 4, 5, 8 मुखी रुद्राक्षों का कवच धारण करना चाहिए। यह कवच सफेद धागे में डालकर सोमवार को गंगाजल से शुद्ध कर ॐ नम शिवाय मंत्र के 108 बार जप कर धारण करना चाहिए। तदुपरांत शिवजी को कच्चा दूध चढ़ाए। क्षमतानुसार दान करे। इस प्रकार आपके जीवन में आने वाले कष्टों से छुटकारा मिलेगा एवं विशेष कष्टों में न्यूनता आएगी। कुंडली के सभी ग्रहों को शुभता प्रदान करने के लिए आप शिव कृपा रुद्राक्ष माला जो एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष से निर्मित होती है, भी धारण कर सकते हैं। एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष माला अद्भुत व चमत्कारी फल प्रदान करती हैं।

उपरोक्त कवच बिना दशा, गोचर विचार के आपको जीवन भर धारण करना चाहिए। क्योंकि यह कवच जन्म लग्न एवं उसमें स्थित ग्रहों के अवगुणों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक हैं।

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पडता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पडता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	23/07/2002-08/01/2003	07/04/2003-06/09/2004	13/01/2005-26/05/2005
साढेसाती द्वितीय ढैया	06/09/2004-13/01/2005	26/05/2005-01/11/2006	10/01/2007-16/07/2007
साढेसाती तृतीय ढैया	01/11/2006-10/01/2007	16/07/2007-10/09/2009	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	15/11/2011-16/05/2012	04/08/2012-02/11/2014	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	29/04/2022-12/07/2022	17/01/2023-29/03/2025	----------

द्वितीय चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	31/05/2032-13/07/2034	----------	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	13/07/2034-27/08/2036	----------	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	27/08/2036-22/10/2038	05/04/2039-13/07/2039	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	28/01/2041-06/02/2041	26/09/2041-11/12/2043	23/06/2044-30/08/2044
अष्टम स्थानस्थ ढैया	25/02/2052-14/05/2054	02/09/2054-05/02/2055	----------

तृतीय चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	11/07/2061-13/02/2062	07/03/2062-24/08/2063	06/02/2064-09/05/2064
साढेसाती द्वितीय ढैया	24/08/2063-06/02/2064	09/05/2064-13/10/2065	03/02/2066-03/07/2066
साढेसाती तृतीय ढैया	13/10/2065-03/02/2066	03/07/2066-30/08/2068	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	04/11/2070-05/02/2073	31/03/2073-23/10/2073	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	12/04/2081-03/08/2081	07/01/2082-20/03/2084	----------

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
साढेसाती प्रथम ढैया	शुभ	शत्रु व रोग
साढेसाती द्वितीय ढैया	सम	दाम्पत्य कलह
साढेसाती तृतीय ढैया	अशुभ	दुर्घटना
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	शुभ	व्यावसायिक उन्नति
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ	धन

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म-पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशंच भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर-कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए। जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

****

आपके जन्म काल में मंगल की स्थिति जन्म कुण्डली में सप्तम भाव में है अतः आप एक मांगलिक कन्या हैं परन्तु शास्त्रानुसार आपके मंगल का दोष समाप्त हो जाता है अतः ऐसा मंगल आपको अधिकांशतया शुभ फल ही प्रदान करेगा। फलतः आपका एवं आपके पति का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। पति के स्वभाव में उग्रता का समावेश हो सकता है। लेकिन इसके शुभ प्रभाव से आप जीवन में आवश्यक सुखोपभोग के साधनों को अर्जित करेंगी एवं धन धान्य से युक्त रह कर सुखपूर्वक इनका उपभोग करेंगी।

यद्यपि आपके लिए यह मंगल शुभ फल दायक रहेगा परन्तु आपके विवाह में इसके कारण विलम्ब हो सकता हैं लेकिन विवाह अत्यन्त ही शान्ति पूर्ण ढंग से सम्पन्न होगा। आपको किसी भी प्रकार से अनावश्यक समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। विवाह के उपरान्त आपका दाम्पत्य जीवन सुख एवं आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही पति के स्वभाव में यदा कदा क्रोधाधिक्य की प्रवृति उत्पन्न होगी जिससे अल्प समय के लिए आपस में तनाव तथा कटुता के संबंध उत्पन्न होंगे। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन पर इसका विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा।

आपकी कुण्डली में सप्तम भाव में मंगल स्थित होने से आप पति के रूप में किसी योग्य पुरुष को प्राप्त करने में सफल रहेंगी। अपने दाम्पत्य जीवन को प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगी। दशम भाव पर मंगल की दृष्टि होने से आप अपने कार्य क्षेत्र में प्रायः सफलता एवं उन्नति प्राप्त करेंगी तथा समाज में पूर्ण मान सम्मान प्रतिष्ठा तथा यश भी अर्जित करेंगी। लग्न पर दृष्टि होने से आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा परन्तु स्वभाव में यदा कदा क्रोध के भाव की प्रबलता दृष्टिगोचर होगी। साथ ही द्वितीय भाव पर दृष्टि होने से आपका परिवारिक जीवन सामान्यतया सुख एवं शान्ति से युक्त रहेगा परन्तु यदा कदा अल्प समय के लिए परिवारिक वातावरण में तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा।

इसके अतिरिक्त विद्या अध्ययन में आप हमेशा सफल रहेंगी एवं इस विषय में आप को किसी भी प्रकार की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। आप शान्ति एवं सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में सफल रहेंगी।

अपने दाम्पत्य जीवन को और अधिक सुखमय बनाने के लिए आपको किसी गैर मांगलिक पुरुष या ऐसे मंगली पुरुष से विवाह करना चाहिए जिसका मंगली दोष उचित नियम के अनुसार भंग हो रहा हो। ऐसे उचित पुरुष से दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करके आप जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगी तथा आनन्द पूर्वक समस्त आवश्यक सुखों का उपभोग करेंगी। एक भाग्यशाली महिला के रूप में सुखैश्वर्य से सम्पन्न तथा धनधान्य से युक्त रहकर प्रसन्नता पूर्वक दाम्पत्य जीवन व्यतीत करेंगी।

इसके अतिरिक्त जन्म कुण्डली में मिलान के समय यदि पुरुष की कुण्डली में सप्तम भाव में ही मंगल स्थित हो तो उसकी यत्न पूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए क्योंकि समान भाव में मांगलिक होने से आप लोगों का स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा। अतः दाम्पत्य सुख के उपभोग में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न होंगे। साथ ही अन्य भावों में मंगल स्थित यदि दोष मुक्त हो रहा हो तो दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए। इस प्रकार यदि आप सावधानी पूर्वक मिलान करके वर का चुनाव करेंगी तो सम्पूर्ण जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा।

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु-केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु-केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब-जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि

आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु-केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मकुण्डली में कर्कोटक नामक कालसर्प योग विद्यमान है। फलस्वरूप जातक को भाग्य उदय होने में अनेक अड़चनें आती हैं। नौकरी में व्यवधान उपस्थित हो जाता है या पदच्युत होने की संभावना रहती हैं। जातक को व्यापार कार्य जमता नहीं या फिर निरन्तर घाटा ही घाटा होता रहता है। जिससे जातक पीड़ित हो जाता है। पैत्तृक सम्पत्ति जातक को नहीं मिलती है, यदि मिलती भी है तो नहीं के बराबर। सम्पत्ति के कामों में प्रायः स्थिरता नहीं आ पाती है और परिश्रम करने के बावजूद भी उसका फल सही रूप से नहीं मिलता, जिस कारण जातक चिड़चिड़ा हो जाता है।

इस योग के प्रभाव से जातक अपने मित्रगणों के द्वारा छले जाते हैं और अपने कुटुम्बीजनों से अपयश मिलता है तथा आत्मीय जनों से कभी सम्मान नहीं मिलता है। जातक को रोग व्याधि समय-समय पर घेर लेती है। जिसमें अधिक मात्रा में धन खर्च हो जाने के कारण आर्थिक स्थिति नाजुक हो जाती है एवं मानसिक परेशानी बढ़ जाती है।

इसके प्रभाव से जातक अपनी वाणी को नियन्त्रण नहीं कर पाता एवं वह दूषित हो जाती है। जातक बात-बात पर झंझट करने को तैयार हो जाता है। परिणामस्वरूप आर्थिक नुकसान पाता है। उधार में दिया हुआ पैसा कभी वापस नहीं आता है। जातक के अनेक शत्रु होते हैं। वे षड्यन्त्र करते रहते हैं। जिसमें केवल नुकसान ही उठाना पड़ता है। जातक के शस्त्राघात से या जहर से मृत्यु होने की संभावना प्रबल होती है। जातक की अकाल मृत्यु हो जाये तो कोई आश्चर्य नहीं मानना चाहिए।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें। अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. 16 सोमवार का व्रत करें।
3. राहु मन्त्र का 18000(अट्ठारह हजार) उनकी महादशा, अन्तर्दशा में करें या करवायें।
4. शुभ मुहूर्त्त में अभिमन्त्रित गोमेद धारण करें।
5. सवा महीने जौ के दाने पक्षियों को खिलाएँ।
6. नव नाग स्तोत्र का एक वर्ष तक प्रतिदिन पाठ करें।
7. श्रावण मास में 30 दिन तक महादेव का अभिषेक करें।
8. तिरुपति बालाजी के समीप कालहस्ती शिवमन्दिर में जाकर कालसर्प योग की शान्ति का उपाय
विधि-विधान से एक बार करें।
9. श्रद्धापूर्वक पितरों का प्रतिवर्ष श्राद्धपक्ष में श्राद्ध करें। कम से कम सात वर्ष तक अवश्य करें।

10. सरस्वती जी की एक वर्ष तक विधिवत उपासना करें।
11. गोमेद, तिल, सरसों, कम्बल, खड्ग, नीलवस्त्र, शूर्प आदि समय समय पर दान करें।
12. देवदारु, सरसों तथा लोहवान को उबालकर राहु की महादशा या अन्तर दशा आदि में सवा महीने तक स्नान करें।
13. शुभ मुहूर्त में नागपाश यन्त्र को अभिमन्त्रित कर धारण करें।
14. शुक्ल पक्ष के प्रथम (जेठे) शनिवार से यह व्रत आरंभ करना चाहिए। यह व्रत 18 करें। काला वस्त्र धारण करके 18 या 3 बीज मन्त्र की माला जपें। तदन्तर एक बर्तन में जल, दूर्वा और कुश लेकर पीपल की जड़ में डालें। भोजन में मीठा चूरमा, मीठी रोटी समयानुसार रेवड़ी, भुग्गा, तिल के बने मीठे पदार्थ सेवन करें और यही दान में भी दें। रात को घी का दीपक जलाकर पीपल की जड़ में रख दें।
15. शुभ मुहूर्त में मुख्य द्वार पर चाँदी का स्वास्तिक एवं दोनो ओर धातु से निर्मित नाग चिपका दें।
16. मंगलवार एवं शनिवार को रामचरितमानस के सुन्दरकाण्ड का 108 बार पाठ श्रद्धापूर्वक करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे - कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

पितृदोष विचार

पितृदोष क्या है ?

हमारे पूर्वज या परिवार के सदस्य मृत्योपरांत पितृ संज्ञा प्राप्त करते हैं। पितृ हमारे और भगवान के बीच की कड़ी होते हैं। यदि ये प्रसन्न होते हैं तो जातक सुखी जीवन भोगता है, लेकिन यदि किसी कारणवश ये अप्रसन्न हो जाते हैं तो जातक को अनेक प्रकार की व्याधियाँ व कष्ट झेलने पड़ते हैं।

कालांतर में पितृ या तो मोक्ष को प्राप्त करते हैं, या पृथ्वी लोक पर पुनः जन्म ले लेते हैं। यदि परिवार के सभी पितरों का पुनर्जन्म या मोक्ष हो गया हो तो कुछ समय के लिए उस परिवार के कोई पितृ नहीं होते। ऐसे में जातक सुख दुख अपनी कुंडली अनुसार प्राप्त करता है। अतः परिवार के सदस्यों को चाहिए कि जब तक वे पितृ लोक में हैं तब तक तर्पणादि से उनकी सेवा करें। यदि पितृ प्रसन्न रहते हैं तो आशीर्वाद स्वरूप जातक चहुमुखी प्रगति प्राप्त करता है।

पितृ अप्रसन्न, दुःखी एवं अतृप्त होते हैं यदि किसी पूर्वज की अंतिम इच्छा पूर्ण न हुई हो, या किसी के द्वारा श्रापित हों या असामयिक मृत्यु हो गई हो। पितृ योनि में रहते हुए भी उन्हें भोजन की आवश्यकता होती है। यदि परिवार के सदस्य तर्पणादि द्वारा भोजन नहीं देते हैं तो वे भूख से व्याकुल हो जाते हैं। पितृ विभिन्न प्रकार के कष्टों की अनुभूति करते हैं जब तक कि जातक पितरों की शांति हेतु पूजन-पाठ, पिंडदान, तर्पण आदि न करे।

पितृ दोष अपने कर्मों के कारण न हो करके, अपने माता-पिता या पूर्वजों के कर्मों के कारण होते हैं, क्योंकि यह दोष तो जातक के जन्म से जन्मपत्री में विद्यमान होता है जबकि कर्म तो जन्म के बाद ही बनते हैं। अतः पितृदोष ऐसा दोष है जिसका कोई कारण समझ में नहीं आता, केवल लक्षण दर्शित होते हैं। जन्मपत्री में भी शुभ दशा व गोचर के योग होते हुए भी हमें हमारे कर्मों का फल प्राप्त नहीं होता, या घर में सदैव कलह, अशांति, धन की कमी व बीमारी लगी रहती है। संतान नहीं होती या संतान विक्षिप्त होती है, बच्चों के विवाह में अड़चन आती है या उनके विकास में अवरोध आते हैं। अतः जब भी किसी प्रकार की समस्या बार-बार आती है एवं कोई कारण नजर न आता हो तो हमें पितृ दोष की शांति करवानी चाहिए जब तक कि वातावरण और परिस्थितियां अनुकूल न हो जाएं।

पितृदोष लक्षण

1. परिवार में आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना होना।
2. आनुवांशिक बीमारी होना और लंबी अवधि तक बीमारी का चलना।
3. परिवार में शारीरिक रूप से विकलांग या अनचाहे बच्चे का जन्म होना।
4. परिवार में बच्चों द्वारा असम्मान या प्रताड़ना का व्यवहार करना।
5. गर्भ धारण न होना या गर्भपात होना।
6. परिवार के किसी सदस्य का विवाह न होना।

7. परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा-फसाद होना।
8. कभी खत्म न होने वाली गरीबी परिवार में हो जाना।
9. बुरी आदतों की लत लग जाना।
10. परिवार में बार-बार केवल कन्या संतान का जन्म होना।
11. शिक्षा में बाधाएं आना।
12. स्वप्न में सांप दिखाई देना।
13. माथे पर गंदी करतूतों का कलंक लगना।
14. परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद होने के पश्चात पीले होने लगना या काली खांसी होना।
15. परिवार के किसी सदस्य को स्वप्न में पूर्वज द्वारा खाना या कपड़े मांगते हुए दिखना।

पितृ की पहचान :

1. श्रीमद् भगवद् गीता के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करें तो आपको कुछ दिनों में ही स्वप्न में पितृ दर्शन होंगे।
2. रात को सोने से पहले हाथ पैर धोकर अपने मन में अपने पितृ से प्रार्थना करें कि जो भी मेरे पितृ हैं वे मुझे दर्शन दें।
3. यदि आपका कोई कार्य अटक रहा है तो अपने पितृ को याद कीजिए और उन्हें कहें कि यदि आप हैं तो मेरा अमुक कार्य हो जाए। मैं आपके लिए शांति पाठ कराउंगा। आपकी ऐसी प्रार्थना से कार्य सिद्धि हो जाने पर यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपको पितृ शांति करवानी चाहिए।

पितृ दोष उपाय :

1. श्राद्ध पक्ष में मृत्यु तिथि के दिन तर्पण व पिंडदान करें। ब्राह्मण को भोजन कराएं व वस्त्र/दक्षिणा आदि दें।
2. यदि मृत्युतिथि न मालूम हो तो श्राद्ध पक्ष की अमावस्या के दिन तर्पण व पिंडदानादि कर्म करें।
3. प्रत्येक अमावस्या विशेषतः सोमवती अमावस्या को पितृभोग दें। इस दिन गोबर के कंडे जलाकर उसपर खीर की आहुति दें। जल के छींटे देकर हाथ जोड़ें व पितृ को नमस्कार करें।
4. सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें व गायत्री मंत्र का जप करें।
5. पीपल के पेड़ पर जल, पुष्प, दूध, गंगाजल व काले तिल चढ़ाकर पितृ को याद करें, माफी और आशीष मांगें।
6. रविवार के दिन गाय को गुड़ या गेहूं खिलाएं।
7. लाल किताब के अनुसार परिवार में जहां तक खून का रिश्ता है जैसे दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, ताया, बहन, बेटी, बुआ, भाई सबसे बराबर-बराबर धन, 1, 5 या दस रुपए लेकर मंदिर में दान करने से पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है।
8. हरिवंश पुराण का श्रवण और गायत्री जप पितृ शांति के लिए लोकप्रसिद्ध है।
9. गया या त्र्यंबकेश्वर में त्रिपिंडी श्राद्ध या नन्दी श्राद्ध करें।
10. नारायणबलि पूजा करवाएं।

11. पितृ गायत्री का अनुष्ठान करवाएं –

ऊँ देवताभ्य पितृभ्यश्च महायोगिभ्येव च।
नमः स्वाहायै स्वधायैः नित्यमेव नमो नमः।।

12. पितृ दोष निवारण उपायों में गया में पिंडदान, गया श्राद्ध तथा पितृ भोग अर्पण आदि क्रियाएं करते हुए उपरोक्त पितृ गायत्री मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
13. श्री कृष्ण मुखामृत गीता का पाठ करें।

पितृ पूजा के लिए आवश्यक निर्देश :

1. पितरों को मांस वाला भोजन न अर्पित करें।
2. पूजा के दिन स्वयं भी मांस भक्षण न करें।
3. पितृ पूजा में स्टील, लोहा, प्लास्टिक, शीशे के बर्तन का प्रयोग न करें। मिट्टी या पत्तों के बर्तनों का ही प्रयोग करें।
4. पितृ पूजा में घंटी न बजाएं।
5. पितृ पूजा करने वाले व्यक्ति की पूजा में व्यवधान न डालें।
6. बुजुर्गों का सम्मान करें।
7. पितरों के निमित्त किये जाने वाले गौ-दान से पितृ तृप्त होते हैं।
8. घर में पीने का पानी रखा जाता है उस स्थान पर विशेष पवित्रता रखें। यह स्थान पितृों का स्थान माना जाता है।
9. पितृ कर्म हेतु साल में 12 मृत्यु तिथि, 12 अमावस्या, 12 पूर्णिमा, 12 संक्रांति, 12 वैधृति योग, 24 एकादशी व श्राद्ध के 15 दिन मिलाकर कुल 99 दिन होते हैं।

आपकी कुण्डली में पितृदोष

- लग्नेश शनि व राहु दोनों से प्रभावित है।

आपकी कुडली में शनि के कारण पितृदोष है।

आपकी कुंडली में शनि पितृदोष कारक ग्रह है अतः परिवार के किसी पुरुष सदस्य द्वारा दलित पर किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ भगवान रुद्र की पूजा करें। पीपल को जल चढ़ायें व पूजा करें। शम्मी की समिधा से हवन करें। बकरी व शनि प्रीतकारी वस्तुओं का दान करें। गरीब या जरूरतमंदों की सहायता के रूप में दान दें तथा कौए को खाने का पहला ग्रास खिलायें।

आपकी कुंडली में पितृदोष का योग है परंतु यदि आपको अपने जीवन में उपरोक्त वर्णित पितृदोष लक्षण में से किसी प्रकार का कष्ट या परेशानी की अनुभूति नहीं हो रही है तो आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। संभव है कि किसी शुभकार्य के कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों।

नोट :

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह त्र्यंबकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांढ़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।

एस्ट्रोग्राफ - 2025

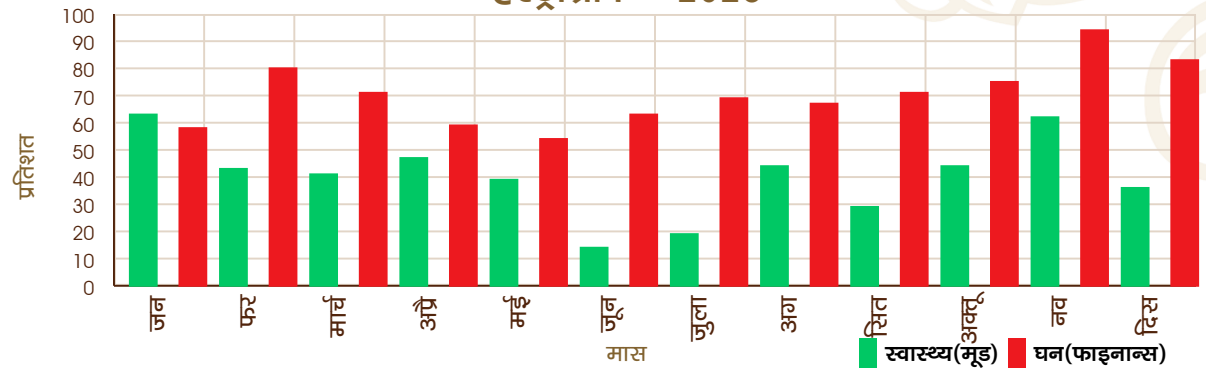

एस्ट्रोग्राफ - 2026

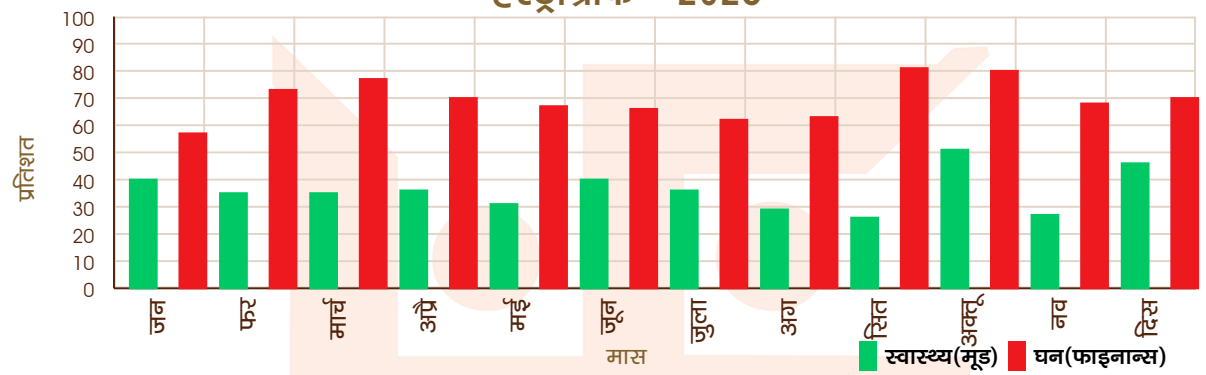

एस्ट्रोग्राफ - 2027

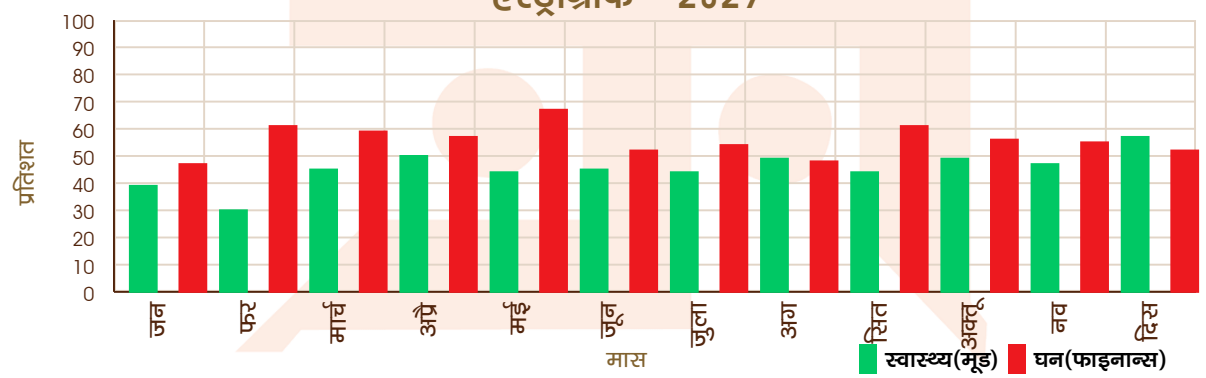

एस्ट्रोग्राफ - 2028

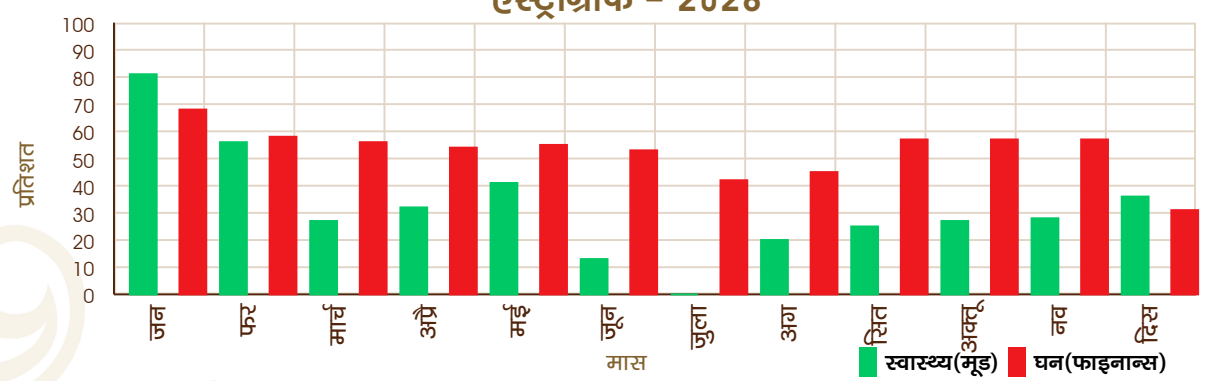

एस्ट्रोग्राफ - 2029

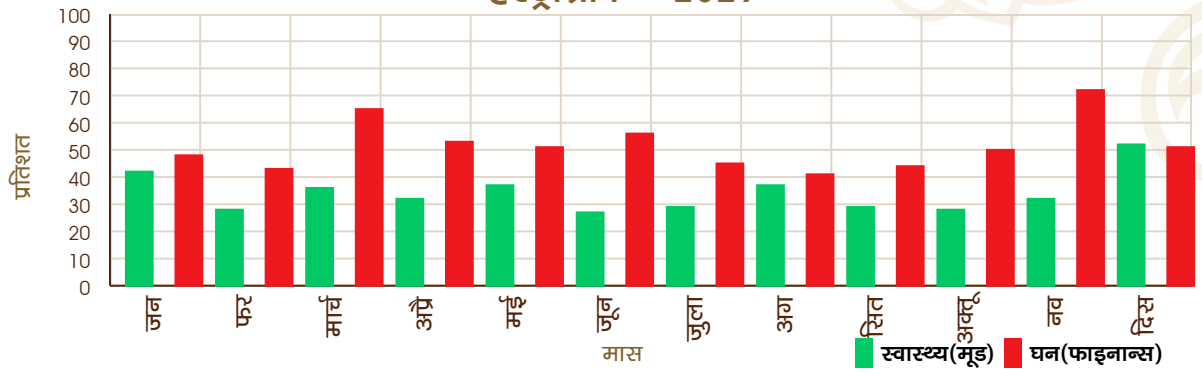

एस्ट्रोग्राफ - 2030

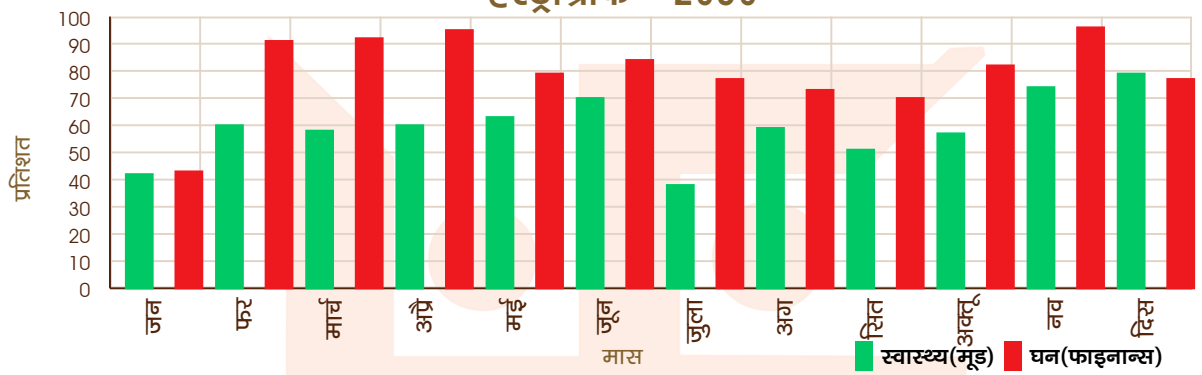

एस्ट्रोग्राफ - 2031

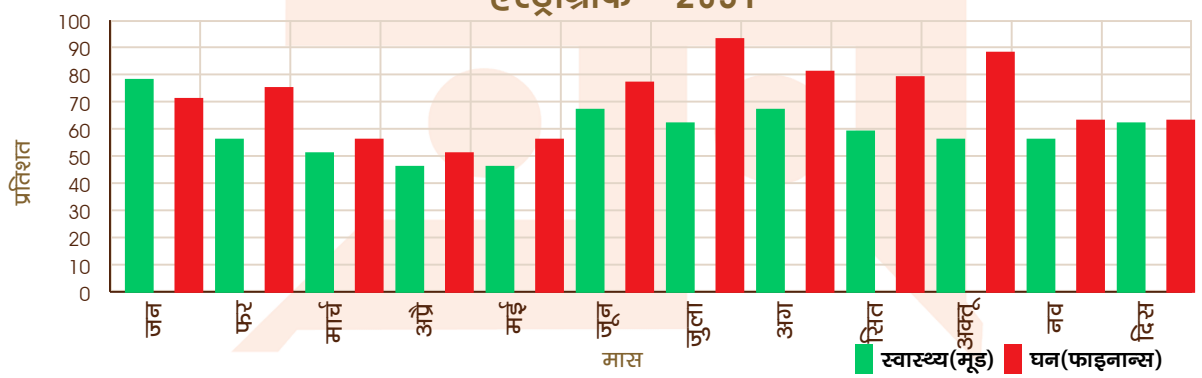

एस्ट्रोग्राफ - 2032

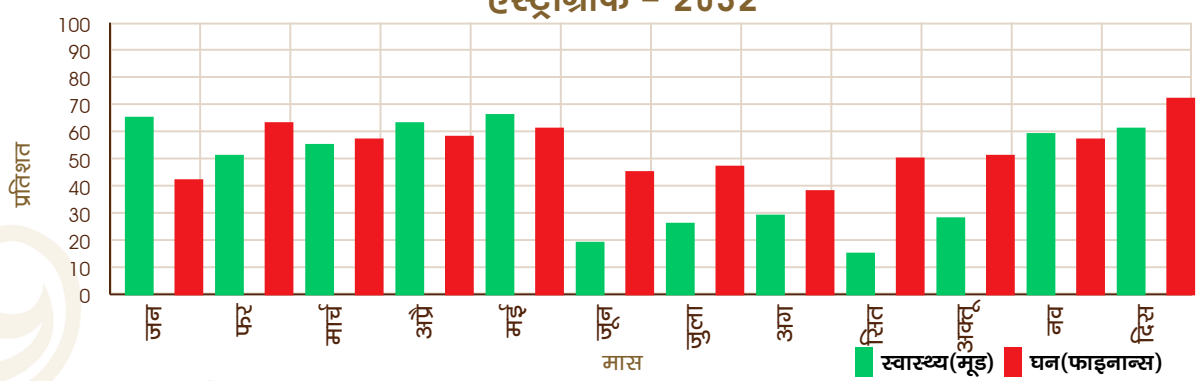

एस्ट्रोग्राफ - 2033

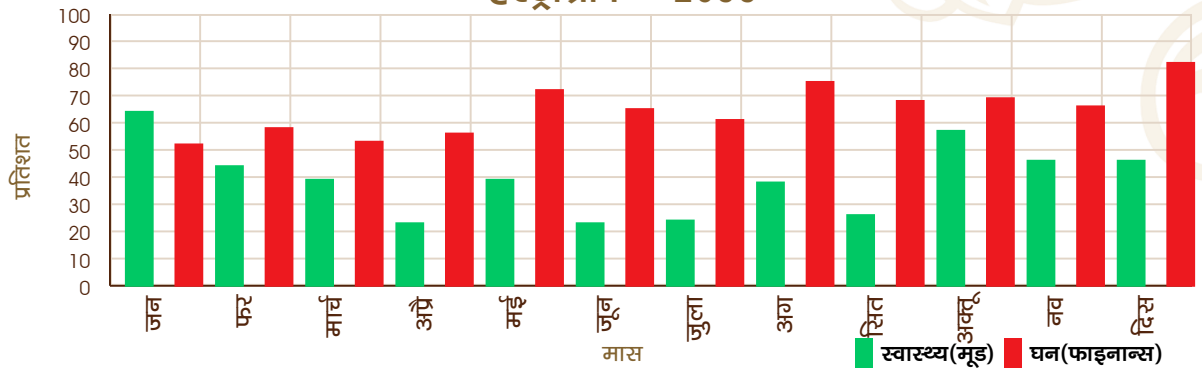

एस्ट्रोग्राफ - 2034

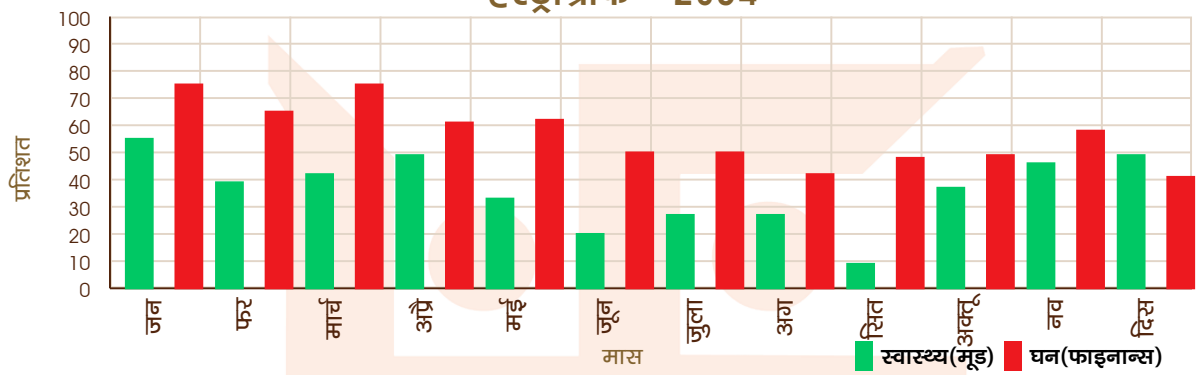

एस्ट्रोग्राफ - 2035

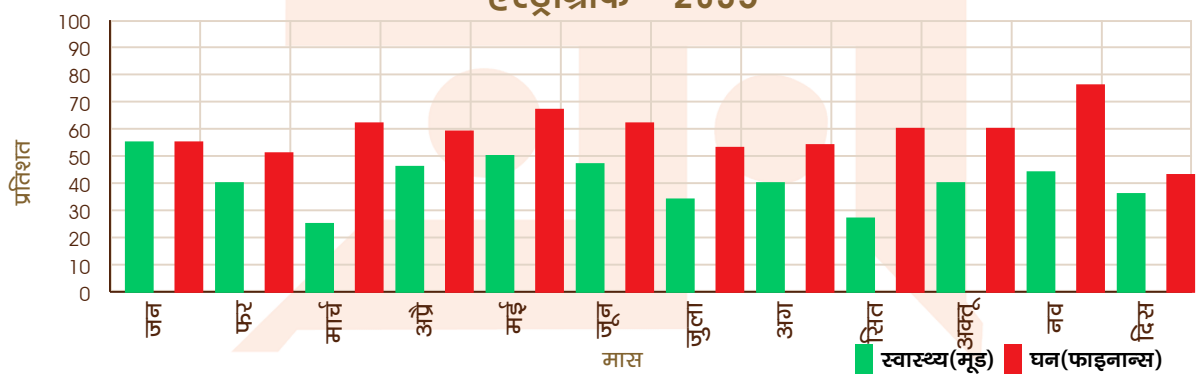

एस्ट्रोग्राफ - 2036

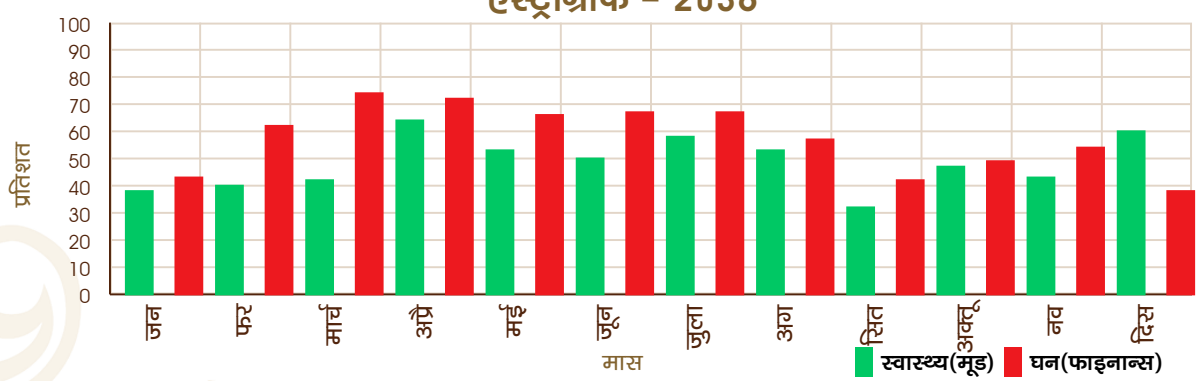

एस्ट्रोग्राफ - 2037

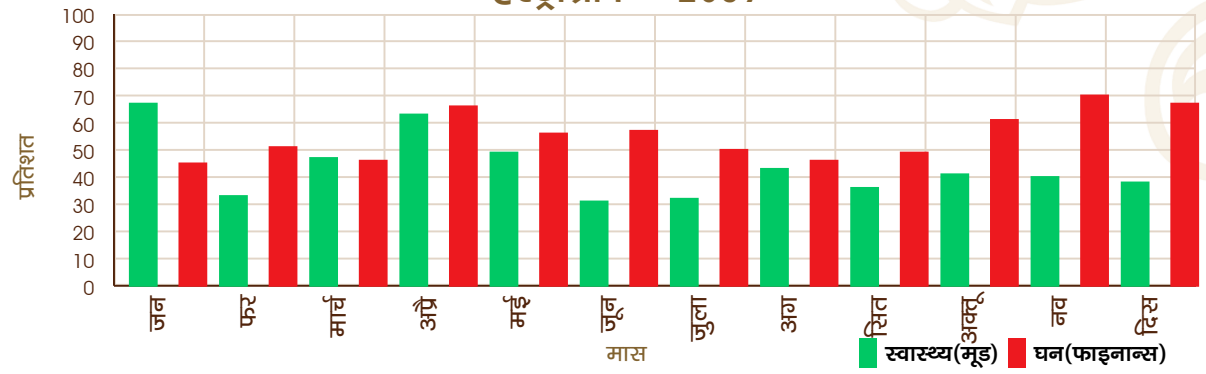

एस्ट्रोग्राफ - 2038

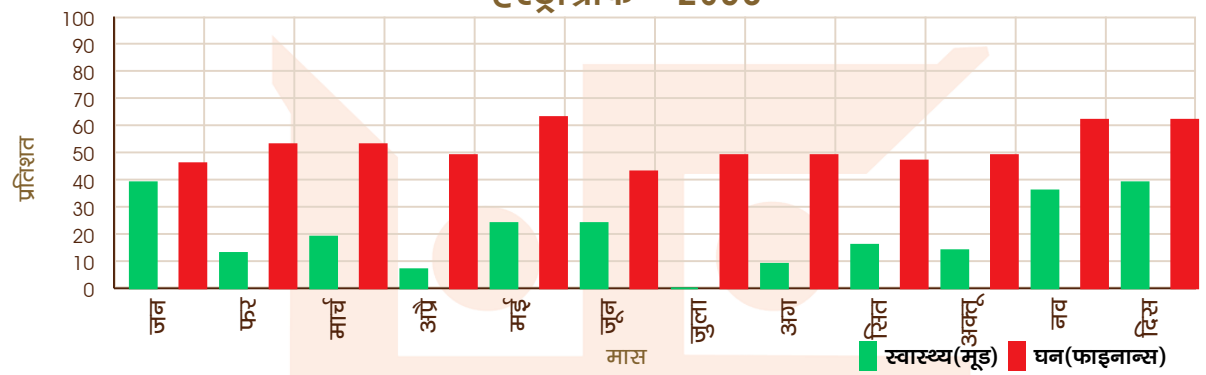

एस्ट्रोग्राफ - 2039

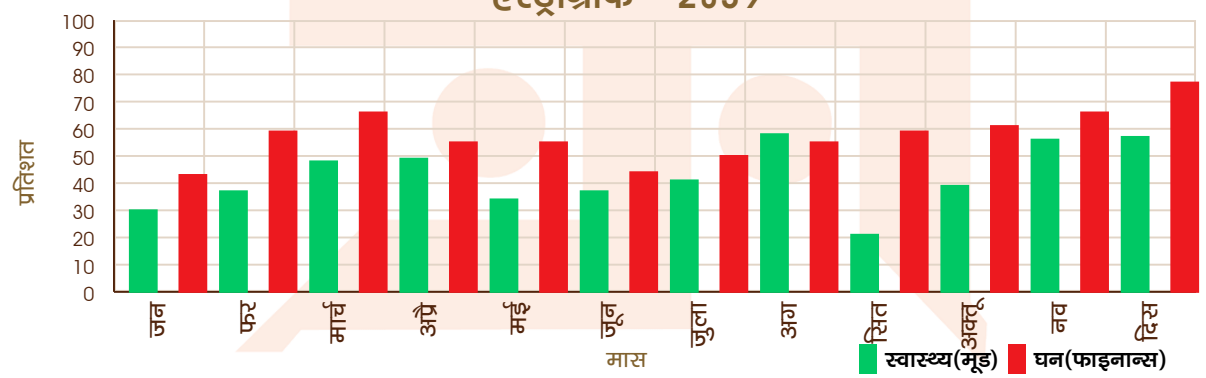

एस्ट्रोग्राफ - 2040

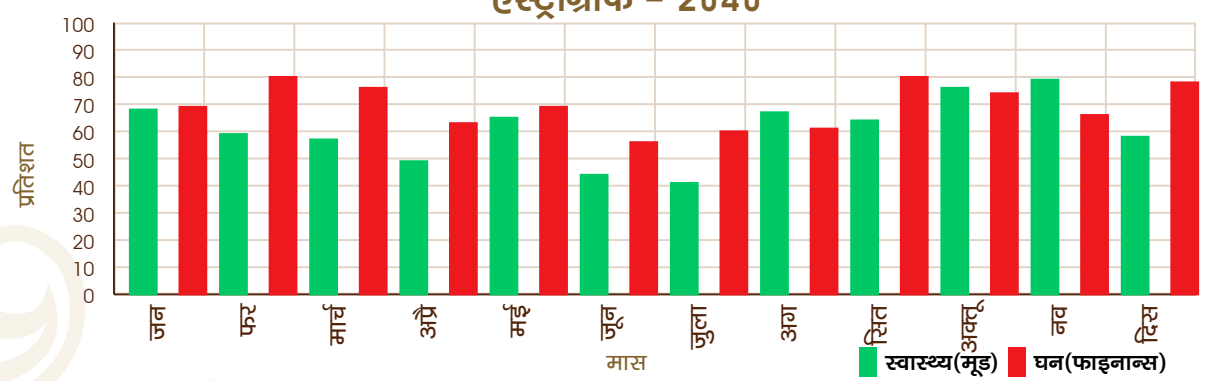

एस्ट्रोग्राफ - 2041

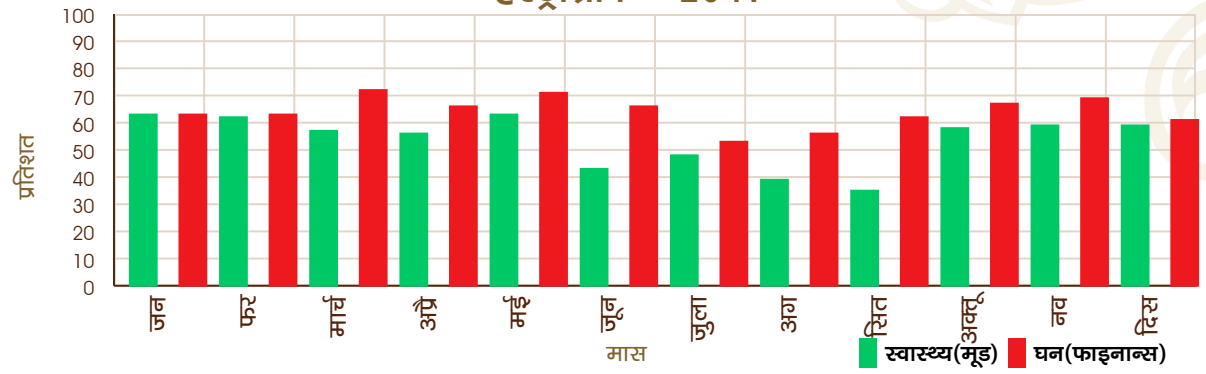

एस्ट्रोग्राफ - 2042

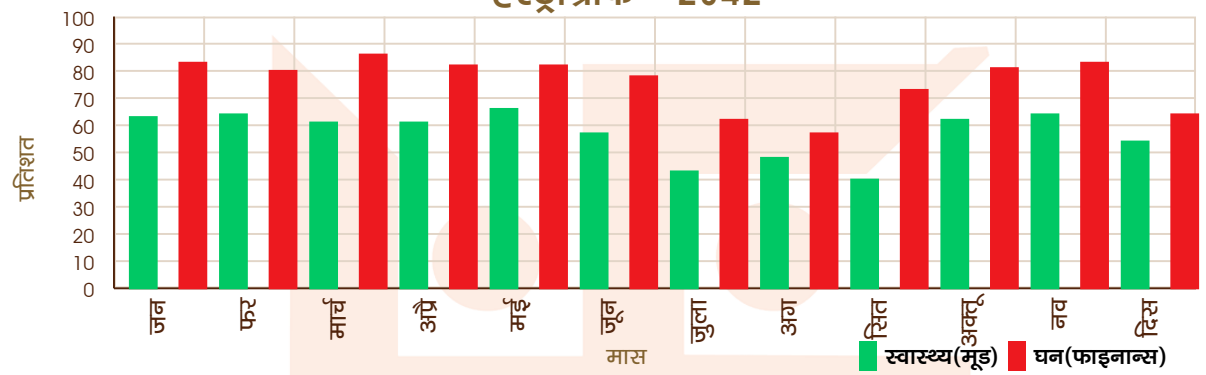

एस्ट्रोग्राफ - 2043

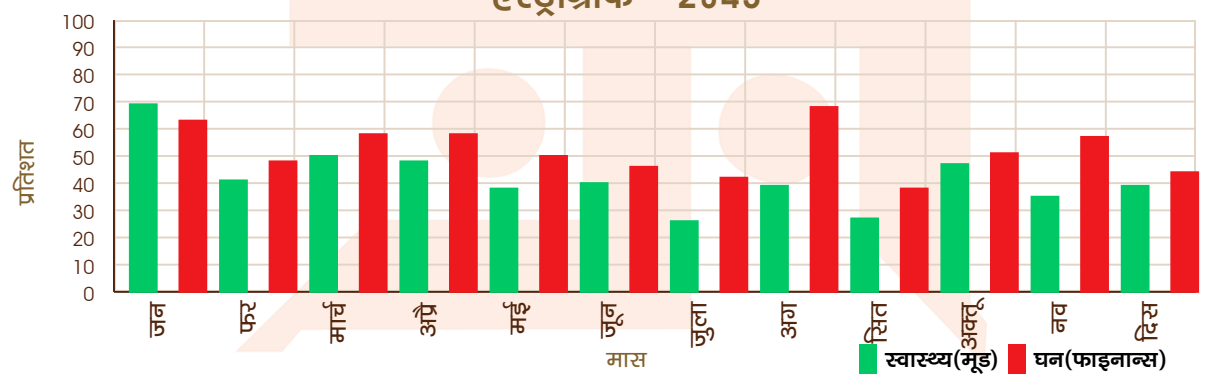

एस्ट्रोग्राफ - 2044